अब हर
रोज दर्पण
3

जबलपुर बुधवार 1 जुलाई 2026 > शक संवत 1948, अषाढ़ कृष्ण पक्ष प्रथमा
वर्ष 32 अंक 07 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96
www.swatantramat.com

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान
32.0°C
न्यूनतम तापमान
25.2°C
सूर्योदय - 5.28 | सूर्यास्त - 7.00

जल है तो कल है, जल बचाएंगे तो भविष्य संवरेगा : 2

प्रीतम एंड पेड्रो में वीर हिरानी के डेब्यू से भावुक 7

कलेक्टर का कड़ा रुखः लापरवाही पर 9

नए सिरे से होगी प्रमोशन में आरक्षण मामले की सुनवाई

सभी पक्षों को फिर से प्रस्तुत करने होंगे अपने-अपने तर्क और दस्तावेज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्यप्रदेश में सरकारी कर्मचारियों के प्रमोशन में आरक्षण को लेकर लंबे समय से फैसले का इंतजार कर रहे लाखों कर्मचारियों और अधिकारियों को बड़ा झटका लगा है। इस मामले में पूर्व मुख्य न्यायाधीश की पीठ द्वारा सुरक्षित रखा गया फैसला अब नहीं सुनाया जाएगा। अब मामले की सुनवाई मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की नई बेंच में शुरू से होगी। दरअसल, मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव कुमार सचदेवा की बेंच ने इस बहुचर्चित मामले में सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 17 फरवरी को फैसला सुरक्षित रख लिया था। हालांकि, फैसला सुरक्षित रखने के बाद निर्धारित समय सीमा में निर्णय नहीं सुनाया जा सका और इस बीच जस्टिस सचदेवा का तबादला सुप्रीम कोर्ट में हो गया। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार, किसी भी सुरक्षित फैसले को सामान्यतः 90 दिनों के भीतर सुनाया जाना चाहिए। चूंकि इस अवधि में फैसला नहीं सुनाया गया, इसलिए अब पूर्व बेंच द्वारा सुरक्षित रखा गया निर्णय प्रभावी नहीं रहेगा। अब इस मामले की सुनवाई मध्यप्रदेश हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश जस्टिस विवेक रुसिया की बेंच के समक्ष नए सिरे से होगी। इसका मतलब है कि सभी पक्षों को फिर से अपने-अपने तर्क और दस्तावेज अदालत के

समक्ष प्रस्तुत करने होंगे। मामले में पक्षकार रहे सपाक्स और अजाक्स सहित अन्य संगठनों के अधिवक्ताओं को भी दोबारा विस्तृत बहस करनी पड़ेगी। ऐसे में प्रमोशन में आरक्षण पर अंतिम फैसला आने में अभी और समय लग सकता है। यह मामला प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों की पदोन्नति से जुड़ा होने के कारण लंबे समय से चर्चा का विषय बना हुआ है। अब सभी की निगाहें नई बेंच की सुनवाई और उसके अंतिम निर्णय पर टिकी हैं।

इस वजह से लगी थी प्रमोशन पर रोक

साल 2002 में तत्कालीन सरकार ने प्रमोशन के नियम बनाते हुए प्रमोशन में आरक्षण का प्रावधान कर दिया था। ऐसे में आरक्षित वर्ग के कर्मचारी प्रमोशन पाते गए, लेकिन अनारक्षित वर्ग के कर्मचारी पिछड़ गए। जब इस मामले में विवाद बढ़ा तो कर्मचारी कोर्ट पहुंचे। उन्होंने कोर्ट से प्रमोशन में आरक्षण खत्म करने का आग्रह किया। कोर्ट को तर्क दिया कि प्रमोशन का फायदा सिर्फ एक बार मिलना चाहिए। इन तर्कों के आधार पर मप्र हाईकोर्ट ने 30 अप्रैल 2016 को मप्र लोक सेवा (पदोन्नति) नियम 2002 खारिज कर दिया। सरकार ने इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। शीर्ष कोर्ट ने यथास्थिति रखने का आदेश दिया। तभी से प्रमोशन पर रोक लगी है।

जनरल धीरज सेठ ने आर्मी चीफ का पदभार संभाला

नई दिल्ली। जनरल उपेंद्र द्विवेदी मंगलवार को आर्मी चीफ के पद से रिटायर हो गए। रिटायरमेंट से पहले उन्होंने नई दिल्ली स्थित नेशनल वॉर मेमोरियल पर शहीद जवानों को श्रद्धांजलि अर्पित की। द्विवेदी ने कहा- दो सालों में भारतीय सेना ने हर मोर्चे पर अपनी तैयारी, संतुलन और सतर्कता मजबूत बनाए रखी। ऑपरेशन सिंदूर इसका प्रमुख उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आज मैं यह जिम्मेदारी जनरल धीरज सेठ को सौंप रहा हूं। वह एक अनुभवी सैनिक और सक्षम नेता हैं। द्विवेदी की जगह जनरल धीरज सेठ ने ली है। उन्होंने आज कार्यभार संभाल लिया है। सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ हैं।

मां ने तीन बच्चों को नहर में फेंका, मौत

मोहाली। रोपड़ में मोहाली की एक महिला शकुंतला उर्फ सुमन ने अपने 3 बच्चों 10 वर्षीय तपिश, 7 वर्षीय तनवी और 4 वर्षीय नितिन को नहर में फेंक दिया। इसके बाद खुद भी आत्महत्या करने के लिए नहर में छलांग लगा दी। इस घटना में तीनों बच्चों की मौत गई। इनमें से 2 बच्चों के शव गोताखोरों ने बरामद कर लिए हैं। जबकि, एक बच्चे की तलाश जारी है। वहीं, नहर के पास से मंगलवार को पुलिस ने महिला को जिंदा पकड़ लिया। वह डूबी नहीं और तैर कर किनारे पर आ गई थी। बताया जा रहा है कि महिला केवल नहर में कूदकर आत्महत्या करने के लिए ही मोहाली से रोपड़ आई थी।

स्कूल बस पर गिरा पेड़, एक छात्र की मौत

मुंबई। चेंबूर इलाके में मंगलवार दोपहर प्राइवेट स्कूल बस पर एक पेड़ गिर गया। बस में कुल 12 स्टूडेंट थे। उनमें से 11 का रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं बस में फंसे 11 साल के छात्र विहान श्रीवास्तव गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें बाहर निकालकर अस्पताल भेजा गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। स्कूल की छुट्टी के बाद प्राइवेट बस रोज की तरह बच्चों को उनके घर छोड़ने जा रही थी।

नदी में डूबीं पांच महिलाएं, तीन के शव मिले

सोहावल (अयोध्या)। नदी में स्नान के दौरान सेल्फी लेने के चक्कर में पांच महिलाएं डूब गईं। घटना मंगलवार को सनहा गांव की है। इनमें से तीन महिलाओं का शव नदी से निकाला गया, जबकि दो अभी-भी लापता हैं। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। सनाहा निवासी मरियम, शाहीन, रशिदा, सजरूल एवं नाजिया मंगलवार को नदी में स्नान करने गईं थीं, तभी एक-एक करके पांचों गहरे पानी में जाने की वजह से डूबने लगीं। एक दूसरे को बचाने के प्रयास में पांचों नदी में समा गईं।

पेट्रोल में 20% एथेनॉल मिलाना एक प्रयोग

सरकार बोली- अगले साल पता चलेगा असर

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कर्नाटक हाईकोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी, जिसमें भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड को विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड से एथेनॉल खरीद बढ़ाने पर विचार करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने यह आदेश बीपीसीएल की याचिका पर दिया। कोर्ट ने कहा कि सरकार की मौजूदा पॉलिसी में कोई बदलाव नहीं होगा। बीपीसीएल ने कहा कि हाईकोर्ट का आदेश पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण की राष्ट्रीय नीति को प्रभावित कर सकता है। इस दौरान केंद्र सरकार ने बताया कि पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक्सपेरिमेंट है। इसका पूरा असर अगले साल तक पता चलेगा। एथेनॉल सप्लाई का यह विवाद

कर्नाटक की विन्प डिस्टिलरीज एंड शुगर प्राइवेट लिमिटेड की याचिका से जुड़ा है। विन्प ने कर्नाटक हाईकोर्ट में याचिका लगाते हुए दलील दी थी कि उसका एथेनॉल बनाने का प्लांट है। इसकी सलाना उत्पादन क्षमता करीब 9.90 करोड़ लीटर है, लेकिन उसे केवल 3.92 करोड़ लीटर का आवंटन किया गया है। सरकार ने कहा था कि किसी कंपनी को पहले ज्यादा आवंटन मिला तो इसका यह मतलब बिल्कुल नहीं है कि कंपनी को हर बार उतनी ही मात्रा में आवंटन मिलेगा। हाईकोर्ट ने बीपीसीएल को खरीद कोटा बढ़ाने पर विचार करने को कहा। इस आदेश के खिलाफ बीपीसीएल ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका लगाई थी। कर्नाटक हाईकोर्ट ने बीपीसीएल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को आदेश दिया था कि वे वीआईएनपी डिस्टिलरीज एंड शुगर्स की 2025-26 के लिए ज्यादा एथेनॉल आवंटन की मांग पर विचार करें। कोर्ट ने कहा था कि सरकार की नीति के तहत बने ऐसे एथेनॉल प्लांट, जो सिर्फ ऑयल कंपनियों को एथेनॉल बेचते हैं, उन्हें लॉन्ग टर्म ऑफटेक एग्रीमेंट के तहत मिलने वाली प्राथमिकता का लाभ मिलना चाहिए।

1.4 लाख करोड़ की बचत हुई

सरकार का कहना है कि एथेनॉल मिश्रण योजना से कच्चे तेल का आयात कम हुआ है और देश को 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की विदेशी मुद्रा की बचत हुई है। इससे ऊर्जा सुरक्षा बढ़ी है और प्रदूषण भी कम हुआ है। भारत ने पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिलाने का लक्ष्य तय समय से पांच साल पहले पूरा कर लिया है। बता दें कि इसी साल 1 अप्रैल से पूरे देश में एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल मिल रहा है। अब केन्द्र सरकार ने वर्ष 2030 तक 30 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण का नया लक्ष्य रखा है।

सरकार ने ई-20 को बताया सुरक्षित

हाल के दिनों में कुछ लोगों, खासकर ऑटोमोबाइल क्षेत्र से जुड़े लोगों ने आशंका जताई है कि ई-20 पेट्रोल से पुरानी गाड़ियों को नुकसान पहुंच सकता है और ईंधन दक्षता कम हो सकती है। हालांकि, केंद्र सरकार ने इन आशंकाओं को खारिज किया है। तेल मंत्रालय ने हाल ही में कहा था कि ई-20 ईंधन से वाहन इंश्योरेंस अमान्य होने या वाहनों को नुकसान पहुंचने के दावों के समर्थन में कोई ठोस वैज्ञानिक प्रमाण नहीं हैं। मंत्रालय के अनुसार, एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम सुरक्षित, उपभोक्ता हितैषी और आर्थिक रूप से फायदेमंद है।

मंत्री प्रतिमा बागरी को नोटिस

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

प्रदेश की नगरीय प्रशासन राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण-पत्र विवाद में राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने उन्हें नोटिस जारी किया है। समिति ने मंत्री बागरी को 6 जुलाई को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। मंत्री बागरी से कहा गया है कि छानबीन समिति के समक्ष उपस्थित होने के दौरान वे वर्ष 1950 की स्थिति के अनुसार सतना (मध्यप्रदेश) के निवासी होने तथा स्वयं को बागरी अनुसूचित जाति का सदस्य होने संबंधी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। इसके लिए सभी आवश्यक दस्तावेज छानबीन समिति के समक्ष पेश करने होंगे। जनजातीय कार्य विभाग के आयुक्त कार्यालय ने यह नोटिस मंगलवार को जारी किया है। यह नोटिस बागरी के जाति प्रमाण-पत्र को लेकर की गई शिकायत पर मध्य प्रदेश हाईकोर्ट द्वारा छानबीन समिति को 60 दिन के भीतर प्रमाण-पत्र की वैधता पर निर्णय लेने के निर्देश दिए जाने के मद्देनजर जारी किया गया है। इस नोटिस के बाद राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी का जाति प्रमाण-पत्र विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है।

6 जुलाई को छानबीन समिति के समक्ष प्रस्तुत करने होंगे जाति प्रमाण-पत्र के साक्ष्य

प्रदीप अहिरवार ने दायर की है याचिका

इससे पहले हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने याचिकाकर्ता एवं एससी कांग्रेस के अध्यक्ष प्रदीप अहिरवार की याचिका पर यह आदेश दिया था। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा था कि छानबीन समिति संबंधित पक्ष को बुलाकर निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच करेगी और यह तय करेगी कि प्रतिमा बागरी के पक्ष में जारी अनुसूचित जाति (एससी) का प्रमाण-पत्र वैध है या नहीं। जांच पूरी होने के बाद समिति उचित आदेश पारित करेगी। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया था कि यदि 30 जून 2026 तक समिति कोई निर्णय नहीं लेती है, तो याचिकाकर्ता को इस याचिका को पुनर्जीवित (रिवाइव) कराने की स्वतंत्रता होगी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी पर एसआईटी रिपोर्ट सार्वजनिक करे सरकारः कांग्रेस

नयी दिल्ली, (वार्ता)। कांग्रेस ने अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के मामले में बड़े और जिम्मेदार लोगों को बचाने का आरोप लगाते हुए केंद्र सरकार और मंदिर ट्रस्ट से इस मामले की जांच के लिए गठित विशेष जांच दल की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की मांग की है। कांग्रेस की सोशल मीडिया एवं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की चेयरपर्सन सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी महापाप है लेकिन प्राण प्रतिष्ठा और शिलान्यास में प्रमुख भूमिका निभाने वाले प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस मुद्दे इस मुद्दे पर मौन हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विशेष जांच दल की रिपोर्ट जमा होने के बावजूद उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने आस्था के साथ दान दिया था लेकिन उनकी आस्था के साथ खिलवाड़ हुआ। उनका कहना था कि सीसीटीवी फुटेज में 40 दिनों के भीतर 70 चोरियों का पता चला है। ऐसे में पिछले साढ़े पांच वर्षों में हुई कथित चोरियों का पूरा हिसाब जनता को बताया जाना चाहिए। सुश्री श्रीनेत ने आरोप लगाया कि मामले में केवल छोटे आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, जबकि बड़े जिम्मेदार लोगों को बचाया गया। उन्होंने कहा कि ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय का इस्तीफा इस बात का संकेत है कि मामला गंभीर है, इससे पूरे ट्रस्ट की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े होते हैं।

एसआईआर पर 23 विपक्षी दलों ने सीजेआई को लिखा पत्र

नई दिल्ली

चुनाव आयोग की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन प्रक्रिया और चुनाव से जुड़े अन्य मुद्दों को लेकर 23 विपक्षी दलों और एक निर्दलीय सांसद ने मंगलवार को चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया को लेटर लिखा। डीएमके के प्रवक्ता सरवनन अन्नादुरई ने आरोप लगाया कि एसआईआर की प्रक्रिया मनमानी और लोकतंत्र विरोधी है। एसआईआर का उद्देश्य मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट से हटाना है, जबकि लोकतंत्र का

आधार सभी वयस्क नागरिकों को वोट का अधिकार देना है। लेटर पर कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रविड़ मुनेत्र कड़गम समेत 23 विपक्षी दलों और निर्दलीय राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने हस्ताक्षर किए हैं। सूत्रों के मुताबिक, लेटर पर साइन करने वालों में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी, राजद नेता तेजस्वी यादव, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और वाम दलों के नेता शामिल हैं। लेटर में कहा गया है कि जब लोकतांत्रिक संस्थाएं अपेक्षित तरीके से काम नहीं करतीं, तब देश की जनता न्यायपालिका की ओर उम्मीद से देखती है। इसमें चुनाव आयोग की भूमिका और एसआईआर प्रक्रिया से विभिन्न राज्यों में लोगों पर पड़े प्रभाव की बात की गई।

सुधार में तेजी लाएं...एआई को अपनाएं

प्रधानमंत्री ने सभी मंत्रालयों के सचिवों के साथ की बैठक

नई दिल्ली (वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्र सरकार के सभी मंत्रालयों के सचिवों की एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की जिसमें प्रमुख नीतिगत सुधारों, प्रशासनिक दक्षता, कारोबार सुगमता तथा विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए सरकार की दीर्घकालिक रणनीति की समीक्षा की गई। करीब चार घंटे चली इस बैठक में कैबिनेट सचिव टी. वी. सोमनाथन, प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव पी. के. मिश्रा, प्रधान सचिव शक्तिकांत दास, सैन्य मामलों के विभाग के सचिव तथा विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के सचिव शामिल हुए। मौजूदा वित्तीय वर्ष में यह प्रधानमंत्री की सभी केंद्रीय सचिवों के साथ पहली व्यापक समीक्षा बैठकों में से एक थी। बैठक का उद्देश्य वर्ष 2026 की दूसरी छमाही के लिए सरकार की

प्राथमिकताओं के अनुरूप शीर्ष नौकरशाही को तैयार करना तथा प्रमुख सुधारों और सुशासन संबंधी पहलों के क्रियान्वयन में तेजी लाना था। बैठक में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को प्रमुखता से उठाया गया। अधिकारियों ने प्रशासनिक बाधाओं को दूर करने, नियामकीय बोझ कम करने, अनुपालन प्रक्रियाओं को सरल बनाने और भारत की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। इसके साथ ही नागरिक-केंद्रित सुधारों और सार्वजनिक सेवाओं की बेहतर उपलब्धता के माध्यम से ईज ऑफ लिविंग को बेहतर बनाने के उपायों की भी समीक्षा की गई। बैठक में सचिवों ने विकसित भारत 2047 के रोडमैप पर अपने-अपने मंत्रालयों की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। उन्होंने मंत्रालयवार कार्यान्वयन रणनीतियों और दीर्घकालिक विकास लक्ष्यों की जानकारी दी, जिनका उद्देश्य स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाना है। प्रधानमंत्री मोदी ने 52 सप्ताह में 52 सुधार अभियान की प्रगति की भी समीक्षा की। इस दौरान निर्धारित समय-सीमा के भीतर प्रशासनिक सुधार लागू करने के लिए मंत्रालयों के प्रदर्शन और कार्यान्वयन की स्थिति का आकलन किया गया। बैठक में अगली पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर भी विशेष जोर दिया गया। विभिन्न मंत्रालयों ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल तकनीकों के उपयोग से कार्यकुशलता बढ़ाने, निर्णय प्रक्रिया को तेज करने और विभागीय प्रक्रियाओं में होने वाली देरी कम करने के संबंध में अपनी प्रगति साझा की।

सूत्रों के अनुसार, वरिष्ठ अधिकारियों ने अपने-अपने मंत्रालयों के प्रदर्शन, सुधारों की उपलब्धियों, क्रियान्वयन से जुड़ी चुनौतियों और नीतिगत परिणामों पर विस्तृत प्रस्तुतियां दीं। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब केंद्र सरकार प्रशासनिक दक्षता बढ़ाने, नियमों को सरल बनाने और परिणामोन्मुखी सुशासन सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान दे रही है। पिछले दो महीनों से भी कम समय में शीर्ष नौकरशाही के साथ प्रधानमंत्री की यह दूसरी महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक थी।

'आसाराम को हम जमानत नहीं देंगे'

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को आसाराम द्वारा दायर याचिका पर राजस्थान सरकार से जवाब मांगा है। याचिका में आसाराम ने राजस्थान हाईकोर्ट के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें साल 2013 के नाबालिग से रेप मामले में उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति शील नागू की पीठ ने आसाराम की सजा पर रोक लगाने से इनकार करते हुए राजस्थान सरकार को नोटिस जारी किया है। अदालत ने सरकार को 2 सप्ताह के भीतर अपना जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता के सीनियर वकील डी.एस. नायडू ने दलील दी कि आसाराम की उम्र 80 साल से अधिक है और वे कई गंभीर बीमारियों से पीड़ित हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने जेल प्रशासन को आसाराम के लिए आवश्यक चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। साथ ही पीठ ने मौखिक रूप से टिप्पणी करते हुए कहा- फिलहाल हम जमानत नहीं दे रहे हैं। राज्य सरकार का पक्ष सुनने के बाद यदि ऐसी गंभीर स्थिति सामने आती है, जिससे उनके जीवन को खतरा हो, तभी जमानत पर विचार किया जाएगा।

अब ग्राम सभाएं तय करेंगी विकास एजेंडा

आज से 'मनरेगा' की विदाई, 'वीबी-जीरामजी' योजना होगी शुरू

शिशिर बाजपेयी

जबलपुर। 'मनरेगा' के दिन पूरे हो गए हैं, अब ग्रामीण विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से केंद्र सरकार की 'वीबी-जीरामजी योजना' योजना जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 1 जुलाई यानी बुधवार से लागू की जाएगी। इस योजना के तहत पहली बार ग्राम पंचायतों को अपने विकास कार्य स्वयं तय करने का अधिकार मिलेगा। ग्राम सभाओं में सरपंच, सचिव और पंच स्थानीय जरूरतों के आधार पर विकास कार्यों का चयन करेंगे। इसके लिए पंचायतों ने तैयारियां भी शुरू कर दी हैं और अब तक सौ से अधिक ग्राम पंचायतें जिला पंचायत को अपने प्रस्ताव भेज चुकी हैं। बता दें, कि अब तक पंचायतों को शासन स्तर से तय कार्यों के आधार पर विकास कार्य कराए जाते थे, लेकिन नई व्यवस्था में गांव अपनी प्राथमिकताओं के अनुसार सड़क, नाली, मुक्तिधाम, तालाब, सामुदायिक भवन और अन्य विकास कार्यों का चयन कर सकेंगे। सबसे बड़ा बदलाव यह है कि योजना में पक्के निर्माण कार्यों को भी शामिल किया गया है, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार को गति मिलने की उम्मीद है। जिला पंचायत के अधिकारियों के अनुसार शासन से बजट उपलब्ध होते ही पहले चरण में सभी पंचायतों में स्वीकृत कार्य शुरू कराने की तैयारी है। पंचायतों से लगातार प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं और उनकी तकनीकी जांच भी की जा रही है।

125 दिन तक रोजगार की गारंटी

नई वीबी-जीरामजी योजना में मनरेगा की मूल भावना को बरकरार रखते हुए ग्रामीण मजदूरों को 100 से 125 दिन तक रोजगार उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। योजना का उद्देश्य केवल रोजगार देना नहीं, बल्कि गांवों में स्थायी परिसंपत्तियों का निर्माण कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करना भी है। पंचायत स्तर पर होने वाले कार्यों की नियमित निगरानी की जाएगी, ताकि गुणवत्ता और पारदर्शिता बनी रहे।

जल संरक्षण-कृषि पर फोकस

वीबी-जीरामजी योजना के तहत जल संरक्षण, खेत तालाब, सरोवर, जल संरचनाओं के निर्माण और कृषि उपयोगी संसाधनों के विकास पर विशेष जोर रहेगा। सरकार का मानना है कि इससे सिंचाई सुविधाओं का विस्तार होगा, भूजल स्तर में सुधार आएगा और किसानों की उत्पादकता बढ़ेगी। केंद्र सरकार द्वारा राज्यों को इस योजना के लिए बड़ी धनराशि उपलब्ध कराई गई है, जिसमें राज्यों की हिस्सेदारी जोड़कर पंचायतों को विकास कार्यों के लिए पर्याप्त बजट उपलब्ध कराया जाएगा।

1200 बच्चों का भविष्य दांव पर

सिंगोद स्कूल में अब भी लटका ताला

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मध्य प्रदेश सरकार जहां एक तरफ 'स्कूल चले हम' का नारा बुलंद कर रही है, वहीं जबलपुर जिले की पनागर तहसील के संदीपनी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिंगोद में इसके उलट तस्वीर देखने को मिल रही है। जिला कलेक्टर द्वारा स्कूल चालू करने के स्पष्ट निर्देश दिए जाने के बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी की मनमानी के चलते स्कूल के गेट पर आज भी ताला लटका हुआ है। इस लापरवाही के कारण नर्सरी से लेकर 12वीं कक्षा तक के लगभग 1200 से अधिक छात्र-छात्राओं का भविष्य अधर में लटक गया है। नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के बाद भी स्कूल न खुलने से आक्रोशित छात्रों, अभिभावकों और क्षेत्रीय नागरिकों ने मंगलवार 30 जून को एक बार फिर जनसुनवाई में पहुंचकर गुहार लगाई। इससे पहले, 23 मार्च से लेकर अब तक लगातार कलेक्टर को ज्ञापन सौंपने, बच्चों द्वारा प्रदर्शन करने और राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेतृत्व में पनागर बंद जैसे उग्र कदम उठाए जा चुके हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देशों के बाद कलेक्टर ने जनसुनवाई के माध्यम से 23 जून को ही निराकरण पत्र जारी कर दिया था, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। जब पीड़ित पक्ष ने इस संबंध में जिला शिक्षा अधिकारी से बात की, तो उन्होंने स्थानीय स्तर पर कार्रवाई करने के बजाय इसे 'प्रदेश स्तर' का मामला बताकर पल्ला झाड़ लिया। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों को भी इस गंभीर समस्या से अवगत कराया गया, परंतु उनकी ओर से भी अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। जनसुनवाई में पुनः पत्र सौंपकर मांग की गई कि लापरवाह अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई कर स्कूल का ताला खुलवाया जाए.ज्ञापन में प्रवीण गजभिये , रामराज पटेल और एड. विनय भगत शामिल रहे।

कलेक्ट्रेट बार के संस्थापक सतीश नामदेव की द्वितीय पुण्यतिथि आज

आयोजित होंगी श्रद्धांजलि सभाएं

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के संस्थापक, वरिष्ठ समाजसेवी और स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के वंशज स्व. सतीश नामदेव एडवोकेट की द्वितीय पुण्यतिथि पर 1 जुलाई को शहर में विभिन्न श्रद्धांजलि सभाओं का आयोजन किया जा रहा है। अपने छात्र जीवन से ही समाजसेवा के प्रति समर्पित रहे सतीश नामदेव का निधन 1 जुलाई 2024 को हुआ था। उन्होंने कानून के क्षेत्र में एडवोकेट और नोटरी के रूप में ईमानदारी से कार्य किया। पहली श्रद्धांजलि सभा प्रातः 11 बजे उनके राइट टाउन स्थित निवास स्थान पर आयोजित होगी। स्व. नामदेव के पुत्र एडवोकेट शैलेष नामदेव, मनोज नामदेव और योगेश नामदेव ने सभी सहयोगियों और परिचितों से इस सभा में उपस्थित होने की अपील की है। इसके बाद दोपहर 2 बजे जिला कलेक्टर कार्यालय के अधिवक्ता परिसर शेड में दूसरी श्रद्धांजलि सभा होगी।

कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के संस्थापक की स्मृति में आयोजित इस सभा में जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष मनीष मिश्रा, कलेक्ट्रेट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष विवेक नायक, सचिव यशवंत दुबे और डॉ. प्रशांत मिश्रा सहित बड़ी संख्या में वकील शामिल होकर उन्हें श्रद्धांजलि देंगे।

उमराह के लिए रवाना हुआ जत्था

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गरीबरथ एक्सप्रेस से मुंबई के लिए अल बग़दाद टूर एंड ट्रेवल्स के संस्थापक इमरान मंसूरी की अगुवाई मे जत्था रवाना हुआ वहां से उमराह के अरकान अदा करने के लिए मक्का- मदीना शरीफ जाएंगे। इस अवसर पर जबलपुर रेलवे स्टेशन पर फ़ख़रुद्दीन बब्लू मंसूरी, महमूद अहमद, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद इकरार, मोहम्मद जावेद, मोहम्मद शोएब सहित अन्य लोगों ने फूल-मालाएँ पहनाकर यात्रियों को विदाई दी और उनके सफर की सलामती व उमराह की कबूलियत के लिए दुआ की।

सीवरेज प्रोजेक्ट की कलेक्टर ने की समीक्षा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंगलवार को नगर निगम के सीवरेज प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक लेकर कार्यों की प्रगति और संशोधित योजना का जायजा लिया। बैठक में अधिकारियों ने अमृत 2.0 योजना के तहत तैयार संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) की प्रस्तुति दी। बताया गया कि शहर को बेहतर सीवरेज प्रबंधन के लिए छह विकेंद्रीकृत जोन में विभाजित किया गया है। 7 मई को आयोजित 67वीं एसएलटीसी बैठक के निर्णयों के अनुरूप परियोजना में संशोधन करते हुए इसकी लागत 758.74 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है।

सेवानिवृत्ति पर विदाई समारोह का आयोजन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। नगर पालिका परिषद पनागर में 30 वर्षों से सफाई कर्मी के पद पर अपनी सेवाएं दे रहे राजू वाल्मीकि सेवानिवृत्त पर नगर पालिका परिषद ने उनके सम्मान में भव्य विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। तीन दशकों तक पनागर शहर की स्वच्छता और जनसेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले राजू वाल्मीकि के इस विदाई समारोह को लेकर सहकर्मियों में खासा उत्साह था नगर पालिका कर्मचारी संगठन एवं प्रदीप पटेल और अमित सेन ने राजू के कार्यों पर चर्चा की। उपस्थित शिवम जैन,बहादुर राय, बेड़ीलाल कुशवाहा,अखिलेश सेन बेडीलाल वंशकार सहित अनेक जन उपस्थित रहे।

कर्तव्य पथ से सम्मानजनक विदाई

जबलपुर रेल मंडल के 39 रेलकर्मी हुए सेवानिवृत्त,

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

भारतीय रेलवे को अपनी जिंदगी के बेशकीमती साल देने वाले 39 रेल अधिकारी और कर्मचारी मंगलवार को सेवामुक्त हो गए। जबलपुर रेल मंडल कार्यालय में जून-2026 माह में सेवानिवृत्त हो रहे इन रेलकर्मियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर मंडल रेल प्रबंधक कमल कुमार तलरेजा ने सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए विदाई दी। समारोह के दौरान रेल सेवा से निवृत्त हो रहे सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को उनके सेवाकाल से जुड़े आवश्यक दस्तावेज सौंपे। सम्मानित होने वाले वरिष्ठ अधिकारियों में मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंताविनोद कुमार नीलम और मंडल अभियंता जगदीश प्रसाद पाठक प्रमुख रूप से शामिल रहे। इसके साथ ही डीपी अग्रवाल, एस शंकर, अनिल वानखेडे और इफ्तिखार अली सहित सभी 39 कर्मियों को रेल प्रशासन की ओर से सम्मानित किया गया। इस गरिमामयी विदाई समारोह को सफल बनाने में वरिष्ठ मंडल वित्त प्रबंधक रजनी कांत साहू, वरूण चतुर्वेदी, शची पति नंदन और केपी सिंह की मुख्य भूमिका रही।

आपत्तिजनक टिप्पणी के बाद महिलाओं ने की एफआईआर दर्ज करने की मांग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

सोशल मीडिया पर इस्लाम धर्म के पैगम्बर हजरत मुहम्मद के खिलाफ आपत्तिजनक और अपमानजनक सामग्री प्रसारित करने के विरोध में गोहलपुर थाना पहुंचकर मुस्लिम संप्रदाय की महिलाओं ने एकत्रित पुलिस को ज्ञापन सौंपा। पत्र में बताया गया कि इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे व्यापक मंचों पर पैगंबर साहब के प्रति अशोभनीय टिप्पणियां करने के साथ-साथ उनका निषिद्ध चित्रात्मक व कार्टून स्वरूप प्रदर्शित किया गया है, जिससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक भावनाओं को गहरा आघात पहुंचा है और इस मामले में एफआईआर दर्ज की जाए । यह विवादित सामग्री 'न्यूज वॉच इंडिया' नामक सत्यापित इंस्टाग्राम अकाउंट और उसके आधिकारिक यूट्यूब चैनल पर प्रसारित एक पॉडकास्ट के माध्यम से सामने आई है। 'नाज़िया इलाही खान पॉडकास्ट' नामक इस कार्यक्रम का प्रसारण हाल ही में किया गया था। प्रमुख शिकायतकर्ता ने आवेदन में यह उल्लेख किया कि नाजिया इलाही खान पूर्व में भी इस तरह की भड़काऊ टिप्पणियों के लिए विवादों में रही हैं ।

इसके बावजूद बार-बार ऐसी संवेदनशील सामग्री का निर्माण और प्रसारण करना कानून व्यवस्था के लिए एक गंभीर चुनौती है। पीड़ित पक्ष ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि सामाजिक सौहार्द को बिगड़ने से रोकने के लिए इस मामले में संलिप्त सभी आरोपियों के खिलाफ तत्काल कानूनी प्रावधानों के तहत प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कर निष्पक्ष जांच की जाए।

तापमान में आई गिरावट

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। संडे की सुस्ती के बाद जब जबलपुर वालों ने सोमवार की सुबह अपनी आँखें खोलीं, तो मौसम का मिजाज देखकर उनका दिल कुश हो गया। हफ्ते के पहले ही दिन आसमान में बादलों ने ऐसी महफ़िल जमाई कि झमाझम बौछारों के साथ सोमवार की शुरुआत बेहद शानदार हो गई। आमतौर पर गर्मी से परेशान रहने वाले लोग आज बादलों की मेहरबानी देखकर झूम उठे और दफ्तर-कॉलेज जाने वालों के चेहरे पर भी एक अनोखी मुस्कान तैर गई। आषाढ़ का महीना शुरू होते ही बादलों ने जबलपुर पर जो नेमत बरसाई है, उसने किसानों से लेकर आम जनता तक सबको खुश कर दिया है। जैसे ही ठंडी बूंदों ने धरती को छुआ, वैसे ही उमस और तीखी धूप से बेहाल शहरवासियों को बड़ी राहत मिली। आषाढ़ के शुरुआती दिनों में ही इस तरह की झमाझम बारिश ने यह संकेत दे दिया है कि इस बार मानसून बाबा शहर पर मेहरबान रहने वाले हैं। इस मानसूनी यू-टर्न का सबसे बड़ा असर शहर के पारे पर देखने को मिला। झमाझम पानी गिरने से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई है, जहां अधिकतम तापमान 32.0 तो वहीँ न्यूनतम तापमान 25.2 दर्ज किया गया। जिससे फिजाओं में ठंडी-ठंडी सिहरन घुल गई है। जो लोग कल तक कूलर और एसी के सामने से हिलने का नाम नहीं ले रहे थे, वे आज मौसम का लुत्फ उठाने के लिए अपने घरों की बालकनी और छतों पर चाय का कप थामे नजर आए। तापमान क्या गिरा, जबलपुर की जनता का 'शॉपिंग और घूमने' का मन बन गया। शाम होते ही लोग घरों से निकलकर बाजारों और चाट-चौपाटियों की तरफ दौड़ पड़े। समोसे-मंगौड़े की दुकानों पर अचानक भीड़ बढ़ गई और मॉल से लेकर मुख्य बाजारों तक रौनक देखते ही बन रही थी।

पश्चिम मध्य रेल के 172 रेलकर्मियों ने पूरी की सेवा यात्रा

विदाई के दौरान नम हुई आँखें, याद आये बिताये पल

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

पमरे परिवार से आज 172 रेल नायकों की एक लंबी और गौरवशाली सेवा यात्रा का समापन हो गया। मंगलवार, 30 जून को पमरे मुख्यालय, तीनों रेल मंडलों जबलपुर, भोपाल, कोटा और कारखानों में कार्यरत कुल 172 रेल अधिकारी और कर्मचारी अपनी पूरी निष्ठा के साथ सेवाएं देने के बाद सेवानिवृत्त हो गए। इस विदाई बेला पर सभी कार्यालयों में सम्मान समारोह आयोजित कर उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। पमरे मुख्यालय में आयोजित मुख्य गरिमामयी समारोह में अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, एसडी पाटीदार, सुधीर कुमार और जगराम मीणा ने सेवानिवृत्त हो रहे रेलकर्मियों को विदाई दी। इस अवसर पर पमरे प्रशासन की ओर से सेवानिवृत्त होने वाले सभी रेलकर्मियों के सुखी, स्वस्थ, दीर्घायु और समृद्ध जीवन की कामना की गई।

मुख्यालय में आयोजित इस विदाई समारोह का कुशल संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी शैलेंद्र सिंह गौर द्वारा किया गया। सेवानिवृत्त होने वाले कुल स्टाफ में मुख्यालय से 1 अधिकारी और 6 कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा जबलपुर मंडल से 2 अधिकारी व 37 कर्मचारी, भोपाल मंडल से 1 अधिकारी व 44 कर्मचारी, भोपाल कारखाने से 2 अधिकारी व 15 कर्मचारी विदा हुए।

वहीं, कोटा मंडल से 2 अधिकारी व 51 कर्मचारी, कोटा कारखाने से 1 अधिकारी व 8 कर्मचारी तथा कोटा निर्माण इकाई से 1 अधिकारी व 1 कर्मचारी ने अपनी सेवानिवृत्ति पूरी की। सभी मंडलों और कारखानों में भी स्थानीय स्तर पर उन्हें ससम्मान विदाई दी गई।

मुख्यमंत्री प्रदान करेंगे 'गौरव शिखर सम्मान'

जबलपुर (स्वतंत्र मत) ।

मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय दादा ईश्वरदास रोहाणी के 80वें जन्मदिवस के अवसर पर संस्कारधानी में सेवा और सम्मान का अनूठा संगम देखने को मिला। दादा रोहाणी की स्मृति में पीएम श्री महाकौशल महाविद्यालय, सिविल लाइन्स में एक विशाल रक्तदान शिविर और रोजगार मेले का आयोजन किया गया। मेडिकल कॉलेज, विक्टोरिया और एल्गिन अस्पताल के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस शिविर में सैकड़ों युवाओं ने बढ़-चढ़कर रक्तदान किया। इसके साथ ही, युवाओं को उनके कौशल के अनुसार रोजगार के अवसर भी प्रदान किए गए।

इस मौके पर गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल के डॉ. पुष्पराज पटेल और उनकी टीम द्वारा आमजनों के लिए निःशुल्क बी.पी. और शुगर जांच शिविर भी लगाया गया। इसी कड़ी में आयोजन समिति ने इस वर्ष एक नई और अनूठी पहल करते हुए दादा ईश्वरदास रोहाणी की स्मृति में 'गौरव शिखर सम्मान 2026' की शुरुआत की है। यह भव्य समारोह 1 जुलाई को दोपहर तीन बजे से मानस भवन, राइट टाउन में आयोजित होगा। इस कार्यक्रम में समाज के 12 विशिष्ट क्षेत्रों जैसे शिक्षा के लिए 'ज्ञान ज्योति', समाज सेवा के लिए 'कर्मयोगी', पत्रकारिता के लिए 'कलम वीर' और न्याय के लिए 'न्याय रत्न' में उत्कृष्ट योगदान देने वाली विभूतियों को सम्मानित कर समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार किया जाएगा।

इस भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शिरकत करेंगे, जबकि कार्यक्रम की अध्यक्षता लेफ्टिनेंट जनरल हरविंदर सिंह वंद्रा करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और लोक निर्माण विभाग मंत्री राकेश सिंह मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की तैयारियों में आशीष राव, सौरभ गोयल, डॉ. सुनील मिश्रा, सचिन जैन, गुड्डा केवट और ज्योति रेड्डी सहित सैकड़ों कार्यकर्ताओं की टीम जुटी हुई है।

तैयारियों का कलेक्टर ने लिया जायजा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के प्रस्तावित जबलपुर प्रवास को देखते हुए कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंगलवार शाम मानस भवन पहुंचकर 'गौरव शिखर सम्मान' समारोह की तैयारियों का निरीक्षण किया। उन्होंने सुरक्षा, बैठक व्यवस्था, पार्किंग, साफ-सफाई तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा कर संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान विधायक अशोक रोहाणी, नगर निगम अध्यक्ष रिकुंज विज, अपर कलेक्टर रविशंकर राय, डॉ. सुनील मिश्रा, विजय रोहाणी, सचिन जैन सहारा, एसडीएम आधारताल पंकज मिश्रा सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विद्यार्थियों के जीवन में सामाजिक विज्ञान का महत्व

विद्यार्थियों के जीवन में सामाजिक विज्ञान का महत्व बहुत अधिक है। यह विषय केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके अंतर्गत इतिहास, भूगोल, अर्थशास्त्र, राजनीति विज्ञान और नागरिक शास्त्र जैसे विषय शामिल होते हैं, जो विद्यार्थियों को समाज और देश की वास्तविक स्थिति को समझने में मदद करते हैं। इससे उनमें अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूकता विकसित होती है और वे एक जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा में आगे बढ़ते हैं।

इतिहास का अध्ययन विद्यार्थियों को अतीत की घटनाओं, स्वतंत्रता संग्राम और महान व्यक्तियों के जीवन से परिचित कराता है। इससे उनमें देशभक्ति, आत्मगौरव और प्रेरणा की भावना उत्पन्न होती है तथा वे भविष्य में बेहतर निर्णय लेने की क्षमता विकसित करते हैं। इसी प्रकार भूगोल के अध्ययन से विद्यार्थी प्राकृतिक संसाधनों, पर्यावरण, जलवायु और जैव विविधता के महत्व को समझते हैं, जिससे उनमें पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ती है।

सामाजिक विज्ञान विद्यार्थियों को विभिन्न संस्कृतियों, परंपराओं और धर्मों के बारे में जानकारी देकर उनमें सहिष्णुता, समानता और आपसी सम्मान की भावना विकसित करता है। यह उन्हें विविधता में एकता को समझने और समाज में सौहार्द बनाए रखने की सीख देता है। राजनीति विज्ञान और नागरिक शास्त्र के माध्यम से विद्यार्थियों को संविधान, कानून, मतदान और लोकतांत्रिक व्यवस्था की जानकारी मिलती है, जिससे वे जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनते हैं।

इसके अलावा, अर्थशास्त्र विद्यार्थियों को धन, बचत, बजट और आर्थिक संसाधनों के सही उपयोग की समझ देता है, जो उनके भविष्य के लिए बहुत उपयोगी होता है। कुल मिलाकर, सामाजिक विज्ञान न केवल ज्ञान बढ़ाता है बल्कि विद्यार्थियों के व्यक्तित्व का विकास भी करता है और उन्हें एक अच्छे, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनने में मदद करें।

मो. आदिल खान
शिक्षक
केसी हितकारिणी चिल्ड्रेन्स एकेडमी
जोन्सगंज, जबलपुर

गुप्त कालः स्वर्ण युग की गाथा

क्या आपने कभी सोचा है कि भारतीय इतिहास में गुप्त काल को स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है? क्या उस समय सचमुच सोने की भरमार थी, या फिर यह उपाधि किसी और कारण से दी गई? दरअसल, गुप्त काल वह युग था जब भारत ने शिक्षा, विज्ञान, गणित, साहित्य, कला, व्यापार और शासन व्यवस्था के क्षेत्र में ऐसी अद्भुत प्रगति की, जिसकी गूंज पूरी दुनिया तक पहुँची। यही कारण है कि इतिहासकार इस काल को भारत के सबसे गौरवशाली युगों में गिनते हैं। आइए जानते हैं कि आखिर गुप्त काल को भारत का स्वर्ण युग क्यों कहा जाता है।

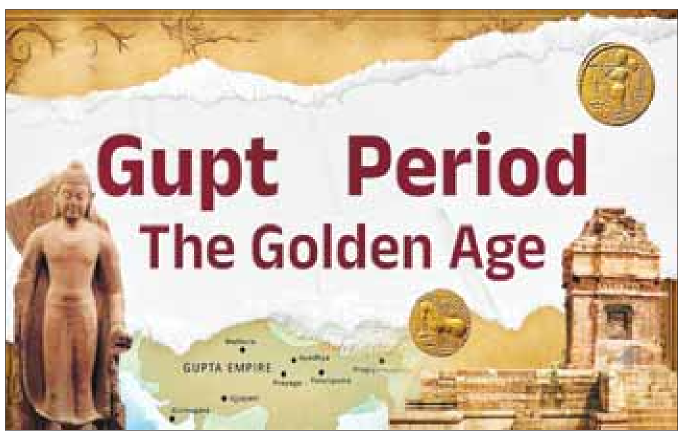

शक्तिशाली और स्थिर शासन

गुप्त शासकों ने एक मजबूत और सुव्यवस्थित शासन व्यवस्था स्थापित की। उनके शासन में देश में शांति, सुरक्षा और समृद्धि का वातावरण बना, जिससे शिक्षा, व्यापार और संस्कृति को फलने-फूलने का अवसर मिला।

साहित्य का स्वर्णिम दौर

इस काल में संस्कृत भाषा और साहित्य अपने चरम पर पहुँचे। महान कवि कालिदास ने अभिज्ञानशाकुंतलम मेघदूत और रघुवंश जैसी अमर रचनाएँ लिखीं, जो आज भी विश्व साहित्य की धरोहर मानी जाती हैं।

गणित और विज्ञान में नई ऊँचाइयाँ

महान गणितज्ञ आर्यभट ने खगोल विज्ञान और गणित में महत्वपूर्ण योगदान दिया। दशमलव प्रणाली, ग्रहों की गति और पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने जैसे विचारों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को नई पहचान दिलाई।

शिक्षा का उत्कर्ष

इस काल में शिक्षा को विशेष महत्व मिला। नालंदा जैसे महान शिक्षा केंद्रों में भारत ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी विद्यार्थी अध्ययन के लिए आते थे। ज्ञान और शोध की समृद्ध परंपरा ने भारत को विश्वगुरु बनने की दिशा में आगे बढ़ाया।

कला और स्थापत्य का विकास
गुप्त काल में मंदिर निर्माण, मूर्तिकला और चित्रकला ने नई ऊँचाइयाँ हासिल कीं। इस समय बनी कलाकृतियाँ आज भी भारतीय कला की उत्कृष्ट मिसाल मानी जाती हैं।

आर्थिक समृद्धि और व्यापार

कृषि, उद्योग और व्यापार के विकास से देश आर्थिक रूप से मजबूत हुआ। विदेशी व्यापार बढ़ा और सोने के सुंदर सिक्कों का प्रचलन इस समृद्धि का प्रमाण माना जाता है।

धार्मिक सहिष्णुता

गुप्त शासकों ने विभिन्न धर्मों के प्रति सम्मान का भाव रखा। इससे समाज में शांति और सांस्कृतिक विकास का वातावरण बना। यह समृद्धि समाज के सभी वर्गों तक समान रूप से पहुँची।

मंगल पांडेः स्वतंत्रता की पहली चिंगारी

जब भी भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) की चर्चा होती है, तो सबसे पहले जिस महान क्रांतिकारी का नाम लिया जाता है, वह है मंगल पांडे। उन्हें भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का प्रथम क्रांतिकारी और 1857 की क्रांति का अग्रदूत माना जाता है। मंगल पांडे केवल एक सैनिक नहीं थे, बल्कि वे साहस, आत्मसम्मान और देशभक्ति के जीवंत प्रतीक थे। उन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर अंग्रेजी शासन को चुनौती दी और पूरे देश में स्वतंत्रता की अलख जगाई। उनका बलिदान भारतीय इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है।

प्रारंभिक जीवन

मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया जिले के नगवा गाँव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। बचपन से ही वे साहसी, अनुशासित और स्वाभिमानी स्वभाव के थे। युवावस्था में वे ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए। मंगल पांडे 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री में कार्यरत थे। उस समय भारतीय सैनिकों के साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता था। उन्हें कम वेतन, कठिन परिस्थितियों और अपमानजनक व्यवहार का सामना करना पड़ता था, जिससे सैनिकों में असंतोष बढ़ता जा रहा था।

विद्रोह का कारण

1857 में अंग्रेजों द्वारा नई एनफील्ड राइफल को सेना में शामिल किया गया। इसके कारतूसों को दाँतों से खोलना पड़ता था। यह अफवाह फैली कि इन कारतूसों पर गाय और सूअर की चर्बी लगी होती है। हिंदू सैनिकों के लिए गाय पवित्र थी, जबकि मुस्लिम सैनिकों के लिए सूअर अपवित्र माना जाता था। इस कारण दोनों समुदायों की धार्मिक भावनाएँ आहत हुईं और सेना में व्यापक आक्रोश फैल गया।

विद्रोह की चिंगारी

29 मार्च 1857 को बैरकपुर छावनी में मंगल पांडे ने अंग्रेज अधिकारियों के विरुद्ध न केवल विरोध किया, बल्कि अन्य भारतीय सैनिकों को भी अंग्रेजी शासन के खिलाफ उठ खड़े होने के लिए प्रेरित किया। यद्यपि उस समय अधिकांश सैनिक उनका खुलकर साथ नहीं दे सके, लेकिन उनके इस साहसिक कदम ने पूरे देश में विद्रोह की ज्वाला प्रज्वलित कर दी।

गिरफ्तारी और बलिदान

विद्रोह के बाद मंगल पांडे को गिरफ्तार कर लिया गया। उन पर मुकदमा चलाया गया और 8 अप्रैल 1857 को मात्र 29 वर्ष की आयु में उन्हें फाँसी दे दी गई। उनका बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की पहली और सबसे प्रेरणादायक कड़ी बन गया।

बरगी बांध, सिंचाई, बिजली, पेयजल और पर्यटन का अनोखा संगम

मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित बरगी बांध नर्मदा नदी पर बना राज्य का पहला प्रमुख बहुउद्देशीय बांध है। इसका निर्माण सिंचाई, जलविद्युत उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और बाढ़ नियंत्रण जैसे उद्देश्यों से किया गया था। बरगी बांध न केवल मध्य प्रदेश की विकास यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय है, बल्कि आज यह पर्यटन का भी आकर्षक केंद्र बन चुका है।

निर्माण और इतिहास- बरगी बांध का निर्माण नर्मदा घाटी परियोजना के अंतर्गत किया गया। इसका निर्माण कार्य 1974 में प्रारंभ हुआ और वर्ष 1990 में इसे राष्ट्र को समर्पित किया गया। यह नर्मदा नदी पर बनने वाला पहला बड़ा बांध था, जिसने आगे की कई परियोजनाओं की नींव रखी।

सिंचाई का प्रमुख साधन

बरगी बांध से मध्य प्रदेश के हजारों हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचाई सुविधा प्राप्त होती है। इससे किसानों की वर्षा पर निर्भरता कम हुई है और कृषि उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। यह परियोजना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

जलविद्युत उत्पादन में योगदान

इस बांध के माध्यम से जलविद्युत ऊर्जा का उत्पादन किया जाता है, जिससे राज्य की बिजली आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायता मिलती है। यह ऊर्जा उत्पादन का एक स्वच्छ और नवीकरणीय स्रोत है, जो विकास के साथ पर्यावरण संतुलन को भी बनाए रखता है।

पेयजल आपूर्ति का महत्वपूर्ण स्रोत

बरगी बांध जबलपुर और आसपास के क्षेत्रों के लिए पेयजल का प्रमुख स्रोत है। इसके जल से लाखों लोगों को स्वच्छ और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध होता है, जिससे शहरी जीवन की आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।

मत्स्य पालन और रोजगार

इस विशाल जलाशय में मत्स्य पालन बड़े पैमाने पर किया जाता है। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार और आय के नए अवसर प्राप्त हुए हैं। यह क्षेत्र आर्थिक विकास का एक महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है।

पर्यटन का आकर्षण केंद्र

बरगी बांध का शांत जल, प्राकृतिक दृश्य और नौकायन (क्रूज़) की सुविधा इसे एक लोकप्रिय पर्यटन स्थल बनाते हैं। यह केवल एक इंजीनियरिंग संरचना नहीं, बल्कि विकास और प्रकृति के संतुलन का उत्कृष्ट उदाहरण है। साथ ही यह हमें यह भी सिखाता है कि प्रगति के साथ पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जिम्मेदारी का ध्यान रखना भी आवश्यक है।

पर्यावरण का अदृश्य दुश्मन, कार्बन फुटप्रिंट

क्या आपने कभी सोचा है कि जब हम बाइक या कार चलाते हैं, बिजली का उपयोग करते हैं, एयर कंडीशनर चलाते हैं या ऑनलाइन कोई सामान मंगवाते हैं, तो इसका पर्यावरण पर क्या असर पड़ता है? हमारे हर छोटे-बड़े काम से वातावरण में कुछ मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं। इन गैसों की कुल मात्रा को ही कार्बन फुटप्रिंट कहा जाता है।

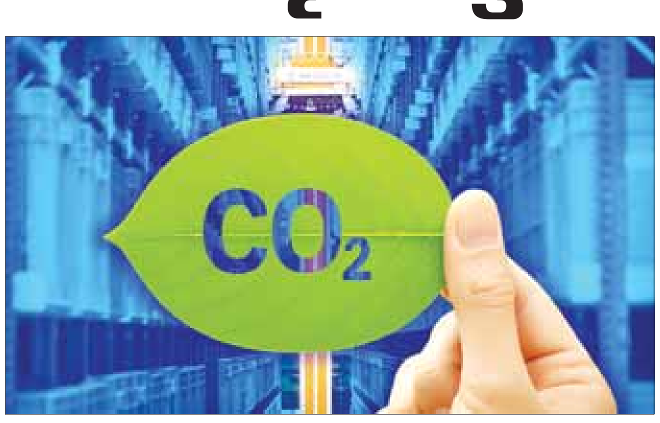

आज पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में कार्बन फुटप्रिंट को समझना और उसे कम करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

कार्बन फुटप्रिंट क्या होता है- कार्बन फुटप्रिंट से आशय उस कुल ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन से है, जो किसी व्यक्ति, परिवार, संस्था, उद्योग, उत्पाद या देश की गतिविधियों के कारण वातावरण में पहुँचता है। इसे सामान्यतः कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य में मापा जाता है। सरल शब्दों में, हमारे जीवन का पर्यावरण पर पड़ने वाला कार्बन प्रभाव ही कार्बन फुटप्रिंट कहलाता है।

कैसे बढ़ता है कार्बन फुटप्रिंट - हमारी कई सामान्य गतिविधियाँ कार्बन उत्सर्जन बढ़ाती हैं, जैसे कि पेट्रोल और डीज़ल से चलने वाले वाहनों का उपयोग, बिजली की अधिक खपत, विशेषकर जब बिजली कोयले से बनती हो। एयर कंडीशनर और अन्य ऊर्जा-खपत वाले उपकरणों का अत्यधिक उपयोग। प्लास्टिक और एक बार इस्तेमाल होने वाली वस्तुओं का अधिक प्रयोग। उद्योगों और कारखानों से निकलने वाला जहरीला धुआँ। लगातार वन क्षेत्रों की कटाई, इन सबकी वजह से पर्यावरण में कार्बन फुटप्रिंट तेजी से बढ़ता है।

कार्बन फुटप्रिंट का पर्यावरण पर प्रभाव

यदि कार्बन फुटप्रिंट लगातार बढ़ता रहे, तो इसके गंभीर परिणाम हो सकते हैं, पृथ्वी का औसत तापमान बढ़ने लगता है, परिणामस्वरूप ग्लेशियरों का तेजी से पिघलते हैं। समुद्र के जलस्तर में तेजी से वृद्धि हो सकती है। सूखा, बाढ़ और चक्रवात जैसी प्राकृतिक आपदाओं में वृद्धि हो सकती है। जैव विविधता और वन्यजीवों को नुकसान हो सकता है। मानव स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

कार्बन फुटप्रिंट कैसे कम करें?

हर व्यक्ति छोटे-छोटे कदम उठाकर बड़ा बदलाव ला सकता है। कार्बन फुटप्रिंट कम करने विद्यार्थी क्या कर सकते हैं?

- स्कूल साइकिल से या पैदल जाएँ (यदि संभव हो)।
- पानी और बिजली की बचत करें।
- पेड़ लगाएँ और उनकी देखभाल करें।
- प्लास्टिक की बोतलों और डिस्पोज़ेबल वस्तुओं का कम उपयोग करें।
- जूट या कपड़े की थैली का उपयोग करें।

रोचक तथ्य

- भारत दुनिया के 17 मेगा-बायोडायवर्स देशों में शामिल है, जहाँ हजारों प्रकार के पौधे और जीव-जंतु पाए जाते हैं।
- भारत का लगभग 24 प्रतिषत भू-भाग वन क्षेत्र से आच्छादित है।
- भारत में लगभग 75 राष्ट्रीय उद्यान और 500 से अधिक वन्यजीव अभयारण्य हैं।
- सुंदरवन दुनिया का सबसे बड़ा मैंग्रोव वन है और यहाँ बाघ भी पाए जाते हैं।
- गिर नेशनल पार्क दुनिया का एकमात्र प्राकृतिक आवास है जहाँ एशियाई शेर पाए जाते हैं।
- भारत में लगभग 1,300 से अधिक पक्षी प्रजातियाँ और 400 से अधिक स्तनधारी प्रजातियाँ पाई जाती हैं।
- भारत में लगभग 7,500 किलोमीटर लंबी समुद्री तटरेखा है, जो अनेक समुद्री जीवों का घर है।
- केरल के पालक्कड स्थित साइलेंट वैली नेशनल पार्क अपने प्राचीन वर्षावनों और दुर्लभ जीव-जंतुओं के लिए प्रसिद्ध है।
- भारत में वृक्षों की पूजा की परंपरा सदियों पुरानी है। बरगद और नीम जैसे वृक्ष धार्मिक ही नहीं, पर्यावरणीय दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाते हैं।

सैकड़ों फर्जी शिकायत और सीएम हेल्पलाइन से परेशान व्यापारी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर विकास सचदेव पर लगाया ब्लैकमेल करने का आरोप

50 लाख दो नहीं तो फंसा दूंगा...!

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

बीते दिनों मध्य प्रदेश शासन ने सीएम हेल्पलाइन जैसे शिकायत निवारण के माध्यमों में बार-बार आधारहीन और झूठी शिकायतों को ध्यान में रखते हुए सभी जिलों के कलेक्टर को निर्देश जारी किए थे की ऐसी शिकायत करने वालों को चिन्हित किया जाए जिसके लिए शासन स्तर से फॉर्मेट भी जिला कलेक्टर्स को उपलब्ध कराए गए थे ताकि झूठी शिकायतो को माध्यम बनाकर ब्लैकमेलिंग का धंधा चलाने वाले लोगों का चेहरा सामने लाया जा सके। कुछ इसी प्रकार का मामला सामने आया है जिसमें एक प्रतिष्ठित व्यवसायी आहूजा परिवार के खिलाफ शिकायतकर्ता विकास सचदेव ने 100 से अधिक बार प्रदेश के मुख्यमंत्री से लेकर पटवारी तक शिकायत की, हैरानी की बात यह है कि हर शिकायतों के बाद हुई जांचों में हर बार शिकायत मनगढ़ंत, आधारहीन एवं तथ्यहीन पाई गई। यही नहीं इस शिकायतकर्ता ने हर शिकायत के बाद उससे उच्चस्तर पर की जा रही शिकायत में उससे पहले जिस अधिकारी के समक्ष शिकायत की गई थी उसे भी भ्रष्ट बताया गया।

50 लाख दो नहीं तो इस बार ऐसे फंसा दूंगा

आहूजा परिवार द्वारा मंगलवार 30 जून को थाना प्रभारी उमरिया को लिखित आवेदन पत्र दिया जिसमें परिवार ने विकास सचदेव पर आरोप लगाया है कि दिनांक 27ध्6ध्26 की रात्रि विनोद आहूजा घर की ओर जा रहे थे तो जैन मंदिर पास विकास ने उन्हें रोककर कहा कि मेरे खिलाफ जितने भी मुकदमे मानहानि आदि के चल रहे हैं सब वापस ले लो और 50 लाख रुपए दे दो नहीं तो अभी तो सिर्फ शिकायतें करता हूं अब अपने ऊपर हमला करवा कर तुम्हारे पूरे परिवार को फंसा दूंगा। आहूजा परिवार ने आवेदन में यह भी बताया है कि वर्ष 2023 में भी विकास सचदेव ने 25 लाख की मांग की थी जिसकी सूचना पुलिस को दी गई थी उक्त मामला न्यायालय में विचाराधीन है और विकास सचदेव जमानत पर बाहर है।

2021 से 26 तक के ब्लैकमेलिंग का रिकॉर्ड

आए दिन फर्जी शिकायत को अपना पेशा बना चुके विकास सचदेव ने दिनांक 23 -11- 2021 को व्यवसायी आहूजा परिवार के खिलाफ निर्माण कार्य से संबंधित फर्जी शिकायत की जिसके पश्चात फर्जी शिकायत कर ब्लैकमेलिंग करने का सिलसिला अनवरत शुरू रहा, दिनांक 29- 3 -2023 पुनः व्यावसायिक परिसर निर्माण संबंधित शिकायत, दिनांक 10- 4 -23 को अनुविभागीय अधिकारी बांधवगढ़ को व्यावसायिक परिसर निर्माण संबधित शिकायत, दिनांक 27-4 -23 को फिर से निर्माण संबंधित शिकायत दिनांक 27 - 2- 2024 टैक्स चोरी की फर्जी शिकायत दिनांक 7-5-24 सीएम हेल्पलाइन में स्टांप ड्यूटी संबधित फर्जी शिकायत, दिनांक 12- 6 - 24 कलेक्टर महोदय के समक्ष पुनः आवेदन दिनांक 9- 12- 2024 राजस्व मंत्री के समक्ष पुनः फर्जी शिकायत, दिनांक 17- 6- 25 को प्रदेश के मुख्यमंत्री से फर्जी शिकायत दिनांक 26 -6-25 शहडोल संभागायुक्त के समक्ष पुनः मुआवजा संबंधित शिकायत दिनांक 3-7-25 पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दिनांक 23-9-25 कलेक्टर महोदय के समक्ष शिकायत दिनांक 28- 10 -25 को जनसुनवाई में फिर से शिकायत दिनांक 15-1-26 को थाना प्रभारी के समक्ष आवेदन इस प्रकार 100 से अधिक बार शिकायतकर्ता बार-बार फर्जी शिकायतों के माध्यम से परिवार को फर्जी शिकायतों में उलझा कर ब्लैकमेलिंग कर रहा है।

हर स्तर पर निराधार पाई गई शिकायतें

बार बार फर्जी शिकायतों के लिए पहचान बना चुके विकास सचदेव ने कलेक्टर,कमिश्नर से लेकर मुख्यमंत्री तक टारगेट बनाकर प्रतिष्ठित व्यावसायिक आहूजा परिवार के खिलाफ परेशान करने और छवि धूमिल करने के साथ पैसे ऐंठने के लिए शिकायतें की इन सभी शिकायतों के साथ साथ माननीय उच्च न्यायालय, आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (ई ओ डब्लू) में भी मामला सुना गया लेकिन मामले में आहूजा परिवार को क्लीन चिट प्राप्त हुई लेकिन विकास ने इसकी भी अवहेलना करते हुए पुनः शिकायतें जारी रखी और पूर्व कलेक्टर ने माननीय उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद मामले की जांच कराई जिस पर

माननीय उच्च ने पूर्व कलेक्टर पर सख्त टिप्पणी करते हुए न सिर्फ जुर्माना लगाया साथ ही आहूजा परिवार को उक्त मामले में पहले ही बरी किया जा चुका है इसकी याद भी दिलाई। लेकिन विकास सचदेव जिले के कलेक्टर बदलते ही पुनः उन्हें शिकायतों के माध्यम से भ्रमित कर न सिर्फ उक्त व्यवसायिक आहूजा परिवार को आर्थिक एवं मानसिक प्रताड़ित करता है बल्कि माननीय उच्च न्यायालय को भी चुनौती देता है।

ब्लैकमेलिंग बना पेशा

छोटे से जिले उमरिया में विकास को नए आयाम देने वाले व्यवसायी जिले की पहली वैध रेरा द्वारा मान्यता प्राप्त एवं स्टेट बैंक द्वारा अप्रवुड डेवलप कॉलोनी से लेकर व्यावसायिक परिसर जैसे प्रोजेक्ट उमरिया में लाने वाले आहूजा परिवार को हर वक्त ब्लैकमेल करने की कोशिश करने वाले विकास सचदेव ने ब्लैकमेलिंग को ही अपना पेशा बना लिया है ऐसे लोग जिले के शांत वातावरण और स्वस्थ समाज के लिए घातक हैं आर्थिक और औद्योगिक क्षेत्र में पिछड़े जिले को विकासशील होने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और निवेश की आवश्यकता है लेकिन विकास सचदेव जैसे लोग इस राह में अर्चन बनकर इसे अवरोधित कर रहे हैं।

थानीय प्रशासन ने भी कराई थी जांच, दी क्लीन चिट

उमरिया के तत्कालीन कलेक्टर डी के जैन द्वारा दिनांक 29-05-2024 को ऐसी ही शिकायत के कारण आदेश क्रमांक 1608 कलेक्टर शिकायत पर तत्कालीन अपर कलेक्टर शिव गोविंद मरकाम अनुविभागीय अधिकारी टी आर नाग एवं प्रभारी भू अभिलेख अधीक्षक एल के शर्मा की समिति बनाकर जांच करने का आदेश दिया था जिसकी जांच प्रतिवेदन नस्ती क्रमांक 3663 दिनांक 19-07-2024 में जांच टीम ने विस्तृत रूप से जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसमें न सिर्फ शिकायत पत्र निरस्त करने की अनुशंसा की गई बल्कि बिंदुवार सभी तथ्यों को सामने रखा गया जांच प्रतिवेदन में बताया गया कि मुआवजा संबंधित शिकायती पत्र में उल्लेखित आरोप पूर्ण रूप से निराधार है एवं इसकी जांच आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ (म्ॅ) द्वारा भी की जा चुकी है जिस जांच रिपोर्ट में भी शिकायत निराधार पाते हुए नस्तीबद्ध की गई है।

5 मानहानि के मुकदमे चल रहे

विकास सचदेव पर इन निराधार और मनगढ़ंत शिकायतों और आरोप लगाने के चलते में केस नंबर 665ध्2025, 188ध्2024, 68ध्2025, 14ध्2025 मानहानि के मुकदमे चल रहे हैं यही नहीं एक मुकदमे में विकास जमानत पर बाहर है। प्रशासन को चाहिए कि ऐसे ब्लैकमेल करने वालों को जनसुनवाई, सीएम हेल्पलाइन आदि से न सिर्फ ब्लैकलिस्ट करना चाहिए बल्कि इनके खिलाफ शासन प्रशासन को गुमराह करने शासकीय सेवकों को ऊल जुलूल की शिकायतों में समय खराब करने आदि का जिम्मेदार मानते हुए कार्यवाही करनी चाहिए।

नगर तथा ग्राम निवेश कार्यालय में फिर की झूठी शिकायत

विकास सचदेव ने दिनांक 5-6-26 एवं दिनांक 8-6-26 को नगर एवं ग्राम निवेश कार्यालय शहडोल में आहुजा ब्रदर्स पर कूटरचित दस्तावेजों द्वारा अनुज्ञा प्राप्त करने की झूठी शिकायत की गई जबकि उक्त मामले में पूर्व में भी शिकायत के बाद तत्कालीन कलेक्टर बुद्धेश वैध द्वारा प्रकरण क्रमांक 38ध्ब 121 निराकरण दिनांक 27ध्2ध्24 में पाया कि शिकायत पत्र में उल्लेखित आक्षेप गलत हैं निर्माण निजी भूमि में हुआ है शासकीय जमीन इसके रिक्त है एवं सभी आवश्यक अनुमतियां प्राप्त हैं।

सेफ क्लिक 2.0 अभियान के तहत पुलिस ने विद्यार्थियों को दिए साइबर अपराध से बचाव के टिप्स

उमरिया (स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल द्वारा चलाए जा रहे श्सेफ क्लिक 2.0श् अभियान के तहत यह पहल की गई, जिसका उद्देश्य बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों सहित समाज के हर नागरिक को साइबर धोखाधड़ी से बचाना है। यह अभियान 24 जून से 8 जुलाई तक चलेगा। इसी क्रम में उमरिया पुलिस अधीक्षक विजय भागवानी के निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक शर्मा के मार्गदर्शन पर पाली थाना प्रभारी राजेश चंद्र मिश्रा की उपस्थिति में एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल पाली में विद्यार्थियों को साइबर अपराधों के प्रति जागरूक करने के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया।उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में हो रहे विभिन्न प्रकार के साइबर अपराधों, जैसे ओटीपी फ्रॉड, साइबर लिंक फ्रॉड, डिजिटल अरेस्ट, निवेश एवं ट्रेडिंग फ्रॉड, सोशल मीडिया फ्रॉड और बैंकिंग धोखाधड़ी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। थाना

प्रभारी मिश्रा ने इन अपराधों के विभिन्न कारणों और उनसे बचने के उपायों पर प्रकाश डाला। उन्होंने विद्यार्थियों को अनजान नंबरों से आने वाले वीडियो कॉल रिसीव न करने, किसी भी लिंक या वीडियो को डाउनलोड न करने और अप्रत्याशित कमाई के लालच में न पड़ने की सलाह दी। उन्होंने जोर देकर कहा कि साइबर अपराधी आम लोगों को ठगने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं, इसलिए सभी को सावधान और जागरूक रहना आवश्यक है।किसी भी प्रकार की साइबर धोखाधड़ी होने पर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1930 पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी गई, जिससे फ्रॉड करने वाले का खाता सीज किया जा सके।

बांधवगढ टाईगर रिजर्व में इस साल 2 लाख पर्यटक पहुंचे

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

जिले के विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में इस पर्यटन सत्र के दौरान रिकॉर्ड संख्या में पर्यटक पहुंचे। इस साल दो लाख से अधिक पर्यटकों ने रिजर्व का भ्रमण किया, जो पिछले साल की तुलना में लगभग 30 हजार अधिक है। पर्यटन गतिविधियों से इस सत्र में 19 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित हुआ है। यह आंकड़ा पिछले वर्ष की तुलना में करीब तीन करोड़ रुपए ज्यादा बताया गया है। टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक अनुपम सहाय के अनुसार मंगलवार शाम इस पर्यटन सत्र की अंतिम सफारी होगी। इसके बाद 1 जुलाई से 30 सितंबर तक मानसून सीजन के कारण कोर एरिया (ताला, मगधी और खितौली जोन) पर्यटकों के लिए बंद रहेगा। यहां सफारी का संचालन 1 अक्टूबर से दोबारा शुरू किया जाएगा। इस सत्र में

पर्यटकों को बाघों के साथ-साथ तेंदुआ, भालू, जंगली हाथी, गौर, चीतल और सांभर जैसे वन्यजीवों के भी दर्शन हुए। बेहतर वन्यजीव दृश्य और प्राकृतिक वातावरण के कारण देश-विदेश से बड़ी संख्या में पर्यटक यहां पहुंचे, जिससे पर्यटन और राजस्व दोनों में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

महिला-बाल विकास विभाग की तत्परता से रुका बाल विवाह

कटंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग की सक्रियता से विकासखंड कटंगी मुख्यालय के समीपस्थ एक ग्राम में होने वाला बाल विवाह रुकवा दिया गया। सोमवार की शाम करीब साढ़े 06 बजे सूचना मिलते ही विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर परिजनों को कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी और समझाइश दी, जिसके बाद परिवार ने विवाह स्थगित करने पर सहमति जताई। ग्राम में बाल विवाह होने की सूचना मिलते ही परियोजना अधिकारी पुष्पेंद्र रानाडे के नेतृत्व में पर्यवेक्षक श्रीमती लक्ष्मी चौधरी, श्रीमती श्रद्धा पटले, श्रीमती संगीता गोपाले और विभाग के जयप्रकाश ठाकरे तत्काल विवाह स्थल पर पहुंचे। मौके पर जांच में पाया गया कि किशोरी तथा उसके माता-पिता किसी अन्य

बाल विवाह रूकवाने पहुंचे अधिकारी

ग्राम के रहने वाले हैं और कटंगी विकासखंड के एक गांव में आकर विवाह का आयोजन कर रहे थे। पूछताछ में परिजनों ने स्वीकार किया कि बालिका की उम्र 17 वर्ष 5 माह है।

हालांकि, परिजन बालिका की आयु के संबंध में कोई भी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सके। विभागीय टीम ने परिवार के सदस्यों और उपस्थित ग्रामवासियों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2005 के प्रावधानों की विस्तार से जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह कराना, करना या उसमें सहयोग करना कानूनी अपराध है। इसमें शामिल होने वाले व्यक्तियों को 6 माह तक की सजा और 1 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। लगातार समझाइश के बाद परिजनों ने अपनी गलती मानी। उन्होंने आज आयोजित होने वाला विवाह स्थगित कर दिया और लिखित आश्वासन दिया कि बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने के बाद ही उसका विवाह किया जाएगा। परियोजना अधिकारी पुष्पेंद्र रानाडे ने कहा, ष्बाल विवाह एक सामाजिक कुरीति है। इससे बच्चियों का स्वास्थ्य, शिक्षा और भविष्य खराब होता है।

सभी नागरिकों से अपील है कि कहीं भी बाल विवाह की सूचना मिले तो तत्काल 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन या नजदीकी पुलिस थाना, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को सूचित करें। विभाग तत्काल कार्रवाई करेगा।

स्कूल चले हम अभियान के द्वितीय चरण अंतर्गत जिले भर की स्कूलों में कार्यक्रम संपन्न

शिक्षा विकास के व्दार खोलती है : कलेक्टर

उमरिया (स्वतंत्रमत)। जिले में स्कूल चले हम अभियान के द्वितीय चरण के अंतर्गत मंगलवार 30 जून को शासकीय विद्यालयों में प्रवेशोत्सव एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। मुख्य कार्यक्रम पीएमश्री शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, कालरी उमरिया में आयोजित हुआ। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने विद्यार्थियों का मार्गदर्शन करते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला।उन्होने कहा कि शिक्षा ही विकास के द्वार खोलती है। यदि विद्यार्थी पूरी ईमानदारी, लगन और निष्ठा के साथ अध्ययन करेंगे तो सफलता निश्चित रूप से उनके कदम चूमेगी। उन्होंने

विद्यार्थियों से अनुशासन का पालन करने, नियमित रूप से विद्यालय आने तथा पढ़ाई को बोझ न मानकर सीखने का माध्यम समझने की अपील की।

उन्होंने कहा कि विद्यालय में पढ़ाए गए विषयों का प्रतिदिन घर पर पुनरावृत्ति करें तथा किसी भी विषय में कठिनाई होने पर अपने शिक्षकों से मार्गदर्शन अवश्य लें। उन्होंने विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ अपनी रुचियों और प्रतिभाओं को भी विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि खेल, चित्रकला, संगीत जैसी हॉबी जीवन को संतुलित और समृद्ध बनाती हैं, इसलिए पढ़ाई के साथ इन गतिविधियों में भी सक्रिय भागीदारी करें।कार्यक्रम के दौरान कलेक्टर ने अर्चना यादव का कक्षा नवमी में विद्यालय में प्रवेश कराया तथा छात्रों को नियमित अध्ययन के लिए प्रेरित किया। स्कूल चले हम अभियान के अंतर्गत जिले की समस्त शासकीय शालाओं में विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को प्रेरक के रूप में नामित किया गया।

इन अधिकारियों ने अपने-अपने आवंटित विद्यालयों में पहुंचकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया तथा शिक्षा के प्रति प्रेरित किया।कार्यक्रम में भोपाल से प्राप्त टीएलएम शिक्षा सामग्री कलेक्टर व्दारा विद्यालय के प्राचार्य को सौपी गई। कार्यक्रम में जिला समन्वयक सर्व शिक्षा अभियान के.के. डेहरिया, विद्यालय के प्राचार्य सुभाष जायसवाल, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम संपन्न

कटंगी (स्वतंत्र मत)।

शक्ति विद्या मंदिर एजुकेशन एंड ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट, कटंगी में आयोजित छह दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का पाँचवाँ दिन सोमवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर ऑनलाइन माध्यम (गूगल मीट) के जरिए एक विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया, जिसमें शिक्षकों को आधुनिक शिक्षण पद्धतियों से अवगत कराया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता वाराणसी स्थित राजा हरिश्चंद्र कॉलेज के सहायक प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र प्रताप सिंह रहे। उन्होंने च्उच्च शिक्षा में नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँज् विषय पर विस्तार से व्याख्यान देते हुए बदलते शैक्षणिक परिवेश में शिक्षण की नई तकनीकों और उनके प्रभावी उपयोग पर प्रकाश डाला।

डॉ. सिंह ने कहा कि वर्तमान समय में केवल पारंपरिक शिक्षण पद्धतियाँ ही पर्याप्त नहीं हैं, बल्कि छात्र-केंद्रित शिक्षण, सक्रिय अधिगम (एक्टिव लर्निंग), प्रौद्योगिकी-सक्षम शिक्षा तथा नवाचार आधारित कक्षा-शिक्षण को अपनाना समय की आवश्यकता है। इन तरीकों से विद्यार्थियों की सीखने में रुचि बढ़ती है, उनकी सहभागिता सुनिश्चित होती है और शिक्षण की गुणवत्ता में भी उल्लेखनीय सुधार आता है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे डिजिटल संसाधनों, आधुनिक शिक्षण उपकरणों और सहभागितापूर्ण गतिविधियों का अधिकाधिक उपयोग करें, ताकि विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सके। साथ ही उन्होंने उच्च शिक्षा में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के लिए निरंतर सीखने और स्वयं को अद्यतन रखने पर भी जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान संस्थान के सभी संकाय सदस्यों ने सक्रिय सहभागिता करते हुए विषय विशेषज्ञ से विभिन्न प्रश्न पूछे और शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं नवाचारपूर्ण बनाने के संबंध में उपयोगी सुझाव प्राप्त किए। प्रतिभागियों ने इस व्याख्यान को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बताते हुए इसकी सराहना की।

आकाशीय बिजली गिरने से चार मवेशियों की मौत

कटंगी (स्वतंत्र मत)। कटंगी थाना क्षेत्र के ग्राम जराहमोहगांव में सोमवार को प्रकृति का कहर देखने को मिला। दोपहर करीब ढ़ाई बजे आकाशीय बिजली गिरने से घर के बाहर बंधी 4 पालतू मवेशियों की मौके पर ही मौत हो गई। ये सभी मवेशी गांव के ही होमेन्द्र पटले के हैं। एक साथ 4 मवेशियों की मौत से पशु पालक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और लाखों रुपये की आर्थिक क्षति हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सोमवार 29 जून की दोपहर 02 बजे के बाद क्षेत्र में तेज गरज-चमक के साथ बारिश शुरू हुई थी। होमेन्द्र पटले के घर के बाहर पालतू मवेशी बंधे हुए थे करीब ढाई बजे अचानक तेज गड़गड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली सीधे मवेशियों के पास में आकर गिरी। बिजली का झटका इतना तेज था कि 4 मवेशियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के वक्त परिवार के सदस्य घर के अंदर थे, जिससे जनहानि टल गई। तेज आवाज सुनकर जब परिजन बाहर निकले तो मवेशियों को मृत पड़ा देख उनके होश उड़ गए। जबकि कुछ मवेशी पूरी तरह से सुरक्षित बच गए है।

बीसापुर के तालाब में जहर घोल गए शरारती तत्व

1.75 लाख का मछली बीज हुआ तबाह

कटंगी(स्वतंत्र मत)।

जनपद पंचायत और थाना क्षेत्र कटंगी के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बीसापुर में एक सनसनीखेज घटना सामने आई। अज्ञात शरारती तत्वों ने गांव के एक तालाब में कथित तौर पर जहरीली दवा डाल दी, जिससे तालाब की हजारों मछलियां मरकर पानी की सतह पर तैरने लगीं। इस घटना से तालाब पर आश्रित 59 मछुआरा परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा हो गया है। जय निषादराद मछुआ समिति टेकाड़ी (म) के अध्यक्ष बाबूलाल लाड़े ने मंगलवार सुबह 11 बजे घटना की जानकारी देते हुए बताया कि समिति ने इस सीजन में करीब 1.75 लाख रुपये खर्च कर मछली बीज डाला था। जहर के कारण पूरा बीज नष्ट हो गया है। समिति ने ग्राम पंचायत सचिव को सूचना दे दी है। सचिव ने थाने में शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी है, लेकिन समाचार प्रसारित होने तक थाने में इस मामले को लेकर शिकायत या एफआईआर दर्ज नहीं हुई थी। बाबूलाल लाड़े ने बताया सोमवार की शाम जब वह तालाब पर नियमित देखरेख के लिए पहुंचे तो तालाब का नजारा देखकर उनके होश उड़ गए। पूरे तालाब में हजारों छोटी-बड़ी मछलियां मरी हुई पानी के ऊपर तैर रही थीं। तालाब से दुर्गंध आ रही थी और पानी का रंग भी बदल गया था। उन्हें संदेह है कि रात में किसी ने तालाब में जहर डाल दिया। जिस कारण मछलियां तड़प-तड़प कर मर गई।

1.75 लाख का बीज, 59 परिवारों की आजीविका दांव पर

जय निषादराद मछुआ समिति मत्स्य विभाग में पंजीकृत है और बीसापुर तालाब को लीज पर लेकर मत्स्य पालन करती है। समिति में 59 मछुआरे सदस्य हैं। बाबूलाल लाड़े ने बताया, हमने 1.75 लाख रुपये का रोहू, कतला सहित अन्य प्रजाति की मछली का अंगुलिका साइज का बीज

59 मछुआरा परिवारों के सामने रोजी-रोटी का संकट

डाला था। बैंक से कर्ज और घर का जेवर गिरवी रखकर पैसा लगाया था। 6 महीने बाद दिसंबर में मछली निकालकर बेचते तो हर परिवार को 25-30 हजार रुपये की आमदनी होती। अब सब बर्बाद हो गया। 59 परिवारों के 300 से ज्यादा लोगों के सामने भूखे मरने की नौबत है। समिति के सदस्यों ने कहा, हमारा तो यही एक सहारा था। खेती नहीं है, मजदूरी भी रोज नहीं मिलती। तालाब से ही बच्चों की फीस, घर का राशन चलता था। जिसने भी ये किया है, उसने हमारा गला घोंट दिया।

यह शरारत नहीं, सोची-समझी साजिश समिति का आरोप

समिति के पदाधिकारियों का मानना है कि यह किसी शरारती तत्व की हरकत नहीं, बल्कि सोची-समझी साजिश है। अध्यक्ष का आरोप है कि शायद जो लोग नहीं चाहते कि मछुआरा समाज आत्मनिर्भर बने। उन्होंने ने ही यह हरकत की है। इस पूरी घटना के सामने आने के बाद समिति के पदाधिकारी सबसे पहले ग्राम पंचायत कार्यालय पहुंचे और सचिव को मौखिक सूचना दी। सचिव ने घटना की गंभीरता को समझा और समिति को तत्काल कटंगी थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराने की सलाह दी। बहरहाल, बीसापुर की यह घटना सिर्फ मछलियों की मौत का मामला नहीं है। यह 59 गरीब परिवारों की आजीविका, गांव के जल स्रोत की सुरक्षा और कानून-व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

मानसून ने दिया दगा-किसान हुए खफा : बारिश की सुस्त चाल ने किसानों की बढ़ाई चिंता, खरीफ सीजन की बोनी हो रही प्रभावित

मण्डला(स्वतंत्र मत)

जिले में मानसून की सुस्त चाल ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। जून माह समाप्ति की ओर है लेकिन अब तक पर्याप्त बारिश नहीं होने से खरीफ सीजन की बोनी प्रभावित हो रही है। खेत पूरी तरह तैयार हैं किसानों ने बीज और खाद की व्यवस्था भी कर ली है लेकिन पर्याप्त नमी नहीं मिलने के कारण अधिकांश किसान बोनी शुरू नहीं कर पा रहे हैं। हर दिन आसमान में बादल तो छा रहे हैं लेकिन बिना बरसे लौट जाने से किसानों की उम्मीदें टूट रही हैं। मंडला कृषि प्रधान जिला है जहां अधिकांश किसान खरीफ सीजन में धान की खेती पर निर्भर रहते हैं। इसके अलावा गेंहू ,मक्का, उड़द, मूंग और तुअर जैसी फसलों की भी खेती की जाती है। सामान्य वर्षों में जून के दूसरे और तीसरे सप्ताह तक अच्छी बारिश होने पर खेतों में बोनी का कार्य शुरू हो जाता है लेकिन इस बार बारिश की कमी ने खेती का पूरा कार्यक्रम प्रभावित कर दिया है। किसानों ने समय रहते खेतों की जुताई पाटा और मेड़ों की मरम्मत का कार्य पूरा कर लिया है। कई किसानों ने बैंक और सहकारी समितियों से ऋण लेकर बीज खाद और कृषि सामग्री खरीदी है। अब बारिश नहीं होने से उनकी सारी तैयारियां अधूरी पड़ी हैं। किसानों का कहना है कि हल्की बारिश के भरोसे बोनी करना जोखिम भरा है। यदि बीज डालने के बाद दोबारा बारिश नहीं हुई तो अंकुरित बीज सूख जाएंगे और दोबारा बोनी करनी पड़ेगी जिससे लागत बढ़ जाएगी। ग्रामीण क्षेत्रों में इन दिनों खेत सूने नजर आ रहे हैं। जहां इस समय तक किसानों की चहल-पहल और बोनी का काम शुरू हो जाता था वहां अब केवल बारिश का इंतजार दिखाई दे रहा है। किसान सुबह-शाम आसमान की ओर टकटकी लगाए बादलों के बरसने की उम्मीद कर रहे हैं। मौसम की अनिश्चितता का असर कृषि से जुड़े अन्य कारोबार पर भी पड़ रहा है। कृषि आदान सामग्री विक्रेताओं का कहना है कि किसान बीज और खाद खरीद चुके हैं लेकिन बारिश नहीं होने से उनका उपयोग नहीं हो पा रहा है। यदि बारिश में और देरी हुई तो खरीफ फसलों के उत्पादन पर असर पड़ सकता है। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार धान सहित खरीफ फसलों की समय पर बोनी होना आवश्यक है। देर से बोनी होने पर फसल की बढ़वार प्रभावित होती है और उत्पादन में कमी आने की आशंका रहती है। किसानों को सलाह दी जा रही है कि पर्याप्त वर्षा और खेतों में उचित नमी बनने के बाद ही बोनी करें ताकि बीज का अंकुरण बेहतर हो सके। बारिश की कमी का असर जल स्त्रोतों पर भी दिखाई देने लगा है। कई तालाब कुएं और छोटे जलाशय अभी तक पूरी तरह नहीं भर पाए हैं। यदि जल्द अच्छी बारिश नहीं हुई तो आगे चलकर सिंचाई की समस्या भी गंभीर हो सकती है। फिलहाल जिले का अन्नदाता मानसून के सक्रिय होने का इंतजार कर रहा है। वहीं शहर के आसपास सहित जिले के कुछ इलाकों में रिमझिम बारिश ने दस्तक दी है। कुछ मिनटों की फुहारों ने शहर से लेकर गांव तक लोगों को गर्मी से बड़ी राहत दी। खरीफ की बुवाई के लिए ये बारिश नाकाफी है। घुघरी के किसान श्रवण कुमार यादव कहते हैं धान का रोपा डालने के लिए खेत में पानी भरना चाहिए। सिंगारपुर के किसान अजय बैरागी का कहना है कि रिमझिम से सिर्फ ऊपरी मिट्टी गीली हुई है। अभी मक्के की बोनी भी नहीं हो पाई है। आने वाले सप्ताह में अच्छी बारिश नहीं हुई तो बुवाई 15 दिन लेट हो जाएगी। जो रवी की फसल को भी प्रभावित करेगी। कृषि विभाग के भी आंकड़े बताते हैं कि जिले में अब तक सामान्य से कम बारिश हुई है। सिंगारपुर से किसान पी.डी. खैरवार ने चिंता जाहिर की है कि बीज-खाद महंगे दामों पर खरीदकर बैठा किसान अब आसमान ही ताकते पूरा पखवाड़ा बिता दिया है। बारिश और कितना इंतजार कराएगी कोई अनुमान नहीं। बुवाई लेट हुई तो कीट का प्रकोप बढ़ेगा पैदावार घटेगी। ऊपर से महंगा बीज-खाद का कर्ज अलग बबलिया नैझर के किसान हेमराज मसराम ने भी बारिश की देरी से मवेशियों के लिए हरे चारे का संकट बढ़ते जाने पर चिंता जताई है। कुछ अनुभवी किसानों के अनुसार अगले 48 घंटे में जिले में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। लेकिन किसानों को झमाझम बारिश का इंतजार है जो खेतों को तर कर दे। वहीं किसानों का कहना है कि प्रशासन की आकस्मिक फसल योजना तैयार तो है, लेकिन डीजल की मारामारी से पर्याप्त मात्रा में नहीं मिलने से ट्रैक्टर से जुताई में दिक्कत आ रही है।वैसे भी दिनों दिन गहराते चारागाह संकट और सिकुड़ती जा रही खेती की जमीनों के कारण किसान बैल पालना कम करते जा रहे हैं। जिससे हर के सहारे सदियों से खेती होती थी। इस वर्ष ऑनलाइन टोकन बुकिंग और कमजोर सर्वर के कारण खाद मिल नहीं रही है या तो पास के खाद विक्रय केंद्रों में खाद उपलब्ध नहीं है।

कबीर जयंती पर शिक्षा गौरव सम्मान कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्र मत)। सदगुरु कबीर पंथ महासभा के तत्वाधान में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मंडला सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, शासकीय महाविद्यालय सिवनी में प्रोफेसर डॉ राजेश ठाकुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अध्यक्ष सेवानिवृत सहायक आयुक्त एम एल पनरिया, बांधवगढ़ गद्दी के धर्माचार्य कमल दास साहिब, सेवानिवृत सहायक कोषालय अधिकारी एस डी सोनवानी, अधिवक्ता लखन झारिया एवं महासभा के संरक्षक विनोद सुरेश्वर के विशिष्ट आतिथ्य में निराकार परमब्रम्ह के साधक व उपासक दुनिया के महान संत कबीर का प्राकट्य दिवस कबीर चौक में स्थित कबीर मंदिर में धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सैकड़ो कबीरपंथियों ने मंदिर पहुंचकर अपना माथा टेका और उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। प्रात निशान पूजा के पूजन अर्चन से कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। दोपहर में महंत मानदास जी के द्वारा चौका आरती की गई। सुनील पनेरिया द्वारा बताया गया कि झंकार भवन में शिक्षा गौरव सम्मान के तहत् इसी वर्ष कक्षा दसवीं एवं बारहवीं में 85 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित करने वाले कुल 18 विद्यार्थियों को स्मृति चिन्ह और सम्मान पत्र दिया गया। दसवीं बोर्ड परीक्षा में मध्यप्रदेश के टॉपर 99 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले उमेश पड़वार को विशेष सम्मान से सम्मानित किया सबसे पहले संस्था के संरक्षक एवं मार्गदर्शक विनोद सुरेश्वर ने आयोजन के उद्देश्य पर संक्षिप्त प्रकाश डाला तत्पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डॉ राजेश ठाकुर ने सामाजिक योगदान के बारे में बताया। विशिष्ट अतिथि बसंत झरिया ने कबीर के दोहे और भजनों को उद्धृत करते हुए कहा कि वे एक महान दार्शनिक चिंतक विचारक और अद्भुत कवि थे। सभा को आरपी झारिया सेवानिवृत्ति प्राचार्य विशिष्ट अतिथि एम एल पनेरिया एसडी सोनवानी, महासभा के पूर्व अध्यक्ष विजय सोनवानी ने संबोधित किया। कार्यक्रम में महासभा के कार्यकारी अध्यक्ष पीसी टांडेश्वर, महिला मंडल अध्यक्ष उर्मिला सोनवानी, विष्णु सोनवानी, होमन दास मोंगरे, गीतू बैरागी, दीपक धर्वैया, राजेश तिलगाम, गुलशन मरावी, रवि सोनवानी, मुन्नालाल बैरागी, सुरेश बैरागी, मोहन झरिया, सुखलाल कांत, अजय बैरागी, कुलदीप बैरागी, भजन दास आदि का सहयोग रहा।

राज्य स्तरीय थांगता सेमिनार में मिली सफलता

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश थांगता एसोसिएशन के तत्वावधान में 26 से 28 जून तक शारदा विहार भोपाल में राज्य स्तरीय रेफरी टेक्निकल ऑफिशियल एवं जज सेमिनार का सफल आयोजन किया गया तीन दिवसीय इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों के प्रतिभागियों ने हिस्सा लेकर खेल संचालन से जुड़े तकनीकी पहलुओं का प्रशिक्षण प्राप्त किया सेमिनार में जिले के छह प्रतिभागियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सफलता पूर्वक स्टेट रेफरी की योग्यता प्राप्त की। इनमें संदीप बर्मन, वीरेन्द्र रघुवंशी, समीर पटेल, प्रांशुपाल धनगर, बलवंत राजपूत एवं सूर्य प्रताप सिंह बैस शामिल हैं सभी प्रतिभागियों की इस उपलब्धि से जिले के खेल जगत में हर्ष का माहौल है सेमिनार का संचालन एसोसिएशन सचिव शिवेन्द्र सिंह परमार तथा जिला सचिव राजेन्द्र सिंह पाल के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। जिले के सभी प्रतिभागियों को एसोसिएशन अध्यक्ष दीपमणि खैरवार, सचिव संध्या बर्मन, कोषाध्यक्ष ललित कुशराम सहित रिंजोर सिंह मरावी, मंजुलता मरावी, सुमित धुर्वे, सौरभ मरावी एवं खेलप्रेमियों ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

कपड़ा दुकान में चल रहा था जुआ, पुलिस ने दबौचा

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा तथा एसडीओपी पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना कोतवाली पुलिस द्वारा अवैध जुआ के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि कोष्टा मोहल्ला मंडला स्थित कपड़ा दुकान पर कुछ व्यक्ति हार-जीत की बाजी लगाकर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल दबिश दी मौके से 8 आरोपियों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार किया गया आरोपियों के कब्जे से 9,070 नगद फड़ से 8,190 एवं आरोपियों के पास से 880 तथा ताश के 52-52 पत्तों की 3 गड्डियां जप्त की गईं आरोपियों के विरुद्ध मध्यप्रदेश जुआ अधि नियम के प्रावधानों के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर वैधानिक कार्यवाही की गई। कार्यवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान, सउनि राघवेंद्र ठाकुर, प्रधान आरक्षक बलवंत तेकाम, आरक्षक रमेश, रजन, प्रियांश, मृदुल, धीरू, हनु, धर्मेंद्र, राजकुमार की भूमिका रही।

नरेंद्र बैरागी को सेवानिवृत्ति पर दी विदाई

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सीएचसी नारायणगंज के अंतर्गत ग्राम पाठा में पदस्थ प्रभारी सुपरवाइजर नरेंद्र बैरागी 27 वर्षों की सराहनीय एवं समर्पित सेवा के बाद सेवानिवृत्त हो गए। उनके सम्मान में सीएचसी परिसर में मुख्य खंड चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी सीबीएमओ डॉ अमृत लाल कोल के मार्गदर्शन में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह को संबोधित करते हुए सीबीएमओ डॉ अमृत लाल कोल ने कहा कि नरेंद्र बैरागी ने अपने सेवाकाल के दौरान पूरी निष्ठा ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके कार्यों को विभाग हमेशा सम्मान के साथ याद रखेगा। विदाई समारोह में उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने श्री बैरागी के उज्ज्वल स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए उन्हें स्मृति चिह्न एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। समारोह के बाद स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने बैंड बाजों के साथ उन्हें सम्मानपूर्वक उनके गृहग्राम तक विदा किया। इस अवसर पर बीईई विजय मरावी, बीसीएम शैलेंद्र सिंह, फार्मासिस्ट कमलेश सिंह, लैब टेक्नीशियन कैलाश सोनी, नेत्र चिकित्सा सहायक जयकरण चौधरी सहित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज का समस्त स्वास्थ्य अमला एवं सहयोगी स्टाफ उपस्थित रहा।

जनपद पंचायत में हुआ विदाई समारोह

मण्डला/नारायणगंज(स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत नारायणगंज के पंचायत समन्वयक अधिकारी मोहनलाल पन्द्रो एवं ग्राम पंचायत छपरा के सचिव मंगलू मरकाम की उपस्थिति में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। लंबे समय तक शासकीय सेवा में अपने दायित्वों का ईमानदारी निष्ठा एवं समर्पण के साथ निर्वहन करने वाले दोनों अधिकारियों को विदाई देते हुए उनके स्वस्थ सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विदाई समारोह में जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीया, जनपद उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा, मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीईओ, जनपद सदस्य अधिकारी कर्मचारी, पंचायत सचिव एवं अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। सभी ने दोनों सेवानिवृत्त अधिकारियों के सेवाकाल की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने कर्तव्यों का पूरी जिम्मेदारी, ईमानदारी और कार्यकुशलता के साथ निर्वहन किया तथा पंचायत व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। समारोह के दौरान दोनों अधिकारियों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। जनपद पंचायत अध्यक्ष आशाराम भारतीया एवं उपाध्यक्ष अविनाश शर्मा ने उनके दीर्घ, स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि उनकी कार्यनिष्ठा, ईमानदारी और सेवाभाव आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणास्त्रोत रहेगा।

पुन: पदस्थापना की मांग, स्वास्थ्य सेवा बदहाल

मण्डला/मोहगांव(स्वतंत्रमत)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहगांव में पदस्थ रहे चिकित्सक डॉ. प्रसुन्न झा के उज्जैन स्थानांतरण के बाद क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं पर प्रतिकूल असर पड़ने लगा है स्थानीय लोगों का कहना है कि उनके जाने से अस्पताल में डॉक्टरों की कमी महसूस की जा रही है जिससे मरीजों को समय पर उपचार मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है डॉ. प्रसुन्न झा पिछले लगभग तीन वर्षों से आदिवासी बहुल मोहगांव क्षेत्र में अपनी सेवाएं दे रहे थे क्षेत्रवासियों के अनुसार वे मरीजों का समर्पित भाव से उपचार करते थे और जरूरत पड़ने पर 24 घंटे उपलब्ध रहते थे उनकी कार्यशैली और सेवा भावना के कारण उन्होंने आम लोगों के बीच एक भरोसेमंद चिकित्सक की पहचान बनाई थी गंभीर मरीजों की स्थिति में डॉ. झा कई बार अपने निजी वाहन से भी उन्हें मंडला रेफर कराने में सहयोग करते थे। यही कारण है कि उनके स्थानांतरण के बाद मरीजों और उनके परिजनों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है क्षेत्रवासियों ने शासन एवं स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहगांव में डॉक्टरों की कमी को शीघ्र दूर किया जाए तथा संभव हो तो डॉ. प्रसुन्न झा को पुन: मोहगांव में पदस्थ किया जाएं।

जनसमस्याओं को लेकर धरना आज से

मण्डला(स्वतंत्रमत)

नगर की बदहाल सड़कों सीवर लाइन कार्य के बाद क्षतिग्रस्त मार्गों और अन्य मूलभूत नागरिक सुविधाओं की अनदेखी से नाराज समाजसेवी नरेंद्र सिंह परिहार ने जिला प्रशासन के खिलाफ आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने 1 जुलाई से दो दिवसीय क्रमिक आंदोलन तथा मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में 4 जुलाई से कलेक्ट्रेट मार्ग पर आमरण अनशन करने की घोषणा की है इसकी लिखित सूचना जिला प्रशासन को सौंप दी गई है समाजसेवी नरेंद्र परिहार का कहना है कि नगरवासियों द्वारा लंबे समय से विभिन्न जन समस्याओं को लेकर प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के समक्ष मांगें रखी जाती रही हैं लेकिन अब तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं हुई उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया परंतु समस्याओं के समाधान की दिशा में अपेक्षित पहल नहीं हुई इससे निराश होकर उन्होंने आंदोलन का रास्ता चुना है आमरण अनशन के माध्यम से उन्होंने नगर हित से जुड़ी पांच प्रमुख मांगें रखी हैं इनमें बड़ चौराहा से हनुमान घाट मुक्तिधाम बड़ी खेरी मार्ग तक तत्काल डामरीकरण या सीसी सड़क निर्माण सीवर लाइन कार्य से क्षतिग्रस्त सभी सड़कों का उच्च गुणवत्ता के साथ पुनर्निर्माण नगर के 24 वार्डों में नालों-नालियों की सफाई और पक्का निर्माण, महाराजपुर में अधूरे पड़े डिवाइडर निर्माण कार्य को पूरा करना तथा नगर के सभी मुक्तिधामों का सौंदर्यी करण एवं पहुंच मार्गों का निर्माण शामिल हैं। जनप्रतिनिधियों से आंदोलन में सहयोग करने अपील की है।

पुलिस ने चलाया साइबर जागरूकता अभियान

मण्डला(स्वतंत्रमत)। पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार एवं पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिव कुमार वर्मा के मार्गदर्शन में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान के अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना, चौकी एवं यातायात पुलिस द्वारा अस्पतालों, स्वास्थ्य केंद्रों तथा सार्वजनिक स्थलों पर साइबर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए थाना टिकरिया में थाना प्रभारी निरीक्षक प्रदीप पाण्डेय एवं उप निरीक्षक पंकज सिंह विष्ट द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणगंज में स्टाफ एवं उपचार हेतु आए नागरिकों को साइबर सुरक्षा, राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 एवं पोर्टल की जानकारी दी गई। थाना बिछिया में थाना प्रभारी निरीक्षक रंजीत सैयाम के नेतृत्व में शासकीय अस्पताल बिछिया एवं घुटास अस्पताल में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया थाना खटिया में एसडीओपी नैनपुर मनीष राज के मार्गदर्शन एवं उप निरीक्षक दुर्गा प्रसाद भगत द्वारा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मोर्चा में स्वास्थ्य कर्मियों एवं ग्रामीणों को साइबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए गए।

अलग अंदाज में दिखीं मध्य प्रदेश शासन की कैबिनेट मंत्री संपत्तिया उइके

भारी बारिश के बीच तिरपाल ओडकर कार्यक्रम स्थल पहुंचीं कैबिनेट मंत्री

नैनपुर (स्वतंत्र मत)

प्रदेश सरकार की कैबिनेट मंत्री और मंडला विधायक श्रीमती संपतिया उइके मंगलवार को भारी बारिश के बीच नैनपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत सर्रा पिपरिया कार्यक्रम स्थल पैदल पहुंचीं। यहाँ आयोजित च्जल गंगा संवर्धन अभियानज् के जिला स्तरीय समापन एवं सम्मान समारोह में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। मौसम की खराबी और मूसलाधार बारिश के चुनौती के बावजूद भी मंत्री श्रीमती सम्पतिया उइके ने इस आयोजन को बड़े उत्साह से सम्पन्न कराया । उन्होंने तिरपाल टाटपोलिंग ओडकर जिले भर के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्यकर्ता के साथ कार्यक्रम स्थल तक का सफर तय किया। तय कार्यक्रम के अनुसार, मंत्री को दोपहर करीब 1 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना था। लेकिन क्षेत्र में लगातार हो रही तेज बारिश के कारण उनका काफिला दोपहर 2ः30 बजे सर्रा पिपरिया पहुंचा। बारिश रुकने का नाम नहीं ले रही थी, जिसके चलते कार्यक्रम स्थल पर पानी और कीचड़ की स्थिति बन गई थी तब एक तिरपाल के सहारे वे आयोजन स्थल तक पहुंची। विपरीत परिस्थितियों के बाद भी मंत्री महोदय ने अपनी संवेदनशीलत का परिचय दिया। इस सादगीपूर्ण और जुझारू अंदाज को देखकर वहां मौजूद ग्रामीणों और अधिकारियों ने उनकी जमकर सराहना की। इस अवसर पर जल संरक्षण संदेश देते हुए संरक्षकों का सम्मान भी किया गया। जिला स्तरीय जल गंगा संवर्धन कार्यक्रम के समापन के अवसर पर कैबिनेट मंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए जल स्त्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि जल ही जीवन है और आने वाली पीढ़ियों के लिए पानी बचाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस दौरान उन्होंने जल संवर्धन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले समाजसेवियों, अधिकारियों और ग्रामीणों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी और बड़ी संख्या में ग्रामीण जन उपस्थित रहे ।

अंतिम सांसें गिन रही है खपरैल वाली छतों की यह पारम्परिक कारीगरी

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। बरसात का चौमासा शुरू होते ही गाँवों की फिज़ा में एक अलग ही हलचल दिखाई देने लगती है। आसमान में उमड़ते-घुमड़ते बादलों के साथ लोग भी अपने घरों को सुरक्षित करने की तैयारियों में जुट जाते हैं। विशेषकर ग्रामीण अंचलों में इन दिनों छतों की मरम्मत का कार्य पूरे जोर-शोर से चल रहा है। खपरैल वाली पुरानी छतों से जर्जर खपरे हटाकर नए खपरे जमाने का सिलसिला हर घर में नजर आता है। मिट्टी और खपरों से बनी ये देशी छतें केवल एक निर्माण शैली नहीं, बल्कि हमारी परंपरा, हमारी पहचान और प्रकृति के साथ सामंजस्य का प्रतीक रही हैं। बरसों पहले, बरसात के आगमन से पूर्व यह कार्य हर घर की प्राथमिकता हुआ करता था। परिवार के लोग मिलकर छत की मरम्मत करते, और इस प्रक्रिया में श्रम के साथ-साथ अपनापन भी झलकता था। लेकिन बदलते समय के साथ यह परंपरा धीरे-धीरे फीकी पड़ती जा रही है। आधुनिकता की दौड़ में कंक्रीट की छतों ने खपरैल की जगह ले ली है। परिणामस्वरूप, इस कला में दक्ष कारीगरों की संख्या भी लगातार घटती जा रही है। जो कभी हर गाँव में आसानी से मिल जाते थे, आज उनकी तलाश करनी पड़ती है। आज स्थिति यह है कि खपरैल छतों की यह पारंपरिक कारीगरी मानो अपनी अंतिम सांसें गिन रही है। मिट्टी और खपरों से सजी ये छतें अब केवल कुछ घरों तक सीमित रह गई हैं, और इन्हें सहेजने वाली शायद आखिरी पीढ़ी ही बची है। बरसात की फुहारों के बीच जब इन छतों पर गिरती बूंदों की मधुर ध्वनि गूंजती है, तो यह केवल पानी की आवाज नहीं होती, बल्कि एक विरासत की पुकार होती है-जिसे सहेजना अब हमारी जिम्मेदारी बन चुकी है।

संपादकीय

कब होगा समझौता

वैश्विक स्तर पर भी अभी भी आपात स्थितियां बनी हुई हैं, क्योंकि अमरीका और ईरान के बीच सब कुछ विरोधाभासी ही है। दोनों देशों ने 14 बिंदुओं वाले सहमति-पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं, लेकिन संवाद ठहरा है। अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बार-बार विनाशक हमले की धमकियां दे रहे हैं। वहां के अधिकतर लोग मानते हैं कि ईरान युद्ध में अमरीका पराजित हुआ है। सहमति-पत्र में लगभग सभी ईरानी शर्तें अमरीका को माननी पड़ी हैं। सीनेट में भी ट्रंप हार गए हैं, क्योंकि अमरीकी संसद ने 'वॉर पॉवर्स' संबंधी प्रस्ताव पारित कर लिया है। अब संसद की पूर्व अनुमति के बिना राष्ट्रपति ट्रंप किसी भी युद्ध में कूद नहीं सकते। बहरहाल ट्रंप की धमकियों पर ईरान भी पलटवार को तैयार है। उनके सुप्रीम लीडर मुज्तबा खामेनेई का एक सीक्रेट पत्र लीक हुआ है, जिसमें साफ आदेश है कि अमरीका के साथ बातचीत तुरंत रोक दें। इसी जंगी माहौल में ईरान ने 'कादिर' बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। अमरीका और ईरान युद्ध के मोर्चों पर सैन्य तौर पर तैनात हैं। क्या ऐसे समझौता संभव है? ईरान और इजरायल एक बार फिर एक-दूसरे पर विध्वंसक हमले करने की तैयारी-तैनाती में हैं। राष्ट्रपति ट्रंप लेबनान पर हमले रोकने के लिए इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू पर दबाव नहीं बना सके हैं। इजरायल हवाई बमबारी कर दक्षिण लेबनान में तबाही और विध्वंस को जारी रखे है। लगातार हत्याएं की जा रही हैं, लोग विस्थापित होने को मजबूर हैं, लेकिन ट्रंप सिर्फ ईरान को धमकाते रहते हैं कि समझौता नहीं हुआ, तो पहले से ज्यादा विध्वंसक हमले झेलने पड़ेंगे। ईरान पहले ही बर्बाद हो चुका है। राष्ट्रपति ट्रंप की धमकियों के कारण ही समझौते का संवाद 24 घंटे भी जारी नहीं रह सका है। ईरानी दल ने अमरीकी दल से न तो हाथ मिलाया, न ही संयुक्त फोटो खिंचवाई, बल्कि वार्ता-सभागार से वॉकआउट कर गया। ईरान ने मध्यस्थों को साफ कर दिया कि वे अमरीका के साथ इस तरह बातचीत नहीं करेंगे। तो क्या समझौता नहीं होगा? अधिक मौजू सवाल यह है कि जिस तरह ट्रंप ईरान को हड़काए रखना चाहते हैं, उसके मद्देनजर अंतिम समझौता कैसे होगा? अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप और उपराष्ट्रपति वेंस ने ईरान के परमाणु प्रतिष्ठानों, यूरेनियम के संवर्धन और अमरीकी सामान खरीदने की बाध्यता पर जो बयान दिए हैं, ईरान ने उनका खंडन किया है। ईरान ने अमरीका और अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी को साफ कह दिया है कि परमाणु स्थलों का निरीक्षण अंतिम समझौता होने के बाद ही संभव हो सकता है। ईरानी दल ने स्विट्जरलैंड में आईएईए प्रमुख राफेल ग्रोसी से मुलाकात करने से भी इंकार कर दिया है। अमरीका और ईरान के दरमियान इतने विरोधाभास हैं कि सवाल स्वाभाविक लगता है कि इस तरह अंतिम समझौता कैसे होगा? समझौता होगा भी अथवा नहीं? 'व्हाइट हाउस' ने एक महत्वपूर्ण निर्णय के तहत ईरानी तेल को पाबंदियों से मुक्त कर दिया है। 1979 के बाद अमरीका ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है। बेशक ईरान वार्ता के 60 दिनों तक ही तेल की आजादी महसूस करेगा, फिर भी उसकी अर्थव्यवस्था के लिए यह अति महत्वपूर्ण निर्णय है। ईरान हमेशा पाबंदी-मुक्त रहे, यह बिंदु भी सहमति-पत्र में है। यदि समझौता हुआ, तो ईरान को हमेशा के लिए पाबंदी-मुक्त करना ही पड़ेगा। बहरहाल ईरान इस दौरान 40-43 अरब डॉलर का तेल बेच सकेगा। इसी के मद्देनजर भारत ने भी ईरान से 38.85 लाख बैरल तेल खरीदा है। संभव है कि दोनों देशों के बीच नया करार हो जाए!

लोक और कानून की भाषा के बीच का अंतर पाटना जरूरी

नागरिकता के दस्तावेजों पर इतना भ्रम ठीक नहीं

उमेश चतुर्वेदी

पिछले कुछ वर्षों में पासपोर्ट हासिल करना आसान हो गया है। इसकी वजह तकनीकी क्रांति तो है ही, लेकिन सरकारी नीतियों ने भी आम आदमी के लिए पासपोर्ट बनवाने की प्रक्रिया को आसान किया है। पासपोर्ट हासिल करने के कठिन दौर से लेकर आसानी से प्राप्त होने के मौजूदा दौर में, आम नागरिक इसे अपनी नागरिकता का एक वैध दस्तावेज मानता रहा है। लेकिन पासपोर्ट सेवा दिवस के मौके पर भारतीय विदेश मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के पासपोर्ट को लेकर दिए बयान ने विवाद खड़ा कर दिया है। इस अधिकारी के मुताबिक, भारतीय पासपोर्ट सिर्फ विदेश यात्रा के लिए एक दस्तावेज है, भारतीय नागरिकता का सबूत नहीं। जहां पासपोर्ट हासिल करने को चार धाम यात्रा जैसी उपलब्धि माना जाता रहा हो, जहां किसी व्यक्ति की पहचान के लिए मजबूत सरकारी दस्तावेज माना जाता रहा हो, वहां ऐसा बयान आएगा तो विवाद होगा ही। तो विवाद हो रहा है। विशेष रूप से सोशल मीडिया पर लोग पूछ रहे हैं कि अगर आधार कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, पैन कार्ड और पासपोर्ट नागरिकता का वैध दस्तावेज नही है तो फिर कोई भारतीय नागरिक अपनी नागरिकता के लिए क्या सबूत पेश करे।

भारतीय पासपोर्ट अधिनियम के शब्दों से गुजरें तो विदेश मंत्रालय के अधिकारी का कहना गलत भी नहीं है, लेकिन हाल के दिनों में मतदाता सूचियों के विशेष और गहन परीक्षण के दौरान जब घोषित कर दिया गया कि किसी व्यक्ति के पास आधार कार्ड, पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र होना उसकी नागरिकता के सबूत नहीं है और अब पासपोर्ट भी नहीं रहा, तो फिर भारतीय नागरिक क्या करे। जरूरत पड़ने पर वह कैसे साबित करे कि वह भारतीय नागरिक है। इस आधार पर तो देश के ज्यादातर लोग अपनी नागरिकता को तो साबित ही नहीं कर पाएंगे। यही वजह है कि लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। आज के दौर की तमाम लड़ाइयों का बुनियादी और मजबूत आधार चूंकि नैरेटिव बन गया है तो यह भी साबित करने की कोशिश होगी कि मोदी सरकार ने जानबूझकर ऐसा किया है। इसके लपेटे में मोदी समर्थक ताकतें भी आएंगी, भारतीय जनता पार्टी पर तो खैर सवाल उठेगा ही। इस नैरेटिव को खड़ा होने से पहले ही जरूरी है कि नागरिकता के वैध दस्तावेज को लेकर जारी भ्रम को जल्द से जल्द दूर किया जाए। अन्यथा भ्रम का यह कुहासा जितना फैलेगा, वह आम नागरिक के मन में व्यवस्था के प्रति गुस्सा और क्षोभ भरेगा। इससे तनाव बढ़ाने वाली ताकतों को भी मौका मिलेगा।

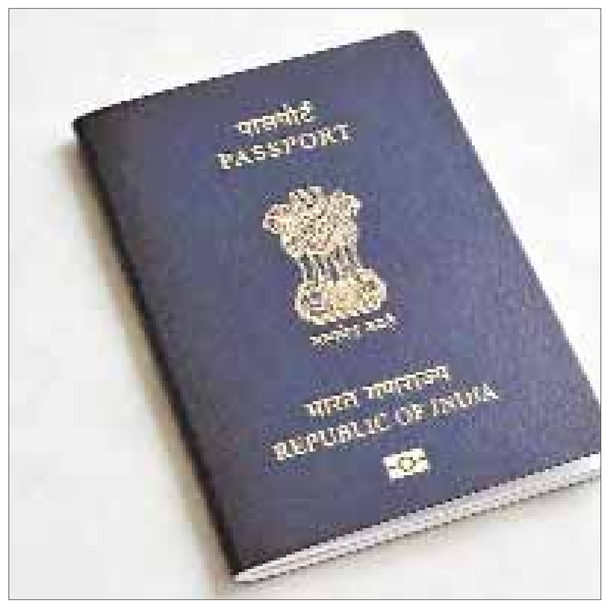

पासपोर्ट को लेकर विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने जो कहा है, वह गलत भी नहीं है। अपने देश में भारतीय पासपोर्ट अधिनियम 1967 के तहत जारी किया जाता है। जबकि भारत में नागरिकता की व्याख्या और प्रमाणिकता के लिए भारतीय नागरिकता कानून 1955 है। पासपोर्ट एक्ट की धारा 20 के मुताबिक, अगर केंद्र सरकार चाहे तो किसी ऐसे व्यक्ति को भी पासपोर्ट या यात्रा दस्तावेज जारी कर सकती है जो भारत का नागरिक नहीं है। बस शर्त यह होगी कि सरकार को ऐसा लगे कि उसके लिए पासपोर्ट जारी करना व्यापक जनहित में जरूरी है। इस कानून से साफ है कि पासपोर्ट और नागरिकता दो अलग अलग चीजें हैं। बेशक भारतीय पासपोर्ट सिर्फ भारतीयों को ही मिलता है, लेकिन यह पत्थर की लकीर जैसा नियम नहीं है। पासपोर्ट अधिनियम की धारा 20 भारत सरकार को छूट देती है कि व्यापक जनहित में वह भारतीय नागरिक ना होने के बावजूद किसी व्यक्ति को पासपोर्ट जारी कर सकती है।

विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भले ही विवाद खड़ा हुआ हो, लेकिन पासपोर्ट के जरिए नागरिकता प्रमाणित करने के तीन अभियुक्तों समेत चार लोगों के दावे को बांबे हाईकोर्ट 2013 में ही खारिज कर चुका है। उन्होंने अपनी नागरिकता के लिए पासपोर्ट पेश किया था। बांबे हाईकोर्ट ने दो सितंबर 2013 के अपने फैसले में साफ कर दिया था कि अगर आपका जन्म 1987 के बाद हुआ है तो पासपोर्ट को अपनी नागरिकता के प्रमाण पत्र के रूप में नहीं पेश कर सकते। वैसे आधार कार्ड का कानून भी मानता है कि आधार कार्ड सिर्फ निवास और पहचान का प्रमाण है, नागरिकता का नहीं। आधार कानून 2016 की धारा में साफ लिखा है कि आधार कार्ड से नागरिकता की बजाय सिर्फ निवास स्थान और पहचान प्रमाणित होता है। इसकी वजह यह है कि आधार कानून के तहत 182 दिनों तक भारत में लगातार रहने वाले व्यक्ति को सरकार चाहे तो आधार कार्ड जारी कर सकती है। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय भी इसे नागरिकता का प्रमाण मानने से इनकार कर चुका है। इसी तरह पैन कार्ड के लिए भी व्यवस्था दी गई है। पैन कार्ड का कानूनी आधार है कि व्यक्ति अर्जन कर रहा है और टैक्स दे रहा है।

आधुनिक विश्व व्यवस्था की एक खामी यह है कि यहां कानून की भाषा अलग होती है। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि कानूनी भाषा जटिल होती है और उसके शब्द जाल को आम आदमी नहीं समझ पाता। इसी आधार पर उसकी अवधारणाएं विकसित होती हैं और फिर वह किसी विषय का व्यवस्था को लेकर अपनी राय बनाता है। प्रधानमंत्री मोदी को इन जटिलताओं की समझ है, शायद यही वजह है कि उनके कार्यकाल में देश के सैकड़ों गैरजरूरी कानूनों को या तो रद्द किया गया है या फिर कुछ नए संदर्भों वाले कानूनों में समाहित कर दिया गया है। आज के दौर में नागरिकता के दस्तावेज के रूप जब पासपोर्ट, आधार कार्ड , पैन कार्ड या मतदाता पहचान पत्र को आखिरी और अंतिम प्रमाण मानने से इनकार किया जाता है तो अपनी लोक और आम धारणा के चलते आम आदमी इसके विरोध में उतर आता है। यही वजह है कि जब मतदाता सूचियों के विशेष गहन परीक्षण यानी एसआईआर के दौरान इन दस्तावेजों को आखिरी दस्तावेज मानने से इनकार किया गया तो इसका विरोध शुरू हुआ था। कुछ इसी अंदाज में पासपोर्ट पर विदेश मंत्रालय के अधिकारी के बयान पर भी विवाद शुरू हो गया है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने पूछ लिया है कि पासपोर्ट बनाने से पहले पुलिस जब व्यक्ति का सत्यापन करती है तो आखिर वह किसका सत्यापन करती है और क्यों करती है? उनका यहां तक कहना है कि इससे लोगों के मन में यह भी संदेह उत्पन्न हो सकता है कि गैर भारतीयों को भी पासपोर्ट दिए जा रहे हैं?

इन पंक्तियों के लिखे जाने तक भारत सरकार की ओर से नगारकिता के प्रमाण को लेकर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। लेकिन सवाल यह है कि आखिर जब पासपोर्ट मान्य नहीं, मतदाता पहचान पत्र और आधार कार्ड पर भरोसा नहीं और पैन कार्ड मान्य नहीं तो फिर आम नागरिक अपनी नागरिकता को कैसे साबित करे। निश्चित तौर पर इसका भी सरकारी व्यवस्था में है। 20 दिसंबर, 2019 को राष्ट्रीय नागरिकता रजिस्टर यानी एनआरसी से जुड़े एक सवाल के जवाब में भारत सरकार के प्रवक्ता ने कहा था, जन्म की तारीख और जन्म-स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, ऐसे स्वीकार्य दस्तावेजों पर अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें रिलीज में कहा गया था कि जन्म की तारीख और जन्म स्थान से जुड़े कोई भी दस्तावेज जमा करके नागरिकता साबित की जा सकती है। हालांकि, इन दस्तावेजों के बारे में आखिरी रूप से अभी कोई फैसला नहीं लिया गया है। इसमें वोटर कार्ड, पासपोर्ट, आधार, लाइसेंस, इंश्योरेंस के कागजात, जन्म प्रमाण पत्र, स्कूल छोड़ने का प्रमाण पत्र, जमीन या घर से जुड़े दस्तावेज या सरकारी अधिकारियों द्वारा जारी किए गए ऐसे ही अन्य दस्तावेज शामिल हो सकते हैं। इस लिस्ट में और भी दस्तावेज़ शामिल किए जा सकते हैं ताकि किसी भी भारतीय नागरिक को बेवजह परेशानी न हो।

बेशक कानून की भाषा अलग होती है और लोक का शब्द संसार अलग, लेकिन दोनों के बीच संतुलन होना ही चाहिए। लोक की समझ अपने तंत्र के लिए बेहतर बनी रहे, इसके लिए जरूरी है कि लोक और कानून की भाषा के बीच के अंतर को पाट लिया जाए। अन्यथा गलतफहमियां होती रहेंगी और आखिरकार इससे नुकसान लोकतंत्र का होगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार और राजनीतिक समीक्षक हैं..

हिन्द महासागर की अर्थ-नीति

आदित्य नारायण चौपड़ा

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

अगर हम विश्व इतिहास पर नजर डालें तो पिछली सदियों का इतिहास दुनिया के तमाम देशों पर कुछ चुनिन्दा यूरोपीय देशों के साम्राज्यवादी अधिपत्य का इतिहास रहा है और इस बीच तुर्की में स्थापित शक्तिशाली उस्मानिया साम्राज्य के वर्चस्व की गाथा भी कहता रहा है। दूसरी तरफ यह दौर विश्व में औद्योगिक क्रान्ति का भी दौर रहा है जिसके चलते यूरोपीय देशों ने अपनी व्यापार बुद्धि के बल पर एशिया व अफ्रीका समेत दूसरे महाद्वीपों के देशों पर भी अपना साम्राज्य स्थापित किया और इनके समुद्री मार्गों पर अपना कब्जा जमाया। इनमें ब्रिटेन से लेकर फ्रांस व नीदरलैंड से लेकर पुर्तगाल जैसे देश शामिल थे।

इनमें से ब्रिटेन पहले नम्बर पर था जिसने अमरीका जैसे देश तक पर अपना राज कायम करने में सफलता प्राप्त कर ली थी, परन्तु कालान्तर में 17वीं सदी में ही ब्रिटेन को इस देश से अपना कब्जा छोड़ना पड़ा, परन्तु इसके बाद एशिया व अफ्रीका के अधिसंख्य देशों पर इसका कब्जा बना रहा। इस सन्दर्भ में यह नहीं भूलना चाहिए कि 17वीं सदी के शुरूआती दौर में ही अंग्रेजों की नजर भारत पर पड़ी और उसने इसके साथ व्यापार करने के रास्ते खोजने शुरू किये जिसके चलते मुगल सम्राट जहांगीर के शासनकाल में इन्होंने भारत में व्यापार करने का शाही फरमान जारी कराया। इस बात का अन्दाजा लगाया जा सकता है कि उस समय भारत का विश्व व्यापार में क्या हिस्सा रहा होगा, क्योंकि 1756 में जब अंग्रेजों की ईस्ट इंडिया कम्पनी ने बंगाल के नवाब सिरोजुदौला को पलाशी युद्ध में छल-बल से हराया तो विश्व व्यापार में भारत का हिस्सा 24 प्रतिशत के लगभग था। उस समय तक मुगलिया सल्तनत ढह चुकी थी और पूरे भारत में देशी राजे-रजवाड़ों की स्वायत्तता सिर चढ़ कर बोल रही थी, परन्तु इसके बाद जब औद्योगिक क्रान्ति का दौर शुरू हुआ तो साम्राज्यवादी यूरोपीय ताकतों ने दुनिया के प्राकृतिक आय स्रोतों से सम्पन्न व समुद्री मार्ग से व्यापार के लिए जरूरी बने देशों को कब्जाना शुरू किया जिससे वे अपने देश में बने माल की समुचित खपत कर सकें और इन देशों में उपलब्ध खनिज सम्पदा का अधिकाधिक दोहन अपने लाभ में कर सकें। इस क्रम में भारत की भौगोलिक स्थिति अंग्रेजों के लिए आदर्श साबित हुई, जहां से बैठ कर उन्होंने पूरे पश्चिम एशिया का शासन संचालित किया। इसके लिए सबसे पहले तुर्की के उस्मानिया साम्राज्य का ढहना जरूरी था जिसे उन्होंने 1914 में शुरू हुए प्रथम विश्व युद्ध के दौरान किया। तब तक भारत पर अंग्रेजों का पुख्ता राज कायम हो चुका था और अमेरिका भी अपनी ताकत के बूते पर विश्व व्यवस्था में अपनी जगह बना चुका था। इस युद्ध के बाद ब्रिटेन ने अपनी सुविधा के अनुसार एशिया व अफ्रीकी देशों का भौगोलिक निर्धारण किया खास कर पश्चिम एशियाई देशों का क्योंकि तब तक इन देशों में इनकी धरती के गर्भ में छिपे खनिज तेल की खोज होने लगी थी, परन्तु विश्व क्रम के इस बदलाव के बाद जर्मनी में भी औद्योगिक क्रान्ति के चलते अपना वर्चस्व पूरी दुनिया में स्थापित करने की इच्छा जागृत हुई और इसके तानाशाह बने नेता हिटलर ने विश्व विजेता बनने की ठान ली, परन्तु इसके समानान्तर रूस में ऐसा बदलाव हो रहा था जिसमें दुनिया के औपनिवेशिक देशों में अपने बूते पर शासक वर्ग के खिलाफ विद्रोह करने की भावना को बल मिल रहा था। अत: हिटलर ने 1938 के आते-आते पहला समझौता रूस के साथ ही किया और अन्य करीब के यूरोपीय देशों के विरुद्ध सैन्य अभियान शुरू कर दिया, परन्तु हिटलर की बढ़ती ताकत से खुद रूस ही घबरा बैठा और उसने इस युद्धकाल में यूरोपीय देशों के पाले में जाना बेहतर समझा। इस युद्ध को ही द्वितीय विश्व युद्ध कहा गया जिसमें रूस समेत सभी यूरोपीय ताकतों ने जर्मनी का विरोध किया केवल जापान व इटली जैसे देशों ने हिटलर का साथ दिया जिनकी 1945 के आते- आते भारी पराजय हुई और जर्मनी भी दो भागों में बंट गया, परन्तु इस युद्ध के चलते ब्रिटेन समेत अन्य साम्राज्यवादी यूरोपीय देशों की ताकत खत्म सी हो गई और इसके समानान्तर अमेरिका की आर्थिक ताकत सब के सिर चढ़ कर बोलने लगी। हालत यहां तक आ गई कि ब्रिटेन के पास अपनी विशाल फौज की तनख्वाहें देने तक के पैसे नहीं बचे और अमेरिका की मदद से उसे यह काम करने को मजबूर होना पड़ा जिससे अमेरिका ने दबाव बनाना शुरू किया ब्रिटेन अपने उपनिवेशों को खाली करें जिससे इन देशों में बढ़ते सोवियत या रूसी प्रभाव को थामा जा सके। ऐसे देशों में भारत सबसे प्रमुख राष्ट्र था अत: 1947 में इसे स्वतन्त्र घोषित कर दिया गया परन्तु इसे धार्मिक आधार पर दो देशों में बांट दिया गया। इसका प्रमुख कारण यह था कि पाकिस्तान को यूरोपीय देश भविष्य में अपना 'सेवादेश' बनाकर रखना चाहते थे जिससे इसके कराची शहर से लगे अरब महासागर की मार्फत आस्ट्रेलिया तक फैले प्रशान्त महासागर तक के क्षेत्र में अपना दबदबा कामय रख सकें।

प्रधानमन्त्री इसी देश की तीन दिन की राजकीय यात्रा पर आजकल यहां गये हुए हैं। अत: श्री मोदी का द्विपक्षीय वार्ता के बाद यह कहना कि भारत हिन्द महासागर परिक्षेत्र को अवसरों का महासमुद्र बनाना चाहता है। पूरे महासागरीय मूलक देशों की अर्थव्यवस्था को नया आयाम देने वाला है। सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी ने श्री मोदी को अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान गार्जियन आफ द ब्लू होराइजन से भी सम्मानित किया। श्री मोदी ने हिन्द महासागर क्षेत्र को समुद्री अपराधों से मुक्त रखने के लिए आपसी सहयोग बढ़ाने व संयुक्त रणनीति बनाने पर भी जोर दिया। भारत सत्तर के दशक तक हिन्द महासागर क्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय शान्ति क्षेत्र घोषित करने के पक्ष में रहा था। श्री मोदी अब बदली परिस्थितियों में इस क्षेत्र के सभी देशों की अर्थव्यवस्थाओं को आपसी निर्भरता के आधार पर विकास के पथ पर डालना चाहते हैं जिसके लिए स्पष्ट दूरदर्शी नीतियों की आवश्यकता है। हिन्द महासागर क्षेत्र की एक विशिष्ट शक्ति होने की वजह से भारत की नीति इसी लक्ष्य को प्राप्त करने की तरफ आगे बढ़ती प्रतीत हो रही है।

आधी सदी का मौन युद्ध, इबोला के खिलाफ योजना और धैर्य से लड़नी होगी जंग

वीर सिंह

वर्ष 1976 से लेकर 2026 तक 50 वर्षों की यात्रा में इबोला वायरस वर्षावनों से निकलकर अफ्रीका के गावों में मौतों का पिटारा खोलकर अपना डेरा डाल देता है और कुछ वर्षों के लिए शांत हो जाता है। लेकिन, 2026 का प्रकोप कुछ अलग तरह का है। एक महाद्वीप से लेकर अब यह पूरे विश्व में अपना वर्चस्व स्थापित करने पर उतारू है। जब विगत 15 मई को कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और युगांडा ने इबोला प्रकोप की घोषणा की, तब तक वहां 246 संदिग्ध मामलों और 80 मौतों की पुष्टि हो चुकी थी। एक अंतरराष्ट्रीय शोध दल के अनुसार, इबोला संक्रमितों की वास्तविक संख्या बहुत अधिक हो सकती है। इस वर्ष इबोला का एक नया अवतार, बुंडीबुग्यो (बीवीडी) प्रकट हुआ है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के महानिदेशक ने इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल (पीएचईआईसी) घोषित किया है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि बुंडीबुग्यो की रोकथाम के लिए कोई टीका नहीं है, और न ही उपचार। डब्ल्यूएचओ ने अपनी सभी आपातकालीन प्रणालियों को सक्रिय कर दिया है। अफ्रीकी सीडीसी ने भी महाद्वीप की सुरक्षा के लिए डब्ल्यूएचओ के पीएचईआईसी के समानांतर घोषणापत्र जारी कर दिया है।

विश्व की सबसे अधिक जनसंख्या वाला हमारा देश भी इबोला को लेकर सतर्क हो चुका है। भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी निवारक तंत्रों को 'पूरी तरह सतर्क और क्रियाशील' रहने के दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) को ट्रैकिंग, परीक्षण और निगरानी के लिए निरंतर तत्परता बनाए रखने का निर्देश दिया गया है। 1976 में, अफ्रीका के जैरे का एक मिशनरी अस्पताल एक रहस्यमयी वायरस की वजह से मुर्दाघर बनता जा रहा था। तब किसी ने कल्पना नहीं की होगी कि यही वायरस 2026 में अपनी खोज की स्वर्ण जयंती मना रहा होगा। इबोला का प्रथम ज्ञात मामला इबोला नदी के आसपास से प्रकाश में आया था। अगस्त-सितंबर 1976 में इबोला नदी से 60 किलोमीटर दूर यंबुक मिशन अस्पताल में रक्तस्रावी बुखार के पीड़ितों का अंबार लगने लगा था। बेल्जियम के वैज्ञानिक पीटर पिओट और उनकी टीम ने इस बीमारी के वायरस की पहचान की। कार्ल जॉनसन ने इस वायरस का नाम इबोला नदी के नाम पर रखा। इबोला का घातक प्रभाव केवल चिकित्सा पद्धति पर ही नहीं, सामाजिक ताने-बाने पर भी पड़ता है। वायरस न केवल लोगों की जान लेता है, स्वास्थ्य सेवाओं में लोगों के विश्वास को भी लील जाता है। किसी महामारी के जड़मूल निराकरण के लिए केवल टीके ही पर्याप्त नहीं हैं। किसी क्षेत्र की गरीबी, संघर्ष, अविश्वास, और लचर स्वास्थ्य प्रणालियां इबोला को फैलाने में सहायक हो रही हैं। डब्ल्यूएचओ की इबोला महामारी के प्रबंधन की विस्तृत रणनीति में एक वाक्य छिपा है-'बड़े पैमाने पर विश्वास निर्माण और सामुदायिक सहभागिता का वातावरण बनाएं।' यदि इबोला नदी की तरह इबोला वायरस का खतरा भी अफ्रीका और दुनिया में लगातार न फैलता रहे, तो इसके लिए प्राकृतिक वनों का संरक्षण और विस्तार, जंगली जानवरों के शिकार पर प्रभावी रोक तथा वन्यजीवों के साथ मानव संपर्क को न्यूनतम करना बेहद आवश्यक है। इसके अलावा, मांसाहार से बचने जैसी सावधानियां वायरस को उसके प्राकृतिक परिवेश तक सीमित रखने और भविष्य में इबोला जैसी महामारियों के जोखिम को कम करने में मददगार हो सकती हैं।

राजधानी छीनी, संस्थान छीने, पहचान छीनी, अब और कितना सहेगा जबलपुर?

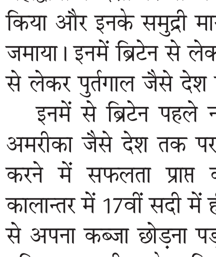

पवन शर्मा

अध्यक्ष
आर्ट वेद कल्चरल एंड स्पोर्ट्स सोसायटी

सवाल केवल एक शहर का नहीं, बल्कि उस सोच का है जिसने मध्यप्रदेश के एक गौरवशाली नगर को धीरे-धीरे उसके अधिकारों से दूर कर दिया।

जबलपुर कभी केवल एक शहर नहीं था। यह महाकौशल की पहचान था, मध्यप्रदेश की प्रशासनिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और न्यायिक शक्ति का केंद्र था। यह वह शहर था जहां से प्रदेश के भविष्य की कल्पना की जाती थी। लेकिन आज वही शहर अपने अस्तित्व, सम्मान और अधिकारों की लड़ाई लड़ने को मजबूर है।

स्वतंत्रता के बाद राज्य पुनर्गठन के दौर में जब मध्यप्रदेश का स्वरूप तय हो रहा था, तब जबलपुर को राजधानी बनाने के पक्ष में अनेक तर्क मौजूद थे। भौगोलिक स्थिति, प्रशासनिक आधारभूत संरचना, शैक्षणिक प्रतिष्ठा और क्षेत्रीय महत्व हर दृष्टि से जबलपुर एक स्वाभाविक दावेदार माना जाता था। लेकिन राजनीति ने अलग दिशा चुनी और राजधानी भोपाल चली गई।

इतिहास का यह निर्णय केवल राजधानी तक सीमित नहीं रहा। इसके बाद शुरू हुआ वह सिलसिला, जिसने धीरे-धीरे जबलपुर की संस्थागत शक्ति को कमजोर किया। सरकारी कार्यालयों का प्रभाव घटा, कई महत्वपूर्ण संस्थानों की भूमिका सीमित हुई, अनेक निर्णय शहर से दूर लिए जाने लगे और विकास की धारा का केंद्र बदलता चला गया।

सबसे अधिक पीड़ा तब होती है जब शिक्षा के क्षेत्र की बात आती है। जिस जबलपुर ने मध्यप्रदेश को उच्च शिक्षा की मजबूत नींव दी, जहां प्रदेश के सबसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में से कुछ स्थापित हुए, वही शहर धीरे-धीरे अपनी शैक्षणिक बढ़त खोता चला गया। कभी शिक्षा का केंद्र कहलाने वाला जबलपुर आज अपने पुराने गौरव को याद करने को विवश है। नए संस्थानों की स्थापना हो या पुराने संस्थानों का विस्तार, शहर को अक्सर प्रतीक्षा ही मिली है।

कृषि, पशु चिकित्सा, तकनीकी शिक्षा और व्यावसायिक प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों में भी शहर की संभावनाओं का वैसा उपयोग नहीं हुआ, जैसा होना चाहिए था। आज भी जबलपुर में वह क्षमता मौजूद है कि वह पूरे मध्यभारत का सबसे बड़ा शिक्षा केंद्र बन सके, लेकिन इसके लिए दृष्टि, इच्छाशक्ति और राजनीतिक प्रतिबद्धता की आवश्यकता है।

खेलों का क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। कभी जिन खेल संगठनों और गतिविधियों से शहर की पहचान जुड़ी थी, वे धीरे-धीरे प्रभावहीन होते गए। संस्थाएं बचीं, लेकिन उनका प्रभाव सिकुड़ता गया। खेल प्रतिभाओं ने शहर को गौरवान्वित किया, पर खेल संरचना को वह महत्व नहीं मिला जिसकी अपेक्षा थी।

औद्योगिक विकास की बात करें तो तस्वीर और भी चिंताजनक दिखाई देती है। जब देश के अनेक शहर उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसरों के साथ आगे बढ़ रहे थे, तब जबलपुर अपनी संभावनाओं के बावजूद अपेक्षित गति नहीं पकड़ सका। इसका परिणाम यह हुआ कि हजारों युवाओं को रोजगार और बेहतर अवसरों की तलाश में शहर छोड़ना पड़ा। जिस शहर को प्रतिभाओं को आकर्षित करना चाहिए था, वह अपनी प्रतिभाओं को रोक पाने में संघर्ष करता दिखाई देता है।

लेकिन क्या इसके लिए केवल सरकारें जिम्मेदार हैं?

यह प्रश्न जितना असहज है, उतना ही आवश्यक भी।

सच्चाई यह है कि जबलपुर को जितना नुकसान बाहरी निर्णयों से हुआ, उतना ही नुकसान उसकी आंतरिक कमजोरियों ने भी पहुंचाया। शहर के नेता दलों में बंटे रहे, लेकिन शहर के मुद्दों पर शायद ही कभी एकजुट दिखाई दिए। व्यक्तिगत महत्वाकांक्षाएं शहर के सामूहिक हितों पर भारी पड़ती रहीं। स्वागत, सम्मान, मालाएं और राजनीतिक निष्ठाओं के प्रदर्शन में ऊर्जा खर्च होती रही, लेकिन शहर के अधिकारों के लिए वैसा संगठित संघर्ष कभी खड़ा नहीं हो सका जिसकी आवश्यकता थी।

व्यापारी अपने मुद्दों तक सीमित रहे, उद्योगपति अपनी चुनौतियों तक, सामाजिक संगठन अपने कार्यक्रमों तक और बुद्धिजीवी अपने विमर्शों तक। परिणाम यह हुआ कि जबलपुर की आवाज अनेक टुकड़ों में बंट गई।

प्रशासन की भूमिका भी प्रश्नों के घेरे से बाहर नहीं है। शहर को एक दीर्घकालिक दृष्टि देने, उसके भविष्य की योजना बनाने और उसकी विशिष्ट पहचान को संरक्षित रखने के प्रयास अपेक्षित स्तर पर दिखाई नहीं दिए। विकास केवल परियोजनाओं का नाम नहीं होता, विकास एक दृष्टिकोण होता है, और यही दृष्टिकोण वर्षों से कमजोर पड़ता दिखाई देता है।

विडंबना यह है कि जबलपुर में संगठनों की कोई कमी नहीं है। लगभग हर क्षेत्र में संगठन हैं, मंच हैं, समितियां हैं और संघ हैं। लेकिन शहर के लिए एक साझा मंच नहीं है। जब तक उद्योग, व्यापार, शिक्षा, संस्कृति, खेल, सामाजिक संगठनों और जनप्रतिनिधियों की सामूहिक आवाज नहीं बनेगी, तब तक शहर अपने अधिकारों के लिए प्रभावी संघर्ष नहीं कर पाएगा।

आज आवश्यकता किसी एक नेता, एक दल या एक सरकार को दोष देने की नहीं है। आवश्यकता इस बात की है कि पूरा शहर आत्ममंथन करे। हमें यह पूछना होगा कि जब हमारे संस्थान कमजोर किए जा रहे थे, तब हमारी आवाज कहां थी? जब अवसर दूसरे शहरों की ओर जा रहे थे, तब हमारा प्रतिरोध कहां था? जब हमारी पहचान धुंधली की जा रही थी, तब हमारा नेतृत्व क्या कर रहा था?

शहरों का पतन एक दिन में नहीं होता। पहले उनकी राजधानी जाती है, फिर संस्थान जाते हैं, फिर अवसर जाते हैं और अंत में लोगों का विश्वास चला जाता है।

जबलपुर को इस अंतिम स्थिति तक नहीं पहुंचने देना है।

यह शहर आज भी अपनी सांस्कृतिक विरासत, शैक्षणिक परंपरा, न्यायिक महत्व, सैन्य उपस्थिति, प्राकृतिक सौंदर्य और नागरिक चेतना के कारण विशिष्ट स्थान रखता है। उसके पास इतिहास भी है, क्षमता भी है और भविष्य भी। आवश्यकता केवल उस सामूहिक संकल्प की है जो कह सके कि अब और नहीं।

समय आ गया है कि जबलपुर अपने अधिकारों, अपने संस्थानों, अपनी पहचान और अपने भविष्य के लिए एकजुट हो।

क्योंकि आने वाली पीढ़ियां हमसे केवल एक प्रश्न पूछेंगी

जब जबलपुर का भविष्य दांव पर लगा था, तब आप क्या कर रहे थे?

और उस दिन हमारे पास कोई बहाना नहीं होगा।

अब निर्णय जबलपुर को करना है।

इतिहास का शिकार बने रहना है, या इतिहास रचना है।

यूरोप में रिकॉर्ड तोड़ गर्मी का कहर, 22 शहरों में रेड अलर्ट

फ्रांस-स्पेन और इटली समेत कई देशों में और बढ़ेगा तापमान

रोम

यूरोपीय देशों में पिछले एक हफ्ते से रिकॉर्ड तोड़ गर्मी पड़ रही है। इस गर्मी के चलते पूरे महाद्वीप में सैकड़ों लोगों की मौत हुई है और लोगों के दैनिक जीवन पर बुरा असर पड़ा है। साथ ही जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ गई हैं। मौसम वैज्ञानिकों द्वारा यह चेतावनी भी दी गई है कि अगले हफ्ते की शुरुआत से फ्रांस और जर्मनी जैसे देश जहां पिछले कुछ दिनों में गर्मी का सबसे ज्यादा असर देखा गया, वहां गर्मी फिर से बढ़ सकती है।

इटली के 22 शहरों में रेड अलर्ट

यूरोप में पिछले एक हफ्ते से जारी रिकॉर्ड तोड़ हीटवेव (लू) ने अब इटली और बाल्कन देशों को अपनी चपेट में ले लिया है। इटली के उत्तर में बोलजानो से

लेकर दक्षिणी द्वीप सिसिली में पलेर्मो तक 22 शहरों में %रेड हीट वॉर्निंग (भीषण गर्मी की चेतावनी) जारी की गई है।

वेटिकन सिटी में भी गर्मी का असर

इस भीषण गर्मी का असर वेटिकन सिटी में भी साफ देखने को मिला, जहां सेंट्स पीटर एंड पॉल के त्योहार पर पोप लियो का पारंपरिक एंजेलस संदेश सुनने के लिए भारी भीड़ उमड़ी थी। चिलचिलाती धूप से बचने के लिए वहां मौजूद तीर्थयात्री लगातार पंखों और छतरियों का सहारा लेते दिखाई दिए।

रेड अलर्ट जारी

वहीं, मौसम विभाग ने क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में और पर्यटकों के पसंदीदा शहरों स्प्लिट और डबरोवनिक समेत कई इलाकों के लिए रेड अलर्ट जारी किया। स्प्लिट से करीब 55 किलोमीटर दूर एड्रियाटिक सागर में स्थित विस द्वीप के चीड़ के जंगलों में भीषण आग लग गई, जिसे बुझाने के लिए दर्जनों दमकलकर्मियों के साथ चार विमानों को तैनात करना पड़ा।

सबसे भीषण गर्मी की लहर

वैज्ञानिकों का कहना है कि 20 जून को शुरू हुई यह गर्मी की लहर यूरोप में अब तक की सबसे भीषण गर्मी की लहर है। इस भीषण गर्मी ने बिजली उत्पादन को बाधित किया है, बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचाया है और स्वास्थ्य सेवा प्रणालियों पर भारी दबाव डाला है। फ्रांस में इस गर्मी की लहर के दौरान 1,000 अतिरिक्त मौतें दर्ज की गई हैं।

गर्मी फिर बढ़ेगी

इटली की मौसम विज्ञान सोसायटी के अध्यक्ष लुका मर्काली ने कहा कि 5-6 जुलाई से तापमान फिर से बढ़ने की संभावना है। उन्होंने कहा, प्रभावित इलाके मोटे तौर पर पहली लहर जैसे ही हैं, जिनमें फ्रांस, स्पेन, जर्मनी, इटली, स्विट्जरलैंड और कुछ हद तक ब्रिटेन शामिल हैं। उन्होंने आगे कहा, भीषण गर्मी के साथ जंगल की आग का खतरा बढ़ जाता है, लेकिन यहां भारी बारिश और तूफान की भी संभावना है।

तेजी से परमाणु हथियार बढ़ा रहा चीन, 600 के पार हुई संख्या, रूस-अमेरिका के मुकाबले कहां पहुंचा?

नई दिल्ली

चीन हमेशा से ही अपने परमाणु हथियार भंडार को लेकर सार्वजानिक नहीं हुआ है। ऐसा माना जाता रहा है कि चीन की परमाणु नीति उसकी आत्मरक्षा के इर्द-गिर्द घुमती है। चीन लगातार नो फर्स्ट यूज पॉलिसी यानी कि पहले इस्तेमाल न करने की नीति पर अडिग रहा है। लेकिन यहां सोचने वाली बात यह है कि अगर वाकई ऐसा है तो वह अमेरिका और रूस की त्रिपक्षीय परमाणु हथियार नियंत्रण वार्ता में शामिल क्यों नहीं होता है? विशेषज्ञों का कहना है कि चीन इन समय तेजी से अपनी परमाणु क्षमता को बढ़ा रहा है। एक आंकलन के मुताबिक साल 2023 से 2025 के बीच चीन हर साल लगभग 100 परमाणु हथियार अपने भंडार में जोड़ रहा है। हालांकि पिछले साल यह बढ़ोतरी घट कर 20 ही रह गई। पश्चिमी मीडिया के अनुसार

लगातार अपने परमाणु हथियार को मजबूत बनाने का मकसद सेकेंड स्ट्राइक यानी की जवाबी हमले को बेहतर बनाना है। चीन कभी अपने परमाणु हथियार भंडार को सर्वजनिक नहीं करता है। वावजूद इसके पश्चिमी विशेषज्ञों ने हाल के सालों में इसमें तेजी से बढ़ोतरी देखी। अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा संगठन (सिपरी) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, इस साल जनवरी तक चीन के पास 620 परमाणु हथियार (वॉरहेड) मौजूद थे, यह संख्या पिछले साल 600 थी।

इसी रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि चीन ने साल 2023 से लेकर 2024 तक अपने भंडार में 90 वॉरहेड जोड़े थे जो 2024 से 2025 में बढ़कर 100 हो गए।

अमेरिकी रक्षा विभाग की एक खुफिया रिपोर्ट के अनुसार ऐसा माना जा रहा है कि साल 2030 तक चीन 1000 परमाणु हथियार बना सकता है। इसी के साथ साल 2022 एक रिपोर्ट कहती है कि साल 2035 तक यह संख्या 1500 तक भी पहुंच सकती है। हालांकि 2024 की रिपोर्ट में इस अनुमान का जिक्र नहीं है।

सिपरी के आंकड़ें यह भी बताते हैं कि अगर चीन 2030 तक 1000 वॉरहेड के करीब पहुंच भी जाता है फिर भी वह अमेरिका और रूस के परमाणु हथियार भंडार का एक चौथाई ही होगा। चुनी शुरू से ही नो फर्स्ट यूज पर अमल करता आया है। इसका मतलब है कि किसी भी कीमत पर पहला हमला नहीं किया जाएगा। चीन का कहना है कि उसके परमाणु हथियार केवल आत्मरक्षा के लिए हैं।

साथ ही वह दूसरे देशों से भी नो फर्स्ट यूज पर अमल करने को कहता रहा है। चीन इन आरोपों को भी लगातार खारिज करता आया है जिसमे कहा गया है कि वह अपने परमाणु भंडार को तेजी से बढ़ा रहा है। चीनी ने हाल के वर्षों में कई बार अपनी परमाणु क्षमता का खुलकर प्रदर्शन किया है। साल 2024 में एक बिना हथियार वाली अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल प्रशांत महासागर में दागी गई। इसने मिसाइल ने 12000 किमी की दूरी तय की।

वेनेजुएला में भूकंप से मरने वालों की संख्या 1700 के पार, हजारों लोग अब भी लापता

कराकास, (वार्ता)। वेनेजुएला के तटीय क्षेत्र में पिछले सप्ताह आये रिक्टर पैमाने पर 7.2 और 7.5 तीव्रता के दो विनाशकारी भूकंपों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1700 से अधिक हो गयी है। अधिकारियों ने सोमवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। राष्ट्रीय संसद के अध्यक्ष जॉर्ज रोड्रिगेज ने बताया कि भूकंप में अब तक 5,034 लोग घायल हुए हैं, जबकि 15,866 लोग विस्थापित हैं। इसके अलावा 22,619 लोगों का विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों में उपचार चल रहा है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार अब भी लगभग 68,000 लोग लापता हो सकते हैं, जिसे लेकर सबसे अधिक चिंता जताई जा रही है। ला गुआइरा प्रांत में सबसे अधिक जनहानि और तबाही हुई है। इसके बाद सरकार ने पूरे क्षेत्र को आपदा प्रभावित घोषित कर वहां सेना की तैनाती कर दी है। भूकंप के पांच दिन बाद भी खोज एवं बचाव अभियान जारी है। भारी मशीनरी के साथ अंतरराष्ट्रीय बचाव दल भी राहत कार्य में जुटे हैं।

दो देशों के पांच शहरों से होकर गुजरेगा खामेनेई का जनाजा, छठे दिन पैतृक शहर में होंगे सुपर्द-ए-खाक

तेहरान, (वार्ता)

ईरान इतिहास के सबसे बड़े राजकीय जनाजे की तैयारी कर रहा है। शनिवार से शुरू होने वाले छह दिवसीय अंतिम संस्कार कार्यक्रम ईरान और इराक के पाँच शहरों में आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के दौरान 28 फ़रवरी को युद्ध की शुरुआत में अमेरिका-इजरायल के हमलों में मारे गए ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली ख़ामेनेई को उनकी मृत्यु के लगभग चार महीने बाद सुपुर्द-ए-ख़ाक किया जाएगा। इस्लामिक गणराज्य के प्रशासन ने यह जानकारी दी है। श्री खामेनेई ने 37 वर्षों तक ईरान के सर्वोच्च धार्मिक नेता (अयातुल्ला) के रूप में सेवा दी। वर्ष 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद इस्लामी गणराज्य की स्थापना के पश्चात इस पद पर सबसे लंबे समय तक रहने वाले नेताओं में वह दूसरे स्थान पर रहे।

वर्ष 1939 में मशहद में जन्मे श्री खामेनेई 1981-1989 के बीच ईरान के राष्ट्रपति रहे। उनके पूर्ववर्ती

आयतुल्ला रूहुल्ला खोमेनेई के निधन के बाद उन्हें ईरान का सर्वोच्च नेता चुना गया। श्री खामेनेई का शव 28 फरवरी को शुरू हुए युद्ध के बाद से आखिरी सफर के इंतजार में है। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच चल रहे युद्ध के कारण उनका जनाज़ा नहीं उठाया जा सका था।

ईरान के अनुसार, अमेरिका के साथ हुए युद्धविराम के तहत उनके जनाजे के लिए यह समय चुना गया है ताकि बिना किसी बाधा के उनके पार्थिव शरीर को सपुर्द-ए-खाक किया जा सके। तेहरान इस बात को लेकर सतर्क है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय की मौजूदगी और निगाहों के बीच यह राजकीय समारोह बिना किसी व्यवधान के संपन्न हो। अंतिम संस्कार से जुड़े समारोह शनिवार और रविवार को तेहरान स्थित मोसल्ला नमाज़ परिसर में शुरू होंगे, जो बड़े पैमाने पर आयोजित होने वाले राजकीय धार्मिक आयोजनों का प्रमुख स्थल है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची पहले ही इराक जाकर दोनों शहरों के गवर्नरों से मिलकर तैयारियों का जायज़ा ले चुके हैं। अंततः, श्री खामेनेई के पार्थिव शव को छठे दिन नौ जुलाई को उनके पैतृक शहर मशहद में दफनाया जायेगा।

धर्म का राजनीतिकरण और राजनीति का अंध धर्मीकरण न हो : मायावती

लखनऊ, (वार्ता)

अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित चोरी, गबन और हेराफेरी को लेकर उठे विवाद पर बहुजन समाज पार्टी (बसपा) अध्यक्ष मायावती ने चिंता जताते हुये कहा कि यदि मीडिया में सामने आ रही शिकायतें सही हैं तो यह अति-गंभीर और चिंताजनक मामला है तथा दोषियों के खिलाफ निष्पक्ष और सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही उन्होंने इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से भी बचने की सलाह दी।

सुश्री मायावती ने मंगलवार सुबह सोशल मीडिया पर जारी अपने बयान में कहा कि अयोध्या के श्रीराम मंदिर में श्रद्धालुओं के चढ़ावे में चोरी, गबन और हेराफेरी की खबरें आना बेहद गंभीर है। इस मामले में जो भी दोषी हों, उन्हें किसी भी हालत में बख्शा नहीं

जाना चाहिए। भविष्य में श्रद्धालुओं के चढ़ावे को लेकर किसी भी प्रकार की शिकायत न हो, इसके लिए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट को देश के अन्य प्रमुख मंदिरों में लागू पारदर्शी लेखा-जोखा और प्रबंधन व्यवस्था का अध्ययन कर उसे अपनाना चाहिए। इससे न केवल वर्तमान विवाद का समाधान होगा बल्कि श्रद्धालुओं का विश्वास भी और मजबूत होगा।

उन्होने कहा, राजनीति का अपराधीकरण, अपराध का राजनीतिकरण, धर्म का राजनीतिकरण और राजनीति का अंध धर्मीकरण लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए उचित नहीं है। उन्होंने राजनीतिक दलों और देशवासियों से अपील की कि इस मामले को कानून और संविधान के दायरे में रहकर देखा जाए तथा जनहित को सर्वोपरि रखा जाए।

गौरतलब है कि हाल के दिनों में अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे के प्रबंधन और कथित वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विवाद सामने आया है। इन आरोपों के बाद ट्रस्ट की कार्यप्रणाली और पारदर्शिता पर सवाल उठे हैं।

इसी क्रम में मायावती ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग करते हुए यह भी कहा कि पूरे मामले को राजनीतिक विवाद बनाने के बजाय निष्पक्ष जांच और पारदर्शी व्यवस्था पर जोर दिया जाना चाहिए।

अमरनाथ यात्राः जम्मू के तवी रिवरफ्रंट सेंटर में टोकन वितरण के पहले दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भारी भीड़

जम्मू, (वार्ता)। जम्मू कश्मीर में सालाना श्री अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले, हज़ारों श्रद्धालु तवी रिवरफ्रंट सेंटर पर टोकन वितरण के पहले दिन जमा हुए। यह सेंटर भगवती नगर स्थित यात्री निवास से कुछ ही मीटर की दूरी पर है। सालाना श्री अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी, जबकि पहला जत्था 2 जुलाई को यहीं से रवाना किया जाएगा। जम्मू के उपायुक्त राकेश मिन्हास ने जम्मू के सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस जोगिंदर सिंह और अन्य अधिकारियों के साथ मिलकर केन्द्र पर टोकन वितरण की प्रक्रिया की देखरेख की। श्री मिन्हास ने कहा, टोकन बांटने के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। आज का कोटा सफलतापूर्वक बांट दिया गया है। उन्होंने कहा कि यात्रियों का रजिस्ट्रेशन कल से शुरू होगा।

भाजपा अपने काम के दम पर चुनाव लड़ेगी कांग्रेस की नाकामियों पर नहीं: नितिन नबीन

हैदराबाद, (वार्ता)

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने मंगलवार को कहा कि पार्टी भविष्य के चुनाव कांग्रेस की नाकामियों के बजाय अपने खुद के काम के दम पर लड़ेगी। साथ ही, उन्होंने तेलंगाना में पार्टी कार्यकर्ताओं से 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य हासिल करने के लिए अपनी कोशिशें तेज करने का आह्वान किया।

घाटकेसर में तेलंगाना राज्य पार्टी कार्यकारिणी की बैठक को संबोधित करते हुए श्री नबीन ने कहा कि 1984 में लोकसभा की सिर्फ़ दो सीटें जीतने से लेकर दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनने तक का भाजपा का सफ़र उसके बूथ-स्तर के कार्यकर्ताओं की अथक मेहनत को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के आदर्शों से प्रेरित यह पार्टी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक विकसित भारत बनाने के लिए काम कर रही है। यह दावा करते हुए कि पिछले 12 सालों में भाजपा सरकार ने विकास का फ़ायदा समाज के आख़िरी व्यक्ति तक पहुँचाना सुनिश्चित किया है, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि इस दौरान किसी भी केंद्रीय मंत्री पर भ्रष्टाचार का कोई आरोप नहीं लगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा अब 22 राज्यों में सत्ता में है और पश्चिम बंगाल सहित चुनावी सफलता का श्रेय पार्टी की विचारधारा, नेतृत्व और समर्पित कार्यकर्ताओं को दिया।

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए नवीन ने आरोप लगाया कि उसकी छह गारंटियों में से एक भी पूरी नहीं हुई है और सरकार पर राज्य को कांग्रेस पार्टी के लिए एटीएम में बदलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बेरोज़गारी भत्ता और महिलाओं को आर्थिक सहायता जैसे वादे पूरे नहीं हुए हैं और सरकार को हटाने की मांग की।

उन्होंने कांग्रेस, ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) और भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पर धर्म-आधारित आरक्षण का समर्थन करने का आरोप भी लगाया। साथ ही, उन्होंने दोहराया कि भाजपा ऐसी नीति का विरोध करती है और तेलंगाना में सत्ता में आने पर इसे खत्म कर देगी।

कांग्रेस-मुक्त तेलंगाना का आह्वान करते हुए, नवीन ने पार्टी कार्यकर्ताओं से भाजपा के मार्गदर्शक सिद्धांत - राष्ट्र पहले, पार्टी उसके बाद, और स्वयं सबसे अंत में - का पालन करने और संगठन को मजबूत करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करने का आग्रह किया।

किसी भी हद तक गिरने को तैयार है भाजपा सरकारः रीना राय

लखनऊ/अयोध्या, (वार्ता)। अयोध्या के श्रीराम मंदिर में चढ़ावे की कथित अनियमितताओं का मुद्दा उठाने वाले उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की पत्नी रीना राय ने आरोप लगाया कि सरकार उनके पति की आवाज दबाने के लिए किसी भी हद तक गिरने को तैयार है जबकि प्रशासन उनके सहयोगियों को गुमराह करने का प्रयास कर रहा है। रीना राय ने जारी बयान में कहा कि पुलिस द्वारा अजय राय को जीप में ले जाने के बाद उनके सहयोगियों को अलग-अलग जानकारियां देकर भटकाया जा रहा है। उनके अनुसार, प्रशासन की ओर से भ्रम की स्थिति पैदा कर दबाव बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने कहा कि श्रीराम मंदिर के चढ़ावे में कथित गड़बड़ी का मुद्दा उठाने की लड़ाई जारी रहेगी और इस मामले को दबाया नहीं जा सकता। रीना राय ने आरोप लगाया कि उनके पति भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

125 करोड़ की फिल्म वेलकम टू द जंगल में अक्षय कुमार ने नहीं ली फीस

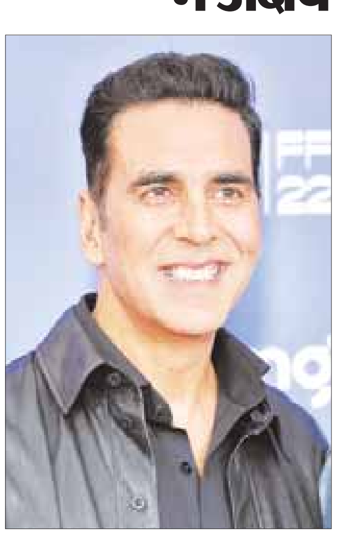

निर्देशक अहमद खान की फिल्म वेलकम टू द जंगल अपने भव्य बजट, बड़ी स्टार कास्ट और अक्षय कुमार के अनोखे पारिश्रमिक मॉडल को लेकर चर्चा में है। ट्रेड अनुमानों के अनुसार फिल्म का कुल बजट करीब 125 करोड़ रुपये है। फिल्म के बजट का सबसे बड़ा हिस्सा शूटिंग पर खर्च किया गया। अकेले प्रोडक्शन कॉस्ट लगभग 60 करोड़ रुपये रही। विशाल स्टार कास्ट और एक्शन सीक्वेंस को देखते हुए यह बजट भव्यता और संतुलित खर्च का उदाहरण माना जा रहा है। फिल्म की सबसे खास बात यह है कि अक्षय कुमार ने इस बार अपनी अभिनय फीस नहीं ली। इसके बजाय उन्होंने निर्माता के साथ मुनाफे में हिस्सेदारी (प्रॉफिट-शेयरिंग) के आधार पर काम करने का फैसला किया। इस व्यवस्था के तहत निर्माता अपनी लागत निकालने के बाद जो मुनाफा कमाएंगे, उसमें से अक्षय कुमार को उनका हिस्सा मिलेगा। फिल्म की पूरी स्टार कास्ट पर लगभग 35 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जो इतनी बड़ी कलाकारों की टीम वाली फिल्म के हिसाब से अपेक्षाकृत कम माना जा रहा है। इसकी प्रमुख वजह अक्षय कुमार द्वारा अपनी फीस छोड़ना रही। वहीं, निर्देशक और तकनीकी टीम की फीस पर लगभग 15 करोड़ रुपये तथा प्रिंट और प्रचार-प्रसार पर भी करीब 15 करोड़ रुपये खर्च किए गए। इस तरह फिल्म की कुल निर्माण लागत 125 करोड़ रुपये तक पहुंची। अहमद खान के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी, दिशा पाटनी, जैकलीन फर्नांडिस, अरशद वारसी, जैकी श्रॉफ, परेश रावल, रवीना टंडन, लारा दत्ता, फरीदा जलाल, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, तुषार कपूर, राजपाल यादव, कृष्णा अभिषेक, कीकू शारदा, दलेर मेहंदी, आफताब शिवदासानी, मुकेश तिवारी, यशपाल शर्मा, किरण कुमार, जाकिर हुसैन, विंदू दारा सिंह, उर्वशी रौतेला, हेमंत पांडे, बृजेंद्र काला, फिरोज खान (अर्जुन), स्वर्गीय पंकज धीर, पुनीत इस्सर, सुदेश बेरी, जीतू वर्मा, वृहि कोडवारा, आदित्य सिंह और भाग्य भानुशाली प्रमुख भूमिकाओं में हैं। वेलकम टू द जंगल को ए.ए. नाडियाडवाला, केप ऑफ गुड फिल्म्स और स्टार स्टूडियोज ने सीता फिल्म्स तथा राकेश डांग के सहयोग से प्रस्तुत किया है। यह बेस इंडस्ट्रीज़ ग्रुप का निर्माण है। फिल्म के निर्माता राकेश डांग, वेदांत विकास बाली और फिरोज ए. नाडियाडवाला हैं।

प्रीतम एंड पेड्रो में वीर हिरानी के डेब्यू से भावुक हुए अरशद वारसी

फिल्म अभिनेता अरशद वारसी ने अपकमिंग वेब सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो से अभिनय की शुरुआत कर रहे वीर हिरानी की जमकर तारीफ की है।अरशद वारसी ने कहा कि वीर न केवल एक प्रतिभाशाली कलाकार हैं, बल्कि एक बेहद अच्छे इंसान भी हैं और उनके अंदर सफल अभिनेता बनने के सभी गुण मौजूद हैं। अरशद वारसी ने कहा कि उन्होंने वीर को बचपन से बड़ा होते देखा है और अब उनके साथ स्क्रीन साझा करना उनके लिए बेहद भावुक और खास अनुभव है। उन्होंने कहा, वीर जैसा इंसान है, उसकी वजह से लोग उसे बार-बार अपनी फिल्मों में लेना चाहेंगे। वह बिना किसी नखरे वाला और मेहनती कलाकार है। जब भी उसे मेरी जरूरत होगी, मैं हमेशा उसके साथ खड़ा रहूंगा। अरशद ने कहा कि वीर की सफलता की वह दिल से कामना करते हैं। अरशद ने कहा, मैं बहुत खुश हूं कि उसका पहला बड़ा प्रोजेक्ट मेरे साथ है। वीर मेरे लिए बेटे जैसा है। बचपन में वह मेरे साथ फोटो खिंचवाने आया था और आज हम साथ काम कर रहे हैं। यह मेरे लिए बेहद खूबसूरत एहसास है। अरशद ने वीर की परवरिश और स्वभाव की भी सराहना करते हुए कहा कि वह सभी की बात सुनने वाला और कड़ी मेहनत करने वाला कलाकार है। उन्होंने कहा कि पहली ही परियोजना में वीर ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है और आने वाले समय में वह लगातार बेहतर अभिनेता बनकर उभरेंगे। उल्लेखनीय है कि प्रीतम एंड पेड्रो से राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अभिनय की दुनिया में कदम रख रहे हैं। इस सीरीज में अरशद वारसी और विक्रांत मैसी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका निर्देशन अविनाश अरुण ने किया है, जबकि राजकुमार हिरानी इसके क्रिएटर और निर्माता हैं। सीरीज का प्रीमियर तीन जुलाई को जियोहॉटस्टार पर होगा।

हस्तिनापुर के वीर बच्चों में संस्कार और चरित्र निर्माण का संदेश देगा : मनीष वाधवा

सोनी सब के पौराणिक धारावाहिक हस्तिनापुर के वीर में भीष्म पितामह की भूमिका निभा रहे अभिनेता मनीष वाधवा का कहना है कि यह धारावाहिक बच्चों में संस्कार और चरित्र निर्माण का संदेश देगा। मनीष वाधवा ने कहा कि भीष्म पितामह का किरदार निभाना उनके लिए सम्मान की बात है। उन्होंने बताया कि इस भूमिका को निभाने के लिए उन्होंने वर्षों से पढ़ी, सुनी और सीखी बातों के साथ अपने अनुभवों का भी सहारा लिया, जिससे किरदार की गरिमा, बुद्धिमत्ता और कर्तव्यनिष्ठा को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया जा सके। उन्होंने कहा कि हस्तिनापुर के वीर में दर्शकों को भीष्म पितामह का एक संवेदनशील और स्नेहपूर्ण रूप देखने को मिलेगा, जो पांडवों और कौरवों दोनों के मार्गदर्शक और संरक्षक हैं। यह धारावाहिक उनके व्यक्तित्व के उस पक्ष को भी सामने लाता है, जिसमें वे बच्चों के साथ-साथ उनके अभिभावकों के लिए भी प्रेरणास्रोत हैं।

युवा कलाकारों के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए मनीष वाधवा ने कहा कि सभी बाल कलाकार प्रतिभाशाली और उत्साही हैं। उन्होंने कहा कि वह समय-समय पर उन्हें अभिनय के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का महत्व भी बताते हैं। मनीष वाधवा का मानना है कि यह धारावाहिक केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि जीवन मूल्यों और पारिवारिक संस्कारों का संदेश देने वाला शो है। उन्होंने कहा कि बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में माता-पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है और यही संदेश हस्तिनापुर के वीर के माध्यम से दर्शकों तक पहुंचाया जाएगा। हस्तिनापुर के वीर का प्रसारण सोनी सब पर सोमवार से शनिवार रात नौ बजे किया जाता है।

आरएलआई विंध्याचल में सीआईआईईएफक्यूएम असेसर्स प्रशिक्षण का शुभारंभ

सिंगरौली। आरएलआई विंध्याचल में 29 जून 2026 से तीन दिवसीय सीआईआई ईएफक्यूएम असेसर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस प्रमाणन कार्यक्रम में विंध्याचल, सिंगरौली एवं रिहंद से आए प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षित असेसर्स का एक सशक्त समूह तैयार करना है, जो अपने-अपने कार्यक्षेत्र में ईएफक्यूएम एक्सीलेंस मॉडल के प्रभावी उपयोग के माध्यम से संगठनात्मक उत्कृष्टता को आगे बढ़ा सके।

कार्यक्रम का उद्घाटन श्री किशोर कुमार होता, कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) ने श्री ए. जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री मणिक्यान सुरेश, महाप्रबंधक (अनुरक्षण एवं एडीएम), श्री देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (तकनीकी सेवाएँ एवं परियोजना), श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख (विंध्याचल), सीआईआई के विशिष्ट संकाय सदस्य श्री विजय कृष्णन एवं श्री अंकित रस्तोगी तथा विंध्याचल, सिंगरौली और रिहंद से आए प्रतिभागियों की गरिमामयी उपस्थिति में किया गया।

अपने उद्घाटन संबोधन में श्री किशोर कुमार होता ने कहा कि आज संगठनात्मक उत्कृष्टता का आकलन केवल लक्ष्यों की प्राप्ति से नहीं, बल्कि संगठन की लचीलापन, चुस्ती और निरंतर सुधार की संस्कृति विकसित करने की क्षमता से किया जाता है। उन्होंने ईएफक्यूएम एक्सीलेंस मॉडल को वैश्विक स्तर पर मान्यता प्राप्त एवं बहुआयामी बिजनेस एक्सीलेंस फ्रेमवर्क बताते हुए विभिन्न उद्योगों में इसकी उपयोगिता पर प्रकाश डाला। साथ ही, उन्होंने प्रमाणित असेसर्स तैयार करने की दिशा में एनटीपीसी के निरंतर प्रयासों की सराहना की। श्री ए. जे. राजकुमार ने कहा कि उत्कृष्टता एक सतत यात्रा है, जो जागरूकता, निरंतर सीखने और समय पर प्राप्त सही सुझावों से आगे बढ़ती है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण के दौरान सक्रिय सहभागिता के माध्यम से ईएफक्यूएम मॉडल की गहन समझ विकसित करने के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए, डॉ. देबस्मिता त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (आरएलआई) ने कहा कि ईएफक्यूएम केवल एक फ्रेमवर्क नहीं, बल्कि एक ऐसी सोच है जो संगठनों को अपनी ताकत पहचानने, सुधार के क्षेत्रों को चिन्हित करने तथा नवाचार और निरंतर सीखने के माध्यम से स्थायी उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता करती है। उद्घाटन सत्र के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा विभिन्न विषयों पर सार्थक और संवादात्मक चर्चा हुई। कार्यक्रम ने आगामी प्रशिक्षण सत्रों के लिए सकारात्मक वातावरण तैयार करते हुए संगठन में उत्कृष्टता एवं निरंतर सुधार की संस्कृति को और मजबूत करने के प्रति एनटीपीसी की प्रतिबद्धता को पुनः रेखांकित किया।

कई लोगों ने मिलकर की जमकर मारपीट, घायल को ग्राउंड में फेंका, एसपी से न्याय की मांग

नरसिंहपुर।स्वतंत्रमत। ग्राम कुम्हडी थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर निवासी धीरेन्द्र पटैल पिता प्रताप पटैल ने पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर बताया कि उसके चाचा के साथ मारपीट की गई किंतु कोतवाली पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं की गई। पुलिस अधीक्षक से पीड़ित परिवार ने न्याय की है। लिखित शिकायत में धीरेंद्र पटेल ने बताया कि पुलिस थाना कोतवाली जिला नरसिंहपुर में पुलिस ने आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद के साथ हुई मारपीट में हेमराज केवट, बैनी केवट, दर्शन केवट के बिरूद्ध अपराध क्रमांक 477/2026 का अपराध अपने मन से कहानी गढ़ते हुये लेख किया है जबकि घटना की रिपोर्ट आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद द्वारा कहे अनुसार लेख नही की गई है उक्त घटना मे भैरो प्रसाद के साथ की गई मारपीट करने वालो को बचाया जा रहा है आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद ने थाना कोतवाली नरसिंहपुर में घटना की जब रिपोर्ट की थी उस समय दीपक पटैल, संदीप पटैल, गजराज पटैल, नरेश पटैल, नेतराज पटैल, चेतराम पटैल, देवी सिंह पटैल, नंदलाल पटैल आवेदक स्वयं उपस्थित थे जिनके सामने थाने में आवेदक के चाचा भैरो प्रसाद ने पुलिस को बताया था अमन सिंह केवट के धुबघट हार मे बने मकान पर शाम को बकरा खाने के निमंत्रण पर गये थे तो वहा पर उन्हे बुद्ध राम केवट भी मिले थे भैरो प्रसाद से बुद्ध राम केवट यह कहते हुये अपने घर चले गये कि घर पर बैठकर हिसाब कर लेगे जब करीब 1 घन्टा बाद भैरो प्रसाद करीब 9 बजे रात्रि मे अपने घर जाने के लिये अपने खेत (नांदवारे खेत) से घर जा रहे थे तो बुद्ध राम केवट, हेमराज केवट सरपंच, बेनी केवट, दर्शन केवट, अर्जुन केवट, रज्जू पटैल सभी लोग आये आवेदक का रास्ता रोककर गाली देकर बोले कि लोगो के सामने पैसा मांगता है बेज्जती करता है बडा पैसा वाला हो गया तो भैरोप्रसाद ने उन्हे गाली देने से मना किया , इस पर हेमराज केवट ने भैरोप्रसाद जान से मारने की नियत से देशी कट्टा से गोली चलाई तो वे भागे और भागने से गिर पडे तो सभी लोगो ने उन्हे उठाया उनका मोबाईल छुडाया सोने की चेन छुडा ली और पकडकर भैरो प्रसाद को नर्सरी टोला बुद्ध राम के घर पर ले गये और घर मे अंदर कर उनके साथ बुद्ध राम, हेमराज, बेनी केवट, दर्शन केवट, अर्जुन केवट, रज्जू पटैल ने लाठी, राड से मारपीट की जिससे उन्हे सिर मे हाथ, पैर, पीठ, जांघो मे व शरीर के अन्य जगह कई चोटे आई है उक्त लोगो ने मारपीट कर उन्हे स्कूल के ग्राउंड मे फेक दिया था पुलिस भैरो प्रसाद को थाने लेकर आई और पुलिस ने रिपोर्ट नही लिखी। पीड़ित परिवार के धीरेन्द्र पटैल पिता प्रताप पटैल ने आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

आपके ही हाथ नाथ राम की बड़ाई है....

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। पूजा पाठ उपासना सत्संग और कथा सुनना ये प्रथम पायदान पक्ष हैं।इनका दूसरा पक्ष है यह कि इन सबको चरित्र में उतारकर इनके अनुसार ईमानदारी से जीवन का निर्वहन करना।जैसे हमने कथा में सुना कि मां बाप की सेवा करें पर क्या हमने सेवा की।जिस दिन सेवा करना आ गया समझो आप परमात्मा से जुड़ गये ठीक वैसे ही जैसे हनुमान जी महाराज प्रभु राम से जुड़े हैं।सत्य और धर्म का पालन करते हुए अपने दायित्वों का भलीभांति निर्वहन ही भगवान की भक्ति है।उक्ताशय के विचार सुप्रसिद्ध साहित्यकार अखिल भारतीय कवि गुरु प्रसाद सक्सेनासाड़ नरसिंहपुरीने मनोकामनेश्वर हनुमान मंदिर नरसिंहपुर में आयोजित सत्संग सभा में व्यक्त किये।कविवर सक्सेना जी ने हनुमान जी महाराज के अनेक रोचक प्रसंग सुनाये। काव्यपाठ के क्रम में गुरुवर सक्सेना ने हास्य विनोद सहित कविता का आध्यात्मिक पक्ष रखते हुए श्री राम जानकी कंगन छुड़ाई प्रसंग पर शानदार अविस्मरणीय काव्यपाठ कर सभी को भावविभोर यूं किया...बड़ा बलवान बीर बना नहीं देगा तुम्हें,मारीच सुबाहु का घमंड घट फोड़ना,वीरता दिखाने की तो आज घड़ी आई राम,मुश्किल है जानकी के कंगन को छोड़ना।कंगन खोलने रामजी ने शिवजी का स्मरण यूं किया.. शिवजी का धर ध्यान मन में यूं बोले राम,आपके ही हाथ नाथ राम की बड़ाई है।काव्यपाठ के इस क्रम में ओजस्वी कवि अशोक त्रिपाठी ने भी अपना गरिमामयी काव्य पाठ यूं किया..मजा आता है जब सत्संग की जमात होती है,।

एनटीपीसी विंध्याचल में ओपन हाउस बैठक का आयोजन, कर्मचारियों ने रखे सुझाव

सिंगरौली। एनटीपीसी विंध्याचल में 30 जून 2026 को प्रशासनिक भवन के सभागार में ओपन हाउस बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक का उद्देश्य कर्मचारियों को वरिष्ठ प्रबंधन के साथ सीधे संवाद का अवसर प्रदान करना तथा कार्यस्थल एवं टाउनशिप से जुड़े विषयों पर खुलकर विचार-विमर्श करना था। बैठक की अध्यक्षता कार्यकारी निदेशक (विंध्याचल) श्री किशोर कुमार होता ने की। इस अवसर पर श्री ए.जे. राजकुमार, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण), श्री एम. सुरेश, महाप्रबंधक (अनुरक्षण एवं एडीएम), श्री एस.के. सिन्हा, महाप्रबंधक (प्रचालन एवं एफएम), डॉ. बी.के. भराली, महाप्रबंधक (चिकित्सा), श्री देबब्रत त्रिपाठी, महाप्रबंधक (टीएस एवं परियोजना) तथा श्रीमती रूमा दे शर्मा, मानव संसाधन प्रमुख, विंध्याचल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विभिन्न विभागाध्यक्षों, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों तथा बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया।कार्यक्रम की शुरुआत श्री प्रणव वर्मा, अपर महाप्रबंधक (मानव संसाधन) द्वारा प्रस्तुतीकरण से हुई, जिसमें एनटीपीसी के नवीनतम संगठनात्मक विकास, नीतिगत परिवर्तनों तथा विंध्याचल परियोजना द्वारा प्राप्त विभिन्न पुरस्कारों एवं उपलब्धियों की जानकारी साझा की गई। इसके बाद कर्मचारियों ने कार्यस्थल की व्यवस्थाओं, टाउनशिप की सुविधाओं तथा अन्य प्रशासनिक विषयों से जुड़े अपने सुझाव, अनुभव और समस्याएं खुलकर वरिष्ठ प्रबंधन के समक्ष रखीं। प्रबंधन ने कर्मचारियों के सुझावों की सराहना करते हुए आश्वासन दिया कि सभी सुझावों का व्यवहारिकता के आधार पर परीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही की जाएगी। इस अवसर पर कार्यकारी निदेशक श्री किशोर कुमार होता ने कहा कि ओपन हाउस बैठक कर्मचारियों और प्रबंधन के बीच विश्वास, पारदर्शिता एवं सहभागिता को मजबूत बनाने का प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने सभी कर्मचारियों से इसी प्रकार सकारात्मक सुझाव देकर संगठन की प्रगति में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। यह आयोजन एनटीपीसी विंध्याचल की पारदर्शी संवाद व्यवस्था, सहभागी प्रबंधन तथा कर्मचारी-केंद्रित कार्यसंस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

एमएमडीआर अधिनियम के संशोधित प्रावधानों पर एनसीएल में हो रहा दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

सिंगरौली। नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) के सीईटीआई में मंगलवार से खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (एमएमडीआर अधिनियम) के संशोधित प्रावधानों पर केंद्रित दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। यह प्रशिक्षण 30 जून एवं 1 जुलाई 2026 को आयोजित किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य एमएमडीआर अधिनियम की धारा 22, 23(ख) एवं 24 में किए गए हालिया संशोधनों के संबंध में एनसीएल के अधिकारियों को विस्तृत जानकारी प्रदान करना तथा अवैध खनन एवं कोयला चोरी जैसी गतिविधियों के विरुद्ध प्रभावी एवं विधिसम्मत कार्रवाई के लिए उन्हें सक्षम बनाना है। कार्यक्रम के दौरान विवेक शुक्ला (सेवानिवृत्त आईपीएस), वरिष्ठ सलाहकार (सुरक्षा), बीसीसीएल द्वारा खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 (एमएमडीआर अधिनियम) में विधिक परिवर्तन से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर ज्ञानवर्धक प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है ।

उन्होंने संशोधित कानूनी प्रावधानों, अधिकृत अधिकारियों की शक्तियों एवं दायित्वों, साक्ष्य संकलन, तलाशी एवं जांच की प्रक्रिया तथा न्यायालय में परिवाद दायर करने से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से जानकारी दी।

इस दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के पहले दिन एनसीएल की अमलोरी, बीना, ब्लॉक -बी, सीडब्लूएस, दुधिचूआ व जयंत परियोजनाओं के क्षेत्रीय महाप्रबंधकगण , परियोजना अधिकारीगण , खान प्रबंधक, एरिया मैनेजर (मानव संसाधन), एरिया नोडल अधिकारियों (सुरक्षा) सहित अन्य संबंधित अधिकारियों ने सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार द्वारा एमएमडीआर अधिनियम की धारा 22, 23(ख) एवं 24 में किए गए संशोधनों के उपरांत एनसीएल के अधिकृत अधिकारियों तथा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ़) के अधिकारियों को अवैध खनन एवं उससे संबंधित मामलों में व्यापक वैधानिक अधिकार प्रदान किए गए हैं। इन संशोधनों से अधिकृत अधिकारी साक्ष्य संकलित कर सक्षम न्यायालय में सीधे परिवाद प्रस्तुत करने सहित अधिनियम के अंतर्गत प्रदत्त अन्य शक्तियों का प्रभावी ढंग से प्रयोग कर सकेंगे। यह विधिक सुधार एनसीएल के खनन क्षेत्रों में अवैध गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

जून माह के अंत में मुख्यालय सहित एनसीएल से 66 कर्मी हुए सेवानिवृत्त

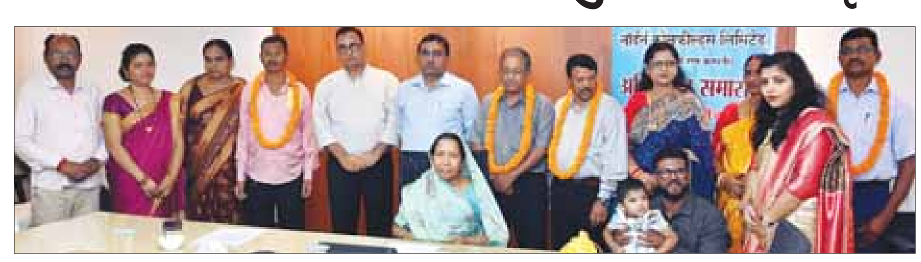

सिंगरौली। कोल इंडिया की अग्रणी अनुषंगी कंपनी नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एनसीएल) में जून माह के अंत में मुख्यालय के 5 कर्मियों सहित कुल 66 कर्मी अधिवर्षिता आयु पूर्ण करने पर सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर एनसीएल मुख्यालय में आयोजित सम्मान समारोह में सेवानिवृत्त कर्मियों को भावभीनी विदाई देते हुए उनके दीर्घकालीन योगदान के लिए सम्मानित किया गया।मुख्यालय से सेवानिवृत्त होने वाले कर्मियों में शशि शेखर प्रसाद सिंह, मुख्य प्रबंधक (उत्खनन), हुकुम सिंह अहरवार, वरीय प्रबंधक (सचिवीय-राजभाषा), नागेंद्र प्रसाद, सहायक पर्यवेक्षक (परिवहन), सतर्कता विभाग, जी. मलेशू, पम्प ऑपरेटर, सिविल (टी.ए.) तथा कमला, सामान्य सहायक, केंद्रीय चिकित्सालय शामिल रहे।समारोह के दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों एवं उनके सहकर्मियों ने अपने अनुभव साझा किए। सेवानिवृत्त कर्मियों ने एनसीएल एवं कोल इंडिया परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए कहा कि एनसीएल में बिताया गया समय उनके जीवन की अमूल्य धरोहर रहेगा।

उन्होंने एनसीएल की निरंतर प्रगति एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की।निदेशक (कार्मिक) मनीष कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि सेवानिवृत्ति प्रत्येक कर्मचारी के सेवाकाल का स्वाभाविक पड़ाव है। उन्होंने कहा कि सभी सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने समर्पण, परिश्रम एवं कर्मनिष्ठा से कंपनी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि सेवानिवृत्त कर्मी एनसीएल के ब्रांड एम्बेसडर हैं और एनसीएल परिवार सदैव उनके साथ खड़ा रहेगा। उन्होंने सभी के स्वस्थ, सुखद एवं सक्रिय जीवन की कामना करते हुए उन्हें अपने रुचि एवं जीवन के नए लक्ष्यों को साकार करने के लिए प्रेरित किया।इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/संचालन) आशुतोष द्विवेदी ने अपने संबोधन में कहा कि अनुभवी कर्मियों का सेवानिवृत्त होना एक भावुक क्षण है। उन्होंने कहा कि एनसीएल आज जिस मुकाम पर पहुंची है, उसमें सेवानिवृत्त हो रहे कर्मियों का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है।

आदतन अपराधी से तेंदूखेड़ा क्षेत्र के लोग भयभीत, जिलाबदर की मांग

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। मंगलवार 30 जून को तेंदूखेड़ा के आसपास अनेक गांव के 200 से अधिक लोगों ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एक आदतन अपराधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। सभी ने पुलिस अधीक्षक से मांग की कि इस अपराधी को जिला बदल किया जाए।ग्रामीणों के साथ आए पूर्व विधायक भैयाराम पटैल, किसान नेता संतोष पटेल एवं किरार समाज के अध्यक्ष सहित अन्य लोगों ने पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर को ज्ञापन सौंपकर आरोपी विनीत विश्वकर्मा के विरुद्ध ज्ञापन देकर उसके पुराने अपराधों की जानकारी दी। साथ ही कहा कि तेंदूखेड़ा थाना द्वारा इसके खिलाफ कारगर कार्रवाई नहीं की जा रही। ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि संबंधित व्यक्ति आदतन अपराधी है तथा उसके विरुद्ध पूर्व से कई आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। आवेदन में यह भी उल्लेख किया गया है कि आरोपी पर नशे का सेवन, मारपीट, गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी तथा क्षेत्र में भय का माहौल बनाने जैसे आरोप हैं। ज्ञापन में बताया गया कि 24 जून 2026 को युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल पर लाठी से हमला किया गया, जिसमें उन्हें गंभीर चोटें आईं। किंतु थाना तेंदूखेड़ा द्वारा उचित कार्रवाई नहीं की गई।ज्ञापन में मांग की गई है कि पीड़ित परिवार को सुरक्षा उपलब्ध कराई जाए । ज्ञापन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक को बताया गया कि आरोपी विनित विश्वकर्मा आ. राधेश्याम विश्वकर्मा निवासी तेंदूखेड़ा जिला नरसिंहपुर निवासी है वह चरस गांजा अफीम का सेवन व विक्रय करता है और नगर में जुआ सट्टा जैसी गतिविधियों का संचालन भी कर रहा है जिस कारण से वह आय दिन किसी न किसी व्यक्ति से लड़ाई-झगड़ा करता रहता है जिससे समाज में डर का माहौल बना हुआ है एवं आरोपी के विरूद्ध कई प्रकरण न्यायालय में पंजीबद्ध है। आरोपी विनीत विश्वकर्मा द्वारा युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल आ. बलराम पटैल निवासी तेंदूखेड़ा के घर के सामने गालियां देकर युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल को जान से मारने की धमकी देने लगा और जब युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल के द्वारा शांतिपूर्वक कारण पूछा गया तो आरोपी अत्याधिक आक्रोशित होकर जान से मारने के उध्देश्य से युगलकिशोर पटैल उर्फ गोविंद पटैल के साथ डंडे से हमला किया ।

15 ट्रॉली रेत जप्त

नरसिंहपुर। जिले में खनिज रेत के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भण्डारण की रोकथाम के लिए संयुक्त टीम के द्वारा कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग की जिला स्तरीय टास्क फोर्स की बैठक में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा के निर्देशों के पालन में राजस्व, पुलिस एवं खनिज विभाग के संयुक्त दल द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में अभियान चलाकर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में मंगलवार 30 जून को राजस्व, खनिज एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा जांच के दौरान जिले के तेंदूखेड़ा तहसील के ग्राम कल्हेड़ी के शासकीय भूमि पर अवैध रूप से भंडारित 15 ट्रॉली अर्थात 45 घनमीटर खनिज रेत जप्त की गई। जप्त रेत को मौके पर ही ग्राम सरपंच की सुपुर्दगी में दिया गया।

दूधी डेम परियोजना से प्रभावित ग्रामीणों को उठी भूमि-मकान देने की मांग

दूधी डेम परियोजना से 15 आदिवासी गांव प्रभावित, विस्थापितों को भूमि, मकान, सुविधा मिले

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)।

भारत आदिवासी पार्टी ने पलोटन गंज में सांकेतिक धरना देकर दूधी नदी डेम परियोजना से प्रभावित होने वाले ग्रामीणों के लिए शासन से भूमि, मकान और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की है। जुलूस के साथ भारत आदिवासी पार्टी ने तहसील कार्यालय पहुँचकर मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को सौपा । ज्ञापन में बताया गया कि शासन द्वारा जिला नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा और नर्मदापुरम् की सीमा से गुजरने वाली दूधी नदी पर डेम परियोजना प्रस्तावित है। इस परियोजना से तीनों जिलों के लगभग 15 आदिवासी गांव प्रभावित हो रहे हैं। पार्टी का कहना है कि प्रदेश में ऐसी अन्य कई परियोजनाओं में प्रभावित और विस्थापित ग्रामीणों को वर्षों तक उनके घरों और जमीनों से बेदखल रहना पड़ा है और वे शासकीय योजनाओं से वंचित रहे हैं। भारत आदिवासी पार्टी ने शासन से मांग की है कि प्रत्येक प्रभावित परिवार के 18 वर्ष से अधिक आयु के सदस्य को 2. एकड़ कृषि भूमि प्रदान की जाए। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक परिवार को मकान बनाने के लिए 3 लाख रूपये दिए जाएं। पार्टी ने यह भी मांग की कि विस्थापित होने के बाद प्रभावित गांम के लिए स्वतंत्र पंचायत का गठन किया जाए और उन्हें किसी अन्य ग्राम पंचायत से न जोड़ा जाए। पुनर्वास स्थल पर मिडिल स्कूल, आंगनवाड़ी, स्वास्थ्य केंद्र, नल-जल योजना, बिजली, सड़क और सुरक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएं पहले से उपलब्ध कराई जाएं। यह ज्ञापन भारत आदिवासी पार्टी के जिला अध्यक्ष (नरसिंहपुर) संजय भलावी, जिला अध्यक्ष (नर्मदापुरम्) और ब्लॉक अध्यक्ष (चीचली) संतोष इस्पाचे (गौड़) की ओर से दिया गया।

लापरवाही पर विभागीय अधिकारी रविशंकर पांडेय को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश

अहमद नगर में नल कनेक्शन के लिए लगेगा विशेष शिविर, राजस्व मामले एक सप्ताह में निपटाने के आदेश

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर पालिक निगम कटनी की निगमायुक्त तपस्या परिहार ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा (टीएल) बैठक में शासकीय योजनाओं और जनहित से जुड़े लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा की। निगमायुक्त ने स्पष्ट लहजे में कहा कि नागरिकों से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं का नियमित फॉलोअप करते हुए निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में सीएम हेल्पलाइन, महापौर जनसुनवाई, अमृत योजना, पेयजल आपूर्ति और प्रधानमंत्री आवास योजना की विभागवार समीक्षा की गई। इस दौरान उपायुक्त शैलेश गुप्ता, कार्यपालन यंत्री सुधीर मिश्रा, अंशुमान सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। ई-के.वाई.सी कार्य की समीक्षा के दौरान नॉन ई.के.वाई.सी प्रकरणों की संख्या बढ़ने का संतोषजनक

जवाब न दे पाने पर निगमायुक्त ने विभागीय अधिकारी रविशंकर पांडेय को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही समग्र आईडी ऑपरेटर द्वारा की गई कार्यवाहियों का ब्यौरा भी तलब किया है।

हर घर पहुंचे शुद्ध जल, अहमद नगर में लगेगा शिविर

जलप्रदाय शाखा को निर्देशित किया गया कि हर घर तक निर्बाध और शुद्ध पेयजल पहुंचे। पाइपलाइन लीकेज की मरम्मत और जल गुणवत्ता की निरंतर जांच की जाए। अहमद नगर के नागरिकों को नए नल कनेक्शन देने के लिए विशेष शिविर आयोजित कर आवश्यक राशि जमा कराने के निर्देश दिए गए हैं। भवन एवं निगम की दुकानों के लंबित नामांतरण प्रकरणों को एक सप्ताह में निराकृत कर ऑनलाइन दर्ज करने के निर्देश दिए गए। अवैध निर्माण व सुरक्षा: सभी उपयंत्रियों को रोजाना वार्डों का भ्रमण कर अवैध निर्माण, अनाधिकृत मैरिज गार्डन और कोचिंग सेंटरों में फायर सेफ्टी नियमों की जांच करने तथा जर्जर भवनों को ढहाने की कार्यवाही के निर्देश दिए। वर्षा ऋतु को देखते हुए शहर में कहीं भी नई खुदाई न करने तथा वर्तमान में जारी कार्यों का रेस्टोरेशन व पेंचवर्क जल्द पूरा करने को कहा गया है।

आवास आवंटन और ट्रांसपोर्ट नगर निविदा

आईएचएसडीपी योजना के तहत अब तक 40 अपात्र हितग्राहियों से आवास खाली कराए जा चुके हैं। निगमायुक्त ने शेष अपात्रों से भी जल्द मकान खाली कराकर पात्र हितग्राहियों को आवंटित करने के निर्देश दिए। वहीं, ट्रांसपोर्ट नगर के 147 भूखंडों के लिए कम निविदाएं प्राप्त होने पर पुन: निविदा जारी करने की बात कही। बैठक में संबल योजना, पीएम स्वनिधि, नाला सफाई और नदियों के सीमांकन कार्य में भी तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए गए।

जिले के 13 थाने हुए आईएसओ अवार्डेड

आईजी की मौजूदगी में एनकेजे थाने में हुआ सर्टिफिकेट वितरण

कटनी (स्वतंत्रमत)। जिले की पुलिस व्यवस्था के लिए रविवार का दिन गौरवपूर्ण रहा। जबलपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) प्रमोद कुमार वर्मा की मौजूदगी में कटनी जिले के 13 पुलिस थानों एवं तीन पुलिस कार्यालयों को आईएसओ सर्टिफिकेट प्रदान किए गए। एनकेजे थाना परिसर में आयोजित गरिमामय समारोह में थाना प्रभारियों को आईएसओ प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आईजी प्रमोद कुमार वर्मा ने आईएसओ अवार्ड प्राप्त एनकेजे थाने का फीता काटकर लोकार्पण किया। इसके बाद थाना परिसर में आयोजित समारोह में उन्होंने कहा कि आईएसओ प्रमाणन पुलिस कार्यप्रणाली में गुणवत्ता, पारदर्शिता और जनसंतुष्टि को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में आईजी प्रमोद कुमार वर्मा उपस्थित रहे। इस अवसर पर कलेक्टर आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा, वनमंडलाधिकारी गर्वित गंगवार, नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, एसडीएम प्रमोद कुमार चतुर्वेदी, नगर पुलिस अधीक्षक नेहा पच्चीसया, डीएसपी अजाक शिवा पाठक, एसडीओपी आकांक्षा चतुर्वेदी, एसडीओपी वीरेन्द्र धारवे एवं डीएसपी रत्नेश मिश्रा सहित अन्य

अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा आईजी प्रमोद कुमार वर्मा का पुष्पगुच्छ भेंटकर स्वागत करने के साथ हुई। मंचासीन अतिथियों का भी सम्मान किया गया। इस दौरान आईएसओ कंसल्टेंट योगेंद्र द्विवेदी ने आईएसओ प्रमाणन की प्रक्रिया एवं इसके महत्व की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में एक डॉक्यूमेंट्री फिल्म का प्रदर्शन किया गया तथा स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के सम्मान में छपरवाह पार्क में स्थापित होगी गरिमामयी प्रतिमा

कटनी (स्वतंत्रमत)

महान शिक्षाविद्, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके अतुलनीय योगदान को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शासन के निर्देशानुसार नगर पालिक निगम कटनी द्वारा महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। इसी क्रम में महापौर प्रीति संजीव सूरी ने निगम अधिकारियों को कटनी के छपरवाह पार्क में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नाम से नाम पटल स्थापित करने एवं पार्क परिसर में उनकी गरिमामयी प्रतिमा स्थापित किए जाने संबंधी कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं। महापौर ने कहा कि प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेशभर में

महापुरुषों के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने तथा उनके आदर्शों को नई पीढ़ी से जोड़ने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसे महान राष्ट्रपुरुष के सम्मान में यह पहल की जा रही है। उन्होंने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनके आदर्श, सिद्धांत एवं राष्ट्रहित में किए गए कार्य आज भी समाज और विशेष रूप से युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। ऐसे महान व्यक्तित्व के सम्मान में प्रतिमा स्थापना एवं नाम बोर्ड लगाए जाने से नागरिकों को उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित होने का अवसर प्राप्त होगा। महापौर ने निगम अधिकारियों को निर्देशित किया कि नाम बोर्ड एवं प्रतिमा स्थापना से संबंधित सभी आवश्यक प्रक्रियाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करते हुए कार्य को शीघ्र प्रारंभ किया जाए, ताकि नागरिकों को यह महत्वपूर्ण सौगात जल्द प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि नगर निगम शहर के सार्वजनिक स्थलों को न केवल सुविधायुक्त बनाने, बल्कि उन्हें सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्र प्रेरणा के केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में भी सतत प्रयासरत है।

एक्स एमएलए फोरम की जिला बैठक

कटनी (स्वतंत्रमत)

पूर्व विधायकों के हितार्थ कार्यरत, सक्रिय संगठन एक्स एमएलए फोरम की जिला कटनी चैप्टर की बैठक विगत 21 जून को स्थानीय माधव नगर स्थित सर्किट हाउस में संपन्न हुई। बैठक में निम्न प्रस्ताव पारित किये गये। पूर्व विधायकों को प्रदेश के प्रोटोकॉल में सम्मिलित किया जाए। जिला स्तर पर शासन, प्रशासन पूर्व विधायकों से सौजन्य भेंट हेतु व्यवस्था निश्चित करें। जिससे जन सुविधार्थ ऐसे विषय जो अन्य माध्यमों से नहीं आ पाते। पूर्व विधायकों के माध्यम से आ सकते हैं। उनका त्वरित निराकरण होकर सकारात्मक दिशा तय हो प्रदेश में पूर्व विधायकों के रूप में बहुत बड़ी ऊर्जा सक्रिय है।

जिनसे सतत संपर्क और संवाद मुख्यमंत्री द्वारा प्रारंभ किया जाए अधिकांश पूर्व विधायक सीनियर सिटीजन की श्रेणी में आते हैं। प्रदेश की सरकार प्रदेश के वरिष्ठ नागरिकों का अनेक प्रकार से सहयोग और संरक्षण करती है। पूर्व विधायक भी वरिष्ठ नागरिक ही है उनके प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाकर उचित कार्य पद्धति का विकास किया जाए क्षेत्र हितार्थ अन्य तात्कालिक विषयों पर भी चर्चा संपन्न हुई पूर्व विधायक सुकृति जैन, पूर्व विधायक सरोज नायक, पूर्व विधायक गिरिराज किशोर राजू पोद्दार बैठक में उपस्थित रहे। कटनी से बाहर होने के कारण अन्य पूर्व विधायक बैठक में उपस्थित नहीं हो सके किंतु दूरभाष पर बैठक में लिए गए निर्णयों पर सहमति प्रदान की गई बैठक में उपस्थित पूर्व विधायक गण का आत्मीय स्वागत अर्पित पोद्दार पूर्व जिला उपाध्यक्ष भाजपा एवं बच्चू निषाद पूर्व पार्षद भाजपा द्वारा किया गया। लमतरा ओवर ब्रिज पर बस हादसे में मृत नागरिकों को एवं कटनी जिले की चारों विधानसभा के अभी तक के सभी दिवंगत विधायकों को श्रद्धांजलि देकर बैठक का समापन हुआ।

कलेक्टर का कड़ा रुख: लापरवाही पर सीएमएचओ और पॉलिटेक्निक प्राचार्य को थमाया नोटिस

कटनी (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर आशीष तिवारी ने जिला अधिकारियों को कड़े लहजे में निर्देशित किया है कि आम नागरिकों को आधारभूत सुविधाएं सहज, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना प्रशासन की मूल जिम्मेदारी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि खाद-बीज वितरण, संबल योजना, पेंशन, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र जैसी आवश्यक सेवाएं सीधे जनता के दैनिक जीवन से जुड़ी हैं, इसलिए इनका लाभ पात्र हितग्राहियों तक समय पर पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर ने सोमवार को आयोजित समय-सीमा बैठक के दौरान दिए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, नगर निगम आयुक्त तपस्या परिहार और अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा सहित सभी विभागों के जिला स्तर के अधिकारी उपस्थित रहे। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने नॉन-अटेंडेड (जिन शिकायतों पर ध्यान नहीं दिया गया) प्रकरणों पर कड़ा रुख अपनाया: सीएमएचओ को नोटिस: मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायतों की अनदेखी करने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। पॉलिटेक्निक प्राचार्य को नोटिस: बैठक में अनुपस्थित रहने पर पॉलिटेक्निक महाविद्यालय कटनी के प्राचार्य को भी कारण बताओ नोटिस थमाया गया है। सब इंजीनियर पर नाराजगी: आवश्यक जानकारी के बिना बैठक में उपस्थित होने पर नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के सब

इंजीनियर पर कलेक्टर ने गहरी नाराजगी व्यक्त की।

कृषि, स्वास्थ्य और राजस्व मामलों पर विशेष फोकस- बैठक में कलेक्टर ने जिले के विकास और लोक कल्याण से जुड़े विभिन्न विभागों की बारीकी से समीक्षा की। १. कृषि एवं खाद उपलब्धता: मूंग और उड़द फसल का पंजीयन कराने वाले किसानों का सत्यापन जल्द पूरा करने और आगामी धान फसल की शत-प्रतिशत गिरदावरी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। खाद की कालाबाजारी रोकने के लिए विजयराघवगढ़ के एसएडीओ को बड़े व्यापारियों के यहां डीएपी खाद का भौतिक सत्यापन करने की हिदायत दी गई। कलेक्टर आशीष तिवारी का कड़ा रुख: लापरवाही पर सीएमएचओ और पॉलिटेक्निक प्राचार्य को थमाया नोटिस, राजस्व मामलों में तेजी के निर्देश। २. स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार और दस्तक अभियान: एएनसी जांच की धीमी स्थिति पर असंतोष जताते हुए बड़वारा, ढीमरखेड़ा और कन्हवारा के बीएमओ को जांच का दायरा बढ़ाने को कहा गया। प्रसूति सहायता योजना का भुगतान समय पर हो, इसके लिए लंबित डिलीवरी मामलों को पोर्टल पर तुरंत अपडेट करने के निर्देश दिए। 14 जुलाई से शुरू होने वाले दस्तक अभियान के तहत डायरिया नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने और पीएचई विभाग को सभी जल स्रोतों का क्लोरीनीकरण करने को कहा गया। ३. राजस्व और लोक सेवा गारंटी: नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन और अभिलेख दुरुस्ती के लंबित राजस्व प्रकरणों का शीघ्र निराकरण करने को कहा गया। लोक सेवा गारंटी अधिनियम के तहत समय-सीमा से बाहर (डिले) हुए आवेदनों पर कलेक्टर ने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि दोषी अधिकारियों के विरुद्ध सीधे दंडात्मक कार्रवाई की जाएगी।

श्रमिकों और योजनाओं के पंजीयन में लाएं तेजी- कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जिले की खदानों, उद्योगों और निर्माण कार्यों में लगे सभी श्रमिकों का श्रमयोगी मानधन योजना के तहत शत-प्रतिशत पंजीयन कराया जाए। इसके अलावा संबल योजना के अनुग्रह सहायता राशि के आवेदनों और महिला एवं बाल विकास विभाग के अंतर्गत लाड़ली लक्ष्मी योजना व कुपोषित (सैम और मैम) बच्चों की स्थिति की भी निकायवार समीक्षा की गई। बैठक में ये रहे उपस्थित: समीक्षा बैठक में उपसंचालक खनिज रत्नेश दीक्षित, सहायक आयुक्त विमल चौरसिया, जिला श्रम अधिकारी के.बी. मिश्रा, जिला पंजीयक पंकज कोरी, जिला आबकारी अधिकारी विभा मरकाम, सहायक संचालक वनश्री कुर्वेती, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सुधांशु तिवारी, जिला प्रबंधक लोक सेवा दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी अनुभागों के एसडीएम उपस्थित रहे।

चाकू मारकर हत्या करने वाले आरोपियों को पुलिस ने किया गिरफ्तार

कटनी (स्वतंत्रमत)। गिरफ्तार आरोपी- रमेश यादव पिता स्व उमेश यादव उमर 41 वर्ष, रितेश यादव पिता रमेश यादव उमर 19 वर्ष दोनों निवासी मंगल नगर थाना रंगनाथ नगर कटनी। 28 जून को प्रार्थी संतोष गोड़ पिता लाल बहादुर गोड़ उम्र 39 साल निवासी मंगल नगर थाना रंगनाथ नगर का थाना उपस्थित आकर सूचना दिया कि उसको एवं उसके भाई कन्हैया गोड़ को मोहल्ले के रमेश यादव और रितेश यादव ने लड़ाई झगड़ा कर जान से मारने की नियत से उसके भाई कन्हैया गोड़ को चाकू मार दिया है

जिससे उसको चोट लग गई है और उसे सरकारी अस्पताल ले गए हैं जिसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को देकर अपराध पंजीबद्ध किया गया पीड़ित कन्हैया गोड़ को शासकीय अस्पताल कटनी से जबलपुर रेफर कर दिया गया था जिसकी रास्ते में ही मृत्यु हो गई थी। जो मामले में आरोपी गणों की तलाश हेतु वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी अरुण पाल सिंह के द्वारा अलग-अलग स्थानों में टीम भेज कर आरोपी गाणो की पता तलाश की गई जो कड़ी मशक्कत के बाद आरोपी गणों को गिरफ्तार किया जाकर जेल पहुंचाया गया।

कन्या महाविद्यालय में सतीश शुक्ला का सेवानिवृत्ति समारोह संपन्न

कटनी (स्वतंत्रमत)। शासकीय कन्या महाविद्यालय में पदस्थ सतीश शुक्ला, प्रयोगशाला परिचारक, 30 जून को शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार द्वारा उनके सम्मान में गरिमामय एवं भावपूर्ण विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सतीश शुक्ला ने अपनी शासकीय सेवायात्रा का शुभारंभ 14 जून 1988 को शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर में प्रयोगशाला परिचारक के रूप में किया। इसके पश्चात 10 जुलाई 1990 को स्थानांतरण उपरांत उन्होंने शासकीय कन्या महाविद्यालय में अपनी सेवाएँ प्रारंभ कीं। चार दशकों से अधिक समय तक उन्होंने पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी, अनुशासन एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। उनकी सेवायात्रा केवल एक शासकीय दायित्व नहीं, बल्कि कर्मनिष्ठा, कर्तव्यपरायणता एवं उत्कृष्ट कार्यसंस्कृति का प्रेरणादायी उदाहरण रही है। अपने सेवाकाल के दौरान शुक्ला ने महाविद्यालय की

प्रयोगशालाओं के सुचारु संचालन, विद्यार्थियों के सहयोग तथा विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक गतिविधियों के सफल संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विशेष रूप से विश्वविद्यालय संबंधी जटिल कार्यों का त्वरित, सटीक एवं कुशलतापूर्वक समाधान करने की उनकी कार्यशैली ने उन्हें महाविद्यालय परिवार में एक विशिष्ट पहचान प्रदान की। उनका सौम्य व्यवहार, सहयोगात्मक दृष्टिकोण एवं कार्य के प्रति समर्पण सदैव सभी के लिए प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने अपने उद्बोधन में कहा कि सतीश शुक्ला के साथ उनका कार्य संबंध सदैव अत्यंत सकारात्मक एवं सहयोगपूर्ण रहा। उन्होंने प्रत्येक परिस्थिति में महाविद्यालय के कार्यों को प्राथमिकता देते हुए अपनी जिम्मेदारियों का उत्कृष्ट निर्वहन किया तथा अपने अनुभव, निष्ठा और समर्पण से संस्थान को निरंतर सशक्त बनाया। समारोह में उपस्थित सभी शिक्षकों एवं कर्मचारियों ने शुक्ला के दीर्घ, गौरवपूर्ण एवं अनुकरणीय सेवाकाल की सराहना करते हुए उनके स्वस्थए सुखमय, समृद्ध एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। सभी ने विश्वास व्यक्त किया कि सेवानिवृत्ति के पश्चात भी उनका अनुभव एवं मार्गदर्शन समाज और परिवार के लिए समान रूप से उपयोगी सिद्ध होगा।

खाद और बिजली की समस्या को लेकर कांग्रेस ने भरी हुंकार

बिछुआ में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे कांग्रेस जिलाध्यक्ष

कटनी (स्वतंत्रमत)

बड़वारा विधानसभा के देवरी हटाई ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम बिछुआ की पावन धरा पर, श्री 1008 श्री वीरभद्र महाराज प्रांगण में क्षेत्र के किसान भाइयों की गंभीर समस्याओं (बिजली की भारी कटौती एवं खाद की किल्लत) को लेकर एक विशाल एवं महत्वपूर्ण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साथ ही पूर्णिमा के पावन एवं शुभ अवसर पर प्रांगण में भगवान शिव जी के मंदिर का भूमि पूजन करने का परम सौभाग्य भी हम सभी को प्राप्त हुआ। इस गरिमामयी कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में कटनी जिला कांग्रेस के सम्मानित अध्यक्ष एवं पूर्व विधायक कुंवर सौरभ सिंह उपस्थित रहे, जिन्होंने किसानों की समस्याओं को लेकर पुरजोर तरीके से आवाज उठाई।

साथ ही मंच पर अपनी विशिष्ट उपस्थिति से कार्यक्रम को मजबूती देने पहुंचे: मुकेश परोहा (जिला अध्यक्ष, कांग्रेस सेवादल), रमाकांत दुबे (ब्लॉक अध्यक्ष, देवरी हटाई), रंजीत सिंह (लोकप्रिय आदिवासी नेता, बड़वारा विधानसभा), ब्रजेश तिवारी (वरिष्ठ कांग्रेस नेता), सत्यम समदरिया (ब्लॉक अध्यक्ष, यूथ कांग्रेस)कार्यक्रम के आयोजक हम सबके मार्गदर्शक और कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता रवि तिवारी, जिनके कुशल संयोजन में यह भव्य कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के विकास और किसानों के हक के लिए कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहने वाले हमारे सभी ऊर्जावान साथी उपस्थित रहे। शेख शिकंदर आजाद, महामंत्री इस्माइल खान उर्फ कन्हाई, मनोज गुप्ता भन्पुरा, ब्रजेश त्रिपाठी, रोहित नायक बिचुआ मंडलम अध्यक्ष, सुकमान बाई (सिमरा), कमलेश कुशवाहा (सिमरा), दुलारे आदिवासी (बिचुआ), मुन्नालाल दाहिया (बिचुआ), उमेश हलदकार (बिचुआ), मोनू पांडे (बिचुआ), राजेन्द्र कुशवाहा, प्रदीप सिंह, नत्थूराम पटेल, मुन्नालाल विश्वकर्मा, पुरुषोत्तम विश्वकर्मा, ब्रह्मानंद पांडे, रामवृक्ष कुशवाहा (हरदुआ), विनोद सिंह (भन्पुरा), शेख मुराद (शाहपुर), श्यामलाल जायसवाल (बिचुआ), कासीराम यादव, राजाराम आदिवासी, सुरेश हलदकार (शाहपुर), मोटू आदिवासी (भन्पुरा), बबलू पटेल (बिचुआ), विष्णु प्रसाद हलदकार (बिचुआ), सुरेश दुबे (बिचुआ), मुन्नादास (जबलपुर), विजय गुप्ता (खिरवा), श्याम लाल कोल (हरदुआ), जगदीश हलदकार, विनय साहू, श्याम सुन्दर विश्वकर्मा (शाहपुर) भागवत सेन (पीपरिया- पूर्व सरपंच), फूलचन्द साहू आदि उपस्थित रहे।

पराग्वे ने जर्मनी को किया विश्वकप से बाहर

मैसाचुसेट्स (अमेरिका)

(वार्ता)। पराग्वे ने विश्वकप का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए चार की बार की विश्व चैंपियन जर्मनी को राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में हुए पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया।

फॉक्सबोरो में सोमवार रात खेले गये मुकाबले में पराग्वे के शानदार प्रदर्शन के कारण जर्मनी विश्वकप के राउंड ऑफ 32 में बाहर होने वाली पहली दिग्गज टीम बन गई। इस मुकाबले का फैसला निर्धारित समय में 1-1 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट हुआ। 34वें नंबर पर काबिज पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से जीत दर्ज की।

जर्मनी को काई हावर्ट्ज , निक वोल्टेमाडे और जोनाथन टाह के महत्वपूर्ण पेनल्टी मिस करने का खामियाजा भुगतना पड़ा। पराग्वे ने पेनल्टी स्पॉट से दो मौके गंवा दिए, जिससे जर्मनी को टूर्नामेंट से बाहर किया जा सकता था, जिसके बाद जोस कैनाले ने सडन डेथ में गोल किया। जूलियो एनसिसो के शुरुआती गोल को हावर्ट्ज ने बराबर कर दिया, जिसके बाद पैराग्वे ने जर्मनी को ड्रॉ पर रोक दिया। अतिरिक्त समय में वीएआर ने ताह के गोल को अमान्य घोषित कर दिया, जिससे जर्मन टीम निराश हो गई। मैच की शुरुआत में पराग्वे के जूलिया एंसियो ने 42वें मिनट में गोलकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद जर्मनी ने जवाबी हमला किया और 54वें मिनट में काई हावर्ट्ज के गोल से उसे सफलता मिली। स्कोर 1-1 से बराबर हो गया।

पहले हाफ में जर्मनी के पास 78 प्रतिशत गेंद का कब्ज़ा था, फिर भी एनसिसो के अप्रत्याशित हमले के बाद उन्हें हार का सामना करना पड़ा। पराग्वे का अगला मुकाबला चार जुलाई को फिलाडेल्फिया में राउंड ऑफ 16 में फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

भारतीय लड़कों ने जीते चार गोल्ड

फ्रीस्टाइल टीम दूसरे स्थान पर रही

पटाया (थाईलैंड) (वार्ता) भारतीय लड़कों ने अंडर-15 एशियन रेसलिंग चैंपियनशिप के तीसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए चार गोल्ड मेडल जीते, जबकि देश ने यहां पुरुषों की फ्रीस्टाइल प्रतियोगिता में शानदार आठ मेडल जीते। प्रथमेश एस पाटिल (52किग्रा), नैतिक (62), केशव हर्षद चेमटे (75) और विवेक चौहान (85) ने अपने-अपने वेट कैटेगरी में गोल्ड मेडल जीतकर भारतीय दल के लिए एक शानदार दिन की शुरुआत की। चार गोल्ड मेडल के अलावा, भारत ने एक सिल्वर और तीन ब्रॉन्ज़ मेडल जीते, जिससे उस दिन खेले गए सभी आठ वेट डिवीजन में 100 परसेंट पोडियम रिकॉर्ड पक्का हो गया। टाइटल मुकाबलों में, पाटिल ने जापान के दाइची मात्सुमी पर टेक्निकल सुपीरियरिटी से 10-0 की शानदार जीत दर्ज की, जबकि चौहान ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक और जापानी ग्रैपलर, ताइसेई सुजुकी को 5-0 से हरा दिया। नैतिक ने उज्बेकिस्तान के

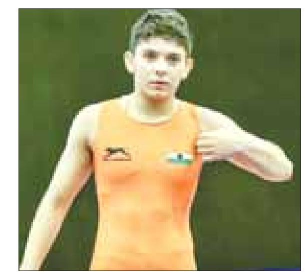

इस्मोइलजोन नाजिरजोनोव को 8-6 से हराने के लिए एक रोमांचक मुकाबला लड़ा, और चेमटे ने कजाकिस्तान के येरसुल्तान सुलेमान को 11-10 से हराकर एक हाई-स्कोरिंग थ्रिलर में अपना धैर्य बनाए रखा। इस बीच, नितेश (57) को अपने फाइनल में जापान के ऐसेब घरेहदाघी से 2-10 से हारने के बाद सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा। भारतीय टीम ने अपने तीनों ब्रॉन्ज़-मेडल प्लेऑफ़ में जीत हासिल की। गौतम (41) ने हांगकांग के शू यान सुंग को 8-0 से हराकर जीत हासिल की, वंश अहलावत (44) ने ताजिकिस्तान के योकूब दिलशोद दिलशोदज़ोदा पर 12-4 पॉइंट्स से शानदार जीत दर्ज की और अरमान (68) ने तुर्कमेनिस्तान के इदरीस मेलेजायेव को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 10-0 से हराया।

मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हराया

मॉन्टेरी (मेक्सिको)(वार्ता)। मोरक्को ने फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ-32 के रोमांचक मुकाबले में नीदरलैंड को निर्धारित समय में 1-1 से बराबर रहने के बाद हुए पेनल्टी शूटआउट में 3-2 से हार दिया। इसके साथ ही मोरक्को ने प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। मॉन्टेरी स्टेडियम में मंगलवार को खेला गया यह मुकाबला निर्धारित 90 मिनट और 30 मिनट के अतिरिक्त समय तक बेहद रोमांचक रहा। मैच का पहला हॉफ में कई मौकों के बावजूद दोनों टीमों गोल करने में विफल रही। नीदरलैंड ने मैच को नियंत्रित करने का प्रयास किया जबकि मोरक्को ने जवाबी हमले किए। 20वें मिनट में मोरक्को के नील एल आयनाउई ने एक बेहतरीन हेडर लगाया, जिसे डच गोलकीपर बार्ट वर्ब्रूगेन ने हवा में गोता लगाकर रोक दिया। 44वें मिनट में नीदरलैंड के मिकी वैन डी वेन ने शानदार किक मारी, लेकिन मोरक्को गोलकीपर यासीन बूनू ने उसे विफल कर दिया। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक प्रदर्शन। नीदरलैंड के कोडी गाकपो के पास पर क्रिस्टेंसियो समरविले ने 75वें मिटन में गोलकर अपनी टीम को 1-0 से बढ़त दिला दी। इसके बाद इंजरी समय (90 1) मिनट में मोरक्को के चेम्सडीन ताल्बी के क्रॉस पर डिफेंडर इसा डिओप ने शानदार गोल दागकर स्कोर 1-1 बराबर कर दिया। अतिरिक्त समय में भी मुकाबले में निर्णायक गोल नहीं हो सका।

ब्राजील राउंड ऑफ 16 में

ह्यूस्टन (वार्ता)। *पांच बार के चैम्पियन ब्राजील ने गैब्रियल मार्टिनेली के इंजरी समय के पांचवें मिनट में दागे गए निर्णायक गोल की मदद से जापान को 2-1 से हराकर फीफा विश्व कप के राउंड ऑफ 16 में प्रवेश कर लिया। जापान ने सोमवार रात खेले गये मुकाबले के पहले हाफ में दमदार खेल दिखाया और ब्राजील पर एक गोल की बढ़त बनाये रखी। मैच के 29वें मिनट में काइशू सानो ने बॉक्स के बाहर से शानदार प्रयास पर गोल करके जापान को 1-0 की बढ़त दिला दी। काइशू सानो ने डैनिलो से मिले खराब पास को मध्य रेखा के निकट संभाला, तेजी से गोल की तरफ बढ़े और बॉक्स के किनारे से नीचे बाएं कोने में एक लो शॉट मारा।*

इंग्लैंड के खिलाफ वापसी की कोशिश में भारत, वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी नजरें

चेस्टर-ली-स्ट्रीट (वार्ता) बुधवार से शुरू हो रही पांच मैचों की इंग्लैंड बनाम भारत टी 20 सीरीज़ में इंग्लैंड का सामना करते हुए भारतीय क्रिकेट टीम आयरलैंड से मिली चौंकाने वाली हार से उबरने की कोशिश करेगी। इस दौरान वैभव सूर्यवंशी पर सबकी नज़रें होंगी। आईपीएल, घरेलू क्रिकेट, लिस्ट ए और एज-ग्रुप क्रिकेट में बल्ले से शानदार प्रदर्शन करके दुनिया भर में चर्चा बटोरने वाले वैभव सूर्यवंशी को आयरलैंड सीरीज़ के लिए पहली बार सीनियर भारतीय टीम में चुना गया था, लेकिन उन्हें बेलफ़ास्ट में डेब्यू करने का मौका नहीं मिला। 15 साल के वैभव को बेंच पर बैठकर यह देखना पड़ा कि दुनिया की नंबर 1 टीम भारत को ग्लोबल रैंकिंग में 11वें स्थान पर मौजूद आयरलैंड की जोश से भरी टीम के हाथों 2-0 से शर्मनाक हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड दौरे के लिए वैभव को भारतीय टीम में बरकरार रखा गया है। अगर उन्हें पांच मैचों में से किसी भी मैच में खेलने का मौका मिलता है, तो वह महान सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़कर इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बन सकते हैं। सीरीज़ की शुरुआत बुधवार को चेस्टर-ली-स्ट्रीट में होगी, जिसके बाद मैच मैनचेस्टर और नॉटिंघम में क्रमश: 4 और 7 जुलाई को खेले जाएंगे।

सीरीज़ के आखिरी दो मैच ब्रिस्टल और साउथम्प्टन में खेले जाएंगे और सीरीज़ 11 जुलाई को खत्म होगी। इसके बाद भारत इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज़ भी खेलेगा। यह सीरीज़ वैभव सूर्यवंशी के संभावित ऐतिहासिक डेब्यू से कहीं ज़्यादा अहमियत रखती है। आयरलैंड सीरीज़ से ठीक पहले भारतीय टी20 टीम के नए कप्तान बनाए गए श्रेयस अय्यर, नेशनल टीम के कप्तान के तौर पर अपनी शुरुआत के बाद अब अपनी पहली सीरीज़ जीत हासिल करने की कोशिश करेंगे।

जिम्बाब्वे ने बांग्लादेश को पारी और 85 रनों से पीटा

हरारे (वार्ता)। ज़िम्बाब्वे ने बंगलादेश को एकमात्र टेस्ट में मंगलवार को एक पारी और 85 रनों से बुरी तरह हराया। मेहमान टीम उनके सामने कहीं नहीं टिक पाई क्योंकि ज़िम्बाब्वे ने शुरू से ही टेस्ट मैच पर अपना दबदबा बनाए रखा। इसकी शुरुआत तब हुई जब बांग्लादेश ने पहले दिन सिर्फ़ 27 रनों पर आठ विकेट गंवा दिए और पूरी टीम 140 रनों पर ऑल आउट हो गई। जवाब में, इनोसेंट काइया ने शानदार 140 रन बनाए, जबकि ब्रायन बेनेट, क्रेग इरविन और वेस्ली मधेवेरे ने भी अहम अर्धशतक जड़े, जिससे ज़िम्बाब्वे का स्कोर 410 तक पहुँचा और उन्हें 270 रनों की बड़ी बढ़त मिली। बांग्लादेश को अपनी दूसरी पारी में बड़े स्कोर की ज़रूरत थी, लेकिन उनके किसी भी बल्लेबाज़ ने हिम्मत नहीं दिखाई और पूरी टीम 185 रनों पर ऑल आउट हो गई। ज़िम्बाब्वे के तेज़ गेंदबाज़ों की चौकड़ी – रिचर्ड न्गारवा, ब्लेसिंग मुज़राबानी, ब्रैड इवांस और न्यूमैन न्यामहूरी – ने मिलकर शानदार प्रदर्शन किया; इनमें से कोई भी किसी भी पारी में बिना विकेट लिए नहीं रहा। ब्लेसिंग मुज़राबानी ने चार, रिचर्ड न्गारवा ने तीन और न्यूमैन न्यामहूरी ने दो विकेट लिए। इनोसेंट काइया को प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला।

सिनर और जोकोविच ने शुरुआती मुकाबले कड़ी चुनौती के बीच जीते

लंदन (वार्ता)।

मौजूदा पुरुष चैंपियन यानिक सिनर और सात बार के विजेता नोवाक जोकोविच ने 2026 विंबलडन चैंपियनशिप में पहले दौर की कड़ी चुनौती पार कर ली। दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी सिनर ने एक सेट हारने के बाद वापसी करते हुए सर्बिया के मियोमिर केकमैनोविच को 4-6, 6-3, 6-7 (6), 6-2, 6-3 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला तीन घंटे 30 मिनट तक चला। पिछले महीने फ्रेंच ओपन के दूसरे दौर में चौंकाने वाली हार के बाद अपना पहला मैच खेल रहे सिनर को बिना दबाव के गलतियों (अनफोर्स्ड एरर्स) से जूझना पड़ा। तीसरे सेट के दौरान वे बुरी तरह फिसल गए और कुछ पल तक ज़मीन पर ही पड़े रहे। बाद में चौथे सेट में उनके दाहिने जूते से खून रिसने लगा,

हालांकि उन्होंने बाद में कहा कि खून पैर के अंगूठे के नाखून की समस्या के कारण निकला था और यह कोई गंभीर बात नहीं थी। इतालवी खिलाड़ी ने आखिरी दो सेटों में अपनी लय वापस पाई और पूरे मैच में केवल 10 अनफोर्स्ड एरर्स किए, साथ ही 31 ऐस और 72 विनर्स लगाए। अब उनका सामना पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस से होगा। जोकोविच को भी कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा, लेकिन उन्होंने चीन के वू यिबिंग को तीन घंटे 12 मिनट में 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 से हरा दिया। 39 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी मैच के अंतिम क्षणों में थकान के संकेत दे रहे थे, लेकिन उन्होंने अपने छह ब्रेक-पॉइंट मौकों में से तीन को भुनाया, जबकि वू 11 मौकों में से केवल एक बार ही ब्रेक हासिल कर पाए। जोकोविच ने कहा, सच कहूं तो यह पहले दौर का मैच नहीं लग रहा था। वू अपने शानदार प्रदर्शन के लिए बहुत तारीफ के हकदार हैं। उन्होंने मुझ पर काफी दबाव डाला। शायद मैं चौथा सेट हार सकता था।

पूर्व सीईसी राजीव कुमार बनेंगे एचडीएफसी बैंक के नये चेयरमैन

मुंबई (वार्ता)। भारत के पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं केंद्र सरकार में वित्त सचिव रहे राजीव कुमार को एचडीएफसी बैंक ने अपना चेयरमैन नियुक्त किया है। बैंक ने शेयर बाजारों को बताया कि निदेशकमंडल की सोमवार को हुई बैठक में अंशकालिक चेयरमैन के पद पर श्री कुमार की नियुक्ति को मंजूरी प्रदान की गयी। उनका कार्यकाल तीन साल का होगा। उनकी नियुक्ति को रिजर्व बैंक से स्वीकृति मिलने के बाद उसी दिन से उनका कार्यकाल प्रारंभ हो जायेगा। एचडीएफसी बैंक के तत्कालीन चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च को अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने अपने इस्तीफे में लिखा था कि पिछले दो साल उन्होंने कुछ ऐसी गतिविधियां देखीं जो उनके निजी नैतिक मूल्यों के अनुरूप नहीं थीं। उन्होंने कहा था कि यही उनके इस्तीफे का कारण है। इसके बाद बैंक ने केकी मिस्त्री को अंतरिम अंशकालिक चेयरमैन नियुक्त किया था। वह 19 मार्च से यह जिम्मेदारी निभा रहे हैं। श्री कुमार सितंबर 2017 से फरवरी 2020 तक वित्त सचिव रह चुके हैं। वह 15 मई 2022 से 18 फरवरी 2025 तक देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त भी रह चुके हैं। श्री कुमार को बैंक के एचडीएफसी बैंक के निदेशकमंडल में अतिरिक्त निदेशक के रूप में मंगलवार 30 जून 2026 से शामिल किया गया है। इस पद पर उनकी नियुक्ति चार साल के लिए की गयी है। निदेशकमंडल के इस फैसले को शेयरधारकों की मंजूरी मिलनी शेष है। बैंक के शेयरधारकों की वार्षिक आम बैठक 05 अगस्त को होनी है।

कोटक महिंद्रा बैंक भारत में डॉयचे बैंक का करेगा अधिग्रहण

मुंबई (वार्ता)। कोटक महिंद्रा बैंक ने जर्मनी के डॉयचे बैंक के भारत में खुदरा बैंकिंग, निजी बैंकिंग और परिसंपत्ति प्रबंधन कारोबार के अधिग्रहण की घोषणा की है। दोनों बैंकों ने मंगलवार को जारी संयुक्त प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि कोटक महिंद्रा बैंक और डॉयचे बैंक की भारतीय शाखा के बीच इस संबंध में एक अंतिम समझौता हो गया है। अधिग्रहण किये जाने वाले कारोबारों में तकरीबन 29,000 करोड़ रुपये (लगभग 2.7 अरब यूरो) के ऋण पोर्टफोलियो, 16,000 करोड़ रुपये (लगभग 1.5 अरब यूरो) की जमा राशि तथा 10,500 करोड़ रुपये (लगभग 1.0 अरब यूरो) की प्रबंधनाधीन परिसंपत्तियां शामिल हैं। यह कारोबार लगभग 1.5 लाख ग्राहकों को सेवाएं प्रदान करता है और इसमें लगभग एक हजार कर्मचारी

कार्यरत हैं। अधिग्रहण की प्रक्रिया सितंबर 2027 तक पूरी होने की उम्मीद है। अभी इसके लिए नियामकीय मंजूरियां मिलनी शेष हैं। इस सौदे के तहत डॉयचे बैंक इंडिया के लगभग एक हजार कर्मचारियों के कोटक महिंद्रा बैंक में शामिल होने की उम्मीद है। कोटक महिंद्रा बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अशोक वासवानी ने कहा, यह सौदा हमारे समृद्ध ग्राहकों और छोटे तथा मझौले उद्यम (एसएमई) क्षेत्रों पर केंद्रित रणनीतिक लक्ष्य के अनुरूप है। यह रणनीतिक दृष्टि से बेहद उपयुक्त है और व्यावसायिक रूप से भी लाभदायक है। इससे हमें बेहतर ग्राहक आधार, अनुभवी टीम और कारोबार के विस्तार के नये अवसर मिलेंगे। हमारी प्राथमिकता अनुशासित तरीके से एकीकरण करना, सेवाओं की निरंतरता बनाये रखना और इस व्यवसाय को और मजबूत बनाना होगी। डॉयचे बैंक ग्रुप में भारत एवं उभरते एशियाई बाजारों के कारोबार के सीईओ कौशिक शापरिया ने कहा कि यह सौदा डॉयचे बैंक के कारोबार को और अधिक केंद्रित एवं मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। भारत की वैश्विक अर्थव्यवस्था में बढ़ती भूमिका इसे डॉयचे बैंक के लिए एक प्रमुख बाजार बनाती है। डॉयचे बैंक की ताकत मजबूत कॉर्पोरेट बैंक, इन्वेस्टमेंट बैंक तथा डीडब्ल्यूएस जैसे व्यवसायों की निरंतर वृद्धि है। उन्होंने विश्वास जताया कि कोटक महिंद्रा बैंक भारत स्थित निजी बैंकिंग और परिसंपत्ति प्रबंधन ग्राहकों को दीर्घकालिक सेवा निरंतरता प्रदान करेगा और कर्मचारियों के लिए भी बेहतर विकास के अवसर उपलब्ध करायेगा।

राजकोषीय घाटा बजट अनुमान के 9.57 प्रतिशत के बराबर

नयी दिल्ली (वार्ता)।

चालू वित्त वर्ष 2026-27 के पहले दो महीनों (अप्रैल-मई) में सरकार का राजकोषीय घाटा (आय-व्यय का अंतर) वार्षिक लक्ष्य के 9.57 प्रतिशत के बराबर रहा। वित्त मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी केंद्र सरकार के लेखा-जोखा की मासिक समीक्षा के अनुसार, चालू वित्त वर्ष में मई 2026 तक सरकार की कुल प्राप्तियां 7,18,669 करोड़ रुपये रहीं जो वित्त वर्ष के दौरान कुल प्राप्तियों के बजट अनुमान का 19.7 प्रतिशत हैं। इन प्राप्तियों में 3,48,138 करोड़ रुपये का कर राजस्व (शुद्ध रूप से केंद्र के लिए), 3,50,867 करोड़ रुपये गैर-कर राजस्व और 19,664 करोड़ रुपये की ऋण-इतर पूंजीगत

प्राप्तियां शामिल हैं। इन दोनों महीनों में केंद्र ने कुल मिलाकर राज्यों को कर में उनकी हिस्सेदारी के तौर पर 1,75,557 करोड़ रुपये हस्तांतरित किये हैं, जो पिछले साल की तुलना में 12,086 करोड़ रुपये ज्यादा है।

इन्हीं दो महीनों के दौरान केंद्र का कुल खर्च 8,81,023 करोड़ रुपये रहा जो चालू वित्त वर्ष के कुल अनुमानित खर्च का 16.5 प्रतिशत है। इसमें से 6,30,020 करोड़ रुपये राजस्व खाते पर और 2,51,003 करोड़ रुपये पूंजी खाते पर खर्च हुआ है।

चावल कड़क, गेहूं, चीनी नरम

नयी दिल्ली (वार्ता)। घरेलू थोक जिंस बाजारों में मंगलवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। वहीं, गेहूं और चीनी में मंदी रही जबकि दालों और खाद्य तेलों में उतार-चढ़ाव का रुख देखा गया। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत तीन रुपये चढ़कर 3,926 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं सात रुपये सस्ता हुआ और 2,799 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटे की कीमत चार रुपये टूट गयी। दाल-दलहनों में उतार-चढ़ाव रहा। मूंग दाल की औसत कीमत 14 रुपये और चना दाल की 10 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। मसूर दाल चार रुपये और उड़द दाल तीन रुपये महंगी हुई। तुअर दाल 21 रुपये प्रति क्विंटल गिर गयी। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का सितंबर वायदा 12 रिंगिट

चढ़कर 4,558 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। दिसंबर का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.20 प्रतिशत की गिरावट में 65.85 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया।

स्थानीय बाजार में पाम ऑयल की औसत कीमत 71 रुपये और सरसों तेल की 69 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। सूरजमुखी तेल 34 रुपये और सोया तेल सात रुपये महंगा हुआ। मूंगफली तेल की कीमत 32 रुपये और वनस्पति की 24 रुपये फिसल गयी। मीठे के बाजार में आज गुड़ का औसत भाव 23 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। चीनी भी तीन रुपये सस्ती हुई। दाल चना 7768.94 रुपये, मसूर काली 8175.55 रुपये, मूंग दाल 10176.67 रुपये, उड़द दाल 10949.30 रुपये, तुअर दाल 11270.45 रुपये प्रति क्विंटल रही। अनाज (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2798.83 रुपये और चावल 3925.88 रुपये प्रति क्विंटल और आटा (गेहूं) 3253.58 रुपये प्रति क्विंटल रहा।

सीबीडीटी के अध्यक्ष रवि अग्रवाल को छह माह का नया कार्यकाल मिला

नयी दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष रवि अग्रवाल को पुन: बोर्ड का अध्यक्ष नियुक्त किया है ।उनकी नियुक्ति छह महीने के लिए की गयी है और वह इस साल के अंत तक इस पद पर रहेंगे। कार्मिक , लोक शिकायत एवं पेंशन विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश में कहा गया है कि मंत्रिमंडल की नियुक्ति संबंधी समिति ने श्री अग्रवाल को अनुबंध के आधार पर छह माह के लिए पुन: सीबीडीटी के अध्यक्ष पद पर नियुक्त किये जाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। आदेश के अनुसार सीबीडीटी के अध्यक्ष पद पर श्री अग्रवाल की नियुक्ति 01 जुलाई से 31 दिसंबर, 2026 तक प्रभावी मानी जाएगी।

बिकवाली से सेंसेक्स एक सप्ताह के निचले स्तर पर

मुंबई (वार्ता)।

आईटी, बैंकिंग और एफएमसीजी कंपनियों में बिकवाली के दबाव में घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को प्रमुख सूचकांकों गिरावट में रहे और सेंसेक्स एक सप्ताह के निचले स्तर पर बंद हुआ। प्रमुख सूचकांकों में पूरे दिन उतार-चढ़ाव रहा। बीएसई का सेंसेक्स नीचे 76,329 अंक और ऊपर 77,037 अंक तक गया। इस प्रकार इसमें 708 अंक का उतार-चढ़ाव देखा गया। अंत में सेंसेक्स 249.70 अंक (0.33 प्रतिशत) टूटकर 76,478.67 अंक पर रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 80.50 अंक यानी 0.34 प्रतिशत नीचे 23,865.75 अंक पर बंद हुआ। यह दोनों सूचकांकों का 23 मई के बाद का निचला स्तर है। प्रमुख सूचकांकों

के विपरीत वृहत बाजारों में तेजी देखी गयी। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.42 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.02 प्रतिशत ऊपर रहा।

आईटी समूह में सबसे ज्यादा बिकवाली रही। निफ्टी आईटी सूचकांक 2.73 प्रतिशत गिर गया। एफएमसीजी, बैंकिंग और मीडिया समूहों में भी गिरावट रही। टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद, रसायन, रियल्टी, फार्मा और ऑटो सेक्टरों में तेजी रही। एनएसई में जिन 3,411 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें 1,919 के शेयर ऊपर रहे जबकि 1,383 में गिरावट देखी गयी। अन्य 109 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 20 के शेयर लाल निशान में रहे। सबसे ज्यादा नुकसान आईटी कंपनियों ने उठाया। इंफोसिस में 3.49 प्रतिशत, टीसीएस में तीन प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 2.82 प्रतिशत और टेक महिंद्रा में 2.08 प्रतिशत की गिरावट रही।

एफएमसीजी कंपनी हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 1.50 फीसदी और आईटीसी का 1.31 फीसदी टूट गया। भारतीय स्टेट बैंक, एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील, एशियन पेंट्स, महिंद्रा एंड महिंद्रा, कोटक महिंद्रा बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा और एलएंडटी के शेयर भी नीचे बंद हुए। मारुति सुजुकी का शेयर 5.14 प्रतिशत की बढ़त में रहा। टाइटन में 2.93 फीसदी, बजाज फाइनेंस में 2.22 फीसदी तथा इटरनल में 2.06 फीसदी की तेजी रही। अडानी पोर्ट्स का शेयर 1.89 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व का 1.31 प्रतिशत से अधिक चढ़ा। इंडिगो, ट्रेंट और भारती एयरटेल भी बढ़त में रहे। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 0.86 फीसदी और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.50 फीसदी ऊपर बंद हुआ।

स्वतंत्र मत
जबलपुर
बुधवार 1 जुलाई 2026

जल से ही प्रकृति का उद्भव और जीवन का विकास : डॉ. यादव

मुख्यमंत्री भैंसवा माता, राजगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल से ही प्रकृति का उद्भव और जीवन का विकास है। सबसे पहले पृथ्वी पर जलचर आए। जल से ही जीवन है। जल तत्व में सभी तत्व समाहित हैं। हम जब जल संरचनाओं को देखते हैं तो हमारा मन आनंद से भर जाता है। जल से स्नान के बाद हमें ताज़गी मिलती है। हमारे पूर्वजों ने जल के महत्व को समझा और निरंतर जल संरचनाओं का निर्माण किया। आज हमारा दायित्व है कि हम उन सब का संरक्षण करें एवं उन्हें सहेजें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान चलाया जा रहा है। मध्यप्रदेश में भी गत 3 वर्षों से यह अभियान वृहद रूप से जन सहयोग से चलाया जा रहा है और बड़ी संख्या में जल संरचनाओं का संरक्षण एवं पुनरुद्धार किया गया है। आज यहां जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन कार्यक्रम है, परंतु मुख्यमंत्री ने कहा कि इस साल अलनीनो के प्रभाव से कम वर्षा का अनुमान है, इसलिये प्रदेश में अमृत सरोवर रैन वॉटर हार्वेस्टिंग, नदी संरक्षण जैसे जल स्रोतों के संरक्षण कार्य निरंतर जारी रहेंगे। गत 19 मार्च से लगभग 100 दिन प्रदेश में चले जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रदेश में जल संवर्धन के 10 हज़ार 514 करोड़ की लागत से 3 लाख 63 हज़ार कार्य कराए गए। इन कार्यों में भरपूर जन समर्थन एवं जन सहयोग मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को राजगढ़ जिले के भैंसवा माता क्षेत्र में प्रदेश में चले जल गंगा संवर्धन अभियान के तीसरे चरण के समापन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने 252 करोड़ 65 लाख रुपए के 31 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने भैंसवा माता क्षेत्र के विकास के लिए 20 करोड़ रुपए प्रदान करने की घोषणा भी की। कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या-पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलित करने के साथ हुआ।

हमारे यहां हर पवित्र कार्य जल के साथ ही होता है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सनातन संस्कृति में पंच तत्वों, विशेष रूप से जल का विशेष महत्व है। हमारे यहां हर पवित्र कार्य जल के साथ ही होता है। प्रसिद्ध कवि रहीम ने भी पानी की महत्ता बताई। जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत राजगढ़ जिले में बहुत अच्छा कार्य हुआ है। इस कार्य के लिए भारत सरकार द्वारा मध्यप्रदेश में चिन्हित छह सर्वश्रेष्ठ जिलों में राजगढ़ जिले का भी नाम शामिल है। इसके लिए उन्होंने सभी संबंधितों को बधाई दी।

किसानों की समृद्धि का आधार सिंचाई की सुविधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि का आधार सिंचाई की सुविधा है। गत 20 वर्षों में हमारी सरकारों में प्रदेश में सिंचाई के रकबे में तेजी से वृद्धि हुई है। हर खेत तक पानी पहुंचाना हमारा संकल्प है और हम उसे पूरा कर रहे हैं। हमारी सरकार द्वारा किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम भी दिलवाया जा रहा है। हमारी सरकार ने गेहूं का समर्थन मूल्य 2625 रुपए कर दिया है। किसानों को किसान सम्मन निधि दी जाती है। हमारी सवा करोड़ बहनों को लाडली बहना योजना का लाभ दिया जा रहा है। बच्चों को उनकी शिक्षा के लिए हर संभव सुविधा दी जा रही है। प्रदेश में सांदीपनि विद्यालय बनाए जा रहे हैं, जो उत्कृष्ट शिक्षा के केंद्र हैं। ये विद्यालय हमें सांदीपनि ऋषि, भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की याद दिलाते हैं। भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की निस्वार्थ मित्रता एवं प्रेम को आज पूरी दुनिया याद करती है।

हमारी सनातन संस्कृति का प्रतिबिंब, सिंहस्थ उज्जैन में

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य की बात है कि विश्व का सबसे बड़ा मेला, हमारी सनातन संस्कृति का प्रतिबिंब, सिंहस्थ उज्जैन मध्यप्रदेश में आयोजित होता है। इसे भव्य, दिव्य बनाने और श्रद्धालुओं के स्नान आदि की सुविधाओं के लिए उज्जैन एवं आसपास के क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से निर्माण कार्य कराए जा रहे हैं। हमारा प्रयास है कि सिंहस्थ में आने वाले करोड़ों श्रद्धालुओं को शिप्रा नदी के स्वच्छ एवं पावन जल में सहजता एवं सुविधापूर्वक, बिना किसी परेशानी के स्नान एवं उज्जैन तीर्थ के दर्शन हो सकें।

पानी का संरक्षण कर भावी पीढ़ी का भविष्य करें सुरक्षितः पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास और श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में अब तक हुए सभी कार्य प्रामाणिकता के साथ हुए है। इस साल बारिश के मौसम में कम वर्षा का अनुमान है इसलिए जल संचयन और जल स्त्रोतों का संरक्षण निरंतर जारी रखना आवश्यक है।

हम सभी को पानी की एक-एक बूंद संचित कर भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित करना है। राज्य सरकार और सभी अधिकारी-कर्मचारी जनभागीदारी से जल संरक्षण के प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मंत्री श्री पटेल ने जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन को मां भैंसवा के पवित्र स्थल पर रखने के लिए आभार व्यक्त किया।

जल संरक्षण के लिए किए भगीरथी प्रयास : डॉ.टेटवाल

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाएं को बढ़ाने के लिए भागीरथी प्रयास किए हैं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। जल संरक्षण के इस अभियान में पंचायतों को जोड़कर जनभागीदारी से कुएं, बावड़ी, तालाब, नदियों की सफाई और प्राचीन जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया है। राज्यमंत्री श्री टेटवाल ने सांदीपनि विद्यालय, पीकेसी परियोजना से पानी, भैंसवा माता लोक निर्माण सहित अनेक निर्माण कार्यों की स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पारंपरिक रूप से कन्या पूजन और दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत राजगढ़ जिले में हुए विभिन्न विकास कार्यों और उपलब्धियों पर आधारित एक विशेष पुस्तिका का विमोचन भी किया। साथ ही राजगढ़ की स्थानीय संस्कृति और पर्यटन को वैश्विक पटल पर लाने के उद्देश्य से जिला पुरातत्व एवं राजगढ़ पर्यटन पर केंद्रित एक विशेष प्रमोशनल फिल्म, आकर्षक कॉफी टेबल बुक तथा आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स का अनावरण भी किया।

विकास के लिए की गई प्रमुख घोषणाएं

सारंगपुर नगर के अंदर जीर्ण-शीर्ण पड़े शासकीय भवनों एवं आवासों का रेडेंसिफिकेशन योजना अंतर्गत पुनर्निर्माण किया जाएगा। शासन संधारित अंबे माता मंदिर का जीर्णोद्धार किया जाएगा। नवीन स्वीकृत फोर लेन में हाउसिंग बोर्ड द्वारा आवासीय कॉलोनी विकसित की जाएगी। पचोर और सारंगपुर क्षेत्र में विकास के लिए सड़को का निर्माण किया जाएगा। सारंगपुर-संडावता मार्ग पर उतावली नदी पर ब्रिज का निर्माण किया जाएगा। करौंदी से हीरापुरा तक 2 किमी सड़क के निर्माण सहित आवश्यक अन्य सभी मार्गों का निर्माण किया जाएगा। भैंसवा माता लोक के विकास, निर्माण और सौंदर्गीकरण के लिए 20 करोड़ रूपये।

डॉ. यादव ने लोकमाता अहिल्याबाईः राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना पुस्तक का किया विमोचन

म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी ने किया पुस्तक का प्रकाशन

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने लोकमाता अहिल्याबाई राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना पुस्तक का समत्व भवन में विमोचन किया। मध्यप्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी द्वारा प्रकाशित इस पुस्तक में बताया गया कि लोकमाता, पुण्य श्लोका अहिल्याबाई होल्कर का जीवन और कर्म किसी आकस्मिक महानता का परिणाम नहीं, बल्कि दीर्घ सांस्कृतिक धारा का स्वाभाविक विस्तार रहा। उनकी जीवन गाथा इस तथ्य का प्रमाण है कि भारतीय नारी संत, विदुषी, योद्धा होने के साथ-साथ कुशल शासिका भी रही है। मुख्यमंत्री द्वारा विमोचित इस पुस्तिका में कुल 19 अध्याय हैं। पुस्तक अहिल्याबाई होल्कर की दृष्टि में नारी स्वाभिमान और समाजोत्थान, सांस्कृतिक पुनर्निर्माण से राष्ट्रीय एकता, पंच परिवर्तन से समाज कल्याण, जीवन प्रबंधन की पाठशाला, बाल विवाह-सामाजिक कुरीति की चुनौतियाँ और समाधान पर शोध पत्रों का संकलन हैं। पुस्तक में लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की राष्ट्र पुनरुत्थान की संकल्पना न्यायप्रियता और प्रशासनिक दक्षता, समग्र जीवन चिंतन, भारतीय हस्तशिल्प के उत्थान में लोकमाता अहिल्याबाई की भूमिका तथा महिलाओं के लिए न्याय और समानता पर शोधपरक लेख हैं। भारतीय ज्ञान परंपरा में लोकमाता अहिल्याबाई के योगदान के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विश्लेषण पर भी पुस्तक में एक अध्याय है। पुस्तक का मूल्य 160 रूपए मात्र है।

बिना लाइसेंस उर्वरक बेचने पर बड़ी कार्रवाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव के निर्देशन में जिलेभर में चलाए जा रहे सघन निरीक्षण अभियान के तहत तेंदूखेड़ा विकासखंड में अवैध उर्वरक भंडारण एवं विक्रय के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की गई। उप संचालक कृषि जेएल प्रजापति ने बताया कि तहसीलदार तेंदूखेड़ा विवेक व्यास एवं उनकी टीम ने ग्राम सर्रा निवासी राकेश जैन उर्फ पल्लई जैन की किराना दुकान का निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान बिना वैध लाइसेंस के उर्वरक का भंडारण एवं विक्रय किया जाना पाया गया जिस पर 41 बोरी एनपीके 12:32:16 उर्वरक जब्त किया गया। प्रकरण में आवश्यक वस्तु अधिनियमए 1955 की धारा 3/7 एवं उर्वरक नियंत्रण आदेशए 1985 की धारा 7/19 के प्रावधानों के उल्लंघन पाए जाने पर वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी एवं उर्वरक निरीक्षक जीपी बैन द्वारा थाना तारादेही में संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है।

इमलावाले हनुमान मंदिर बकायन को लोक न्यास ट्रस्ट का दर्जा

बकायन (स्वतंत्र मत)। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल इमलावाले हनुमान मंदिर बकायन को आधिकारिक रूप से लोकन्यास ट्रस्ट घोषित कर दिया गया है। यह निर्णय माननीय अनुविभागीय अधिकारी पथरिया द्वारा जारी न्यायालयीन आदेश के अनुसार लिया गया। इस ट्रस्ट के गठन में महंत महामंडलेश्वर हरिदास, महंत राम अनुग्रह दास छोटे सरकार, अनुविभागीय अधिकारी नीकेत चौरसिया, योगेन्द्र चौधरी तहसीलदार बटियागढ़ तथा क्षेत्र की जनता की महत्वपूर्ण भूमिका रही। लंबे समय से चली आ रही जनभावनाओं और मांग को ध्यान में रखते हुए मंदिर के सुव्यवस्थित संचालन एवं विकास के उद्देश्य से लोकन्यास ट्रस्ट का गठन किया गया है। ट्रस्ट के पदाधिकारी महंत हरिदास अध्यक्ष, संरक्षक एवं प्रबंधक संजय कुमार पलनीटकर,

उपाध्यक्ष राकेश दुबे, सचिव महंत राम अनुग्रह दास, कोषाध्यक्ष बलराम पटैल, उत्सव संयोजक ऋषि पटेल, सदस्य विनय असाटी, सदस्य पुरुषोत्तम असाटी, सदस्य लक्ष्मण विश्वकर्मा, सदस्य हरिशंकर चौरसिया, सदस्य विशाल पटेल, सदस्य ट्रस्ट के उपाध्यक्ष संजय कुमार पलनीटकर ने बताया कि हजारों हनुमान भक्तों की अपेक्षाओं के अनुरूप ट्रस्ट पूर्ण पारदर्शिता, समर्पण और सेवा भाव के साथ मंदिर के समग्र विकास, धार्मिक गतिविधियों के सुव्यवस्थित संचालन तथा श्रद्धालुओं की सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य करेगा।

तय समय में पूर्ण करें कार्य, ढिलाई बर्दाश्त नहीं : राज्यमंत्री गौर

गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के विकास कार्यों की हुई समीक्षा

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री कृष्णा गौर ने मंगलवार को मंत्रालय में गोविंदपुरा विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी परियोजनाएं निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण की जाएं। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में लापरवाही और अनावश्यक विलंब किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा तथा दोषी एजेंसियों और ठेकेदारों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में अधिकारियों ने जानकारी दी कि बावड़िया कला चौराहा (अपोलो सेज अस्पताल) से ऑशिमा मॉल तक प्रस्तावित रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण कार्य की टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है तथा इसी माह के अंत तक निर्माण कार्य प्रारंभ होने की संभावना है। इस पर राज्यमंत्री श्रीमती गौर ने कार्य को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने बाबूलाल गौर सेतु, बावड़िया में प्रस्तावित मरम्मत एवं लेफ्ट टर्न निर्माण कार्य बारिश के बाद तत्काल प्रारंभ करने को कहा। पिपलानी से खजूरी रोड निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान बताया गया कि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई जारी है तथा नाली

निर्माण का कार्य पूरा हो चुका है। लंबे समय से लंबित इस परियोजना पर नाराजगी व्यक्त करते हुए श्रीमती गौर ने संबंधित ठेकेदार की लापरवाही पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। खेजड़ा बरामद पहुंच मार्ग के निर्माण कार्य की समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि पहले सड़क निर्माण पूरा किया जाए, उसके बाद पोल शिफ्टिंग एवं विद्युत व्यवस्था से जुड़े कार्य किए जाएं। ग्लोबल स्किल पार्क के समीप पुलिया एवं अतिक्रमण के कारण मार्ग निर्माण बाधित होने पर पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में शीघ्र अतिक्रमण हटाकर निर्माण कार्य प्रारंभ कराने के निर्देश दिये। राज्यमंत्री गौर ने पुलिस थाना बागसेवनिया से एचडीएफसी बैंक तक मार्ग, गुलमोहर से आकृति इको सिटी, अरविंद विहार कॉलोनी मार्ग, बागमुगालिया एक्सटेंशन मार्ग, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी कटारा हिल्स-गायत्री विहार-नंदगांव मार्ग, आदर्श नगर-प्रधान मंडपम-साधना एन्क्लेव मार्ग, कुंजन नगर फेस-1 से बागसेवनिया सीसी नहर रोड, अवधपुरी क्रिस्टल आइडियल गेट तक मार्ग, स्वर्ण जयंती पार्क से गुलमोहर मार्ग, बाबरिया चौराहे से विरासा हाइट्स मार्ग, अयोध्या बायपास से ग्राम कोलुआ करारिया मार्ग, एम्स अस्पताल से डीआरएम पहुंच मार्ग तथा साकेत नगर स्थित सागर पब्लिक स्कूल से 9 बीडीए कॉम्प्लेक्स तक क्षतिग्रस्त मार्ग के निर्माण एवं मरम्मत कार्यों की भी विस्तृत समीक्षा की।

पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी एवं क्लोरीनीकरण सुनिश्चित किया जाए : कलेक्टर

दमोह (स्वतंत्र मत)।

वर्षा ऋतु प्रारंभ हो गई हैं पेयजल स्रोतों की नियमित निगरानी एवं क्लोरीनीकरण सुनिश्चित किया जाये ताकि आमजनों को गुणवत्ता पूर्ण पेयजल सुनिश्चित होए सबंधित अधिकारी लगातार इसकी मॉनीटरिंग करेंगे। पथरिया एमएलबी स्कूल भ्रमण के दौरान आई शिकायत पर जिला शिक्षा अधिकारी को समय पर

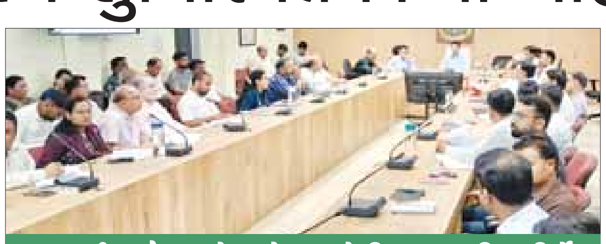

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर ने दिए अहम दिशा निर्देश

पाठ्यपुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। पुस्तकें समय पर पहुँचे जिला अधिकारी इसे सुनिश्चित करेंगे। इस आशय के निर्देश कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय.सीमा बैठक के दौरान दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ प्रवीण फुलपगारे सहित अन्य जिलाधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने कहा बैठक में सीएम हेल्पलाइन की नॉट अटेंडेडशिकायतें शून्य रहें तथा सभी शिकायतों एवं लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

सीएम हेल्पलाइन, लोक सेवा गारंटी अधिनियम एवं विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की विभागवार समीक्षा की।

40 वर्षों की उत्कृष्ट सेवाओं के बाद नरेंद्र कुमार रोहित को भावभीनी विदाई

दमोह (स्वतंत्र मत)। एकीकृत माध्यमिक शाला ऑवरी में 40 वर्षों की गौरवपूर्ण एवं समर्पित शासकीय सेवा पूर्ण करने पर वरिष्ठ शिक्षक नरेंद्र कुमार रोहित के सम्मान में सेवानिवृत्ति एवं विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में संकुल सरदार पटेल के समस्त शिक्षकों एवं शाला परिवार ने सहभागिता करते हुए श्री रोहित के शिक्षा क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान की सराहना की। उपस्थित सभी

वक्ताओं ने उनके सरल, अनुशासित एवं कर्तव्यनिष्ठ व्यक्तित्व की प्रशंसा करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना की। समारोह में विशेष रूप से ग्राम के सरपंच सहित शिक्षक पवन खरे, रवि सिंह ठाकुर, राखी चौरसिया, संदीप चतुर्वेदी एवं नन्हे लाल उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने श्री रोहित का शाल श्रीफल एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर सम्मान किया। कार्यक्रम का वातावरण भावुक एवं आत्मीय रहा।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार आशीष कुमार दास की ओर से सर्व साधारण को सूचित करता हूँ कि:- **नर्मदा एवेन्यू अपार्टमेन्ट** जो कि गोरखपुर पुलिस थाना के सामने स्थित है, जिसका निर्माण विकासकर्ता फर्म दीक्षित एवं ढ़िमोले एसोसिएट्स के पार्टनर सुरेन्द्र दीक्षित एवं नितिन ढ़िमोले द्वारा किया जा रहा था। 5डी अनुबंध के तहत भूमि स्वामी आशीष कुमार दास का हिस्सा 45 प्रतिशत निर्मित निर्माण का है, परन्तु दिनांक 31.10.2021 में नितिन ढ़िमोले फर्म से अलग होने के बाद समीर दीखित नये पार्टनर के रूप में शामिल हुए इसके बावजूद भी 31.10.2021 के बाद सुरेन्द्र दीक्षित एवं नितिन ढ़िमोले द्वारा लगभग 45 अतिरिक्त फ्लेटों का विक्रय पत्रों का निष्पादन किया गया जो कि उनके हिस्से 55 प्रतिशत से 15 ज्यादा है। जबकि 5डी अनुबंध के अनुसार भूमिस्वामी का पावर ऑफ एर्टानी अनिवार्य है । सुरेन्द्र दीक्षित, नितिन ढ़िमोले एवं समीर दीक्षित यह भलीभांति जानते हुए कि वे भूमिस्वामी की संपत्ति को बिना पावर ऑफ एर्टानी उक्त फ्लेटो का विक्रय-पत्र निष्पादन करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं रखते है, जानबूझकर स्वयं को भूमिस्वामी घोषित करते हुए विक्रय पत्रों का निष्पादन किया जो कि धोखाधड़ी है एवं बी.एन.एस. की धारा 318 (4) के अंतर्गत अपराध है, जिसकी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 जबलपुर द्वारा जांच में पाई गयी एवं जिला अभियोजन द्वारा भी इसकी पुष्टि की गई है। उक्त अवैध विक्रय-पत्रों द्वारा कुछ रहवासी अनाधिकृत कब्जा करने हेतु भूमिस्वामी के विरूद्ध सुरेन्द्र दीक्षित, नितिन ढ़िमोले एवं समीर दीक्षित के साथ षड्यंत्र कर रहे है एवं भूमि स्वामी के कब्जे में फ्लेटों के ताला तोड़कर एवं छत इत्यादि पर नया ताला लगा रहे है एवं कर्मचारियों से गाली-गलौच एवं मारपीट की जा रही है, जबकि भूमिस्वामी द्वारा जितेन्द्र माखीजा, नरेश जेठनी, शरदेन्दु प्रियदर्शी, छवि/ अजय श्रीवास्तव, गुनीत कौर मैनी/ गगनदीप सिंह मैनी, रंगीला कुमारी/ धनन्जय कुमार वगैरह के विरूद्ध न्यायालय में विक्रय पत्र शून्य करने हेतु व्यवहार वाद दायर किया गया है, जो कि विचाराधीन है, अतः उक्त संपत्ति के संबंध में संव्यवहार करने वाले व्यक्ति संस्था स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। जबलपुर दिनांक-29.06.2026

दिनेश उपाध्याय (अधिवक्ता)
सीट नं.50, स्वर्ण जयंती भवन,
हाईकोर्ट जबलपुर
मो.7999309054, 9826172309

प्रशिक्षण व्यावहारिक, सार्थक एवं प्रभावी होना चाहिए : राज्यमंत्री बागरी

नमामि गंगे मिशन अंतर्गत बेतवा नदी के वैज्ञानिक एवं समग्र पुनर्जीवन के लिये क्षमता वर्धन कार्यशाला

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

राज्यमंत्री प्रतिमा बागरी के मुख्य आतिथ्य में नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत बेतवा नदी के वैज्ञानिक एवं समग्र पुनर्जीवन के लिए विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डीपीआर) तैयार करने संबंधी दो दिवसीय क्षमता वर्धन कार्यशाला का शुभारंभ भोपाल में किया गया। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि भारत में नदियाँ केवल जल स्रोत नहीं, बल्कि जीवन और संस्कृति का केंद्र हैं। आमजन नदियों के जल को सर्वाधिक शुद्ध एवं पवित्र मानते हैं। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में डीपीआर तैयार करने संबंधी दिया जाने वाला प्रशिक्षण व्यावहारिक, सार्थक एवं प्रभावी होना चाहिए, जिससे भविष्य में तैयार होने वाली परियोजनाएँ नदी संरक्षण के उद्देश्य को सफलतापूर्वक पूरा कर सकें। राज्यमंत्री श्रीमती बागरी ने कहा कि डीपीआर तैयार करते समय प्राकृतिक स्रोतों की उपयोगिता तथा उनके संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में प्रकृति की पूजा का मूल उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण है, क्योंकि नदियों और वृक्षों के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं है। वृक्ष प्राकृतिक रूप से नदियों को स्वच्छ बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने बरसाती नालों की नियमित सफाई पर भी विशेष जोर देते हुए कहा कि इससे नदियों को प्रदूषण से बचाने में प्रभावी सहायता मिलती है। उन्होंने बहुउद्देशीय कार्यशाला के सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के कार्यकारी निदेशक बृजेन्द्र स्वरूप ने कहा कि नमामि गंगे मिशन के अंतर्गत गंगा की सहायक नदियों, विशेष रूप से बेतवा नदी के संरक्षण एवं पुनर्जीवन के लिए भी विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप नमामि गंगे मिशन कार्य कर रहा है। उन्होंने मिशन के पाँच प्रमुख स्तंभों- अविरल गंगा, निर्मल गंगा, जन गंगा, ज्ञान गंगा और अर्थ गंगा- की जानकारी देते हुए इनके महत्व पर प्रकाश डाला।

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त संकेत भोंडवे ने सभी आमंत्रित विषय विशेषज्ञों का स्वागत करते हुए कहा कि नमामि गंगे कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित यह दो दिवसीय कार्यशाला बेतवा नदी के पुनर्जीवन के लिए मील का पत्थर सिद्ध होगी। कार्यक्रम में नमामि गंगे मिशन के निदेशक धीरज जोशी ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर प्रमुख अभियंता प्रदीप मिश्रा भी उपस्थित रहे।

कार्यालय म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल भेड़ाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर म.प्र. पिन-482003

भवन लीज हस्तांतरण / नामांतरण हेतु सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुरवा कॉलोनी जबलपुर में भवन कमांक LIG-322 श्रीमति फूल तिवारी पति स्व. श्री संतोष तिवारी के नाम आवंटित है, जिसका विक्रय विलेख दिनांक 22.06.2019 को आवंटी के पक्ष में निष्पादित हो चुका है। उक्त भवन श्रीमति फूल तिवारी पति स्व. श्री संतोष तिवारी ने पंजीकृत विक्रय विलेख दिनांक 24.08.2019 के माध्यम से श्री मनीष रजक पिता श्री दिनेश रजक एवं श्रीमति संध्या रजक पति श्री मनीष रजक को विक्रय किया है। अतः श्री मनीष रजक पिता श्री दिनेश रजक एवं श्रीमति संध्या रजक पति श्री मनीष रजक द्वारा उक्त भवन उनके नाम लीज हस्तांतरण हेतु दस्तावेज/आवेदन इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। यदि किसी व्यक्ति, संस्था आदि को उपरोक्त लीज हस्तांतरण (भवन / भूखण्ड) बाबत् आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वैद्य आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित अवधि के पश्चात् लीज हस्तांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रक्षेत्र जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्रमांक-13 नगर निगम जबलपुर

पत्र क्र. संभा. अधि./13/ मुख्यालय/ 2026/ 27/एम/90 दिनांक 30/6/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री दीपक माधवानी पिता श्री महेन्द्र माधवानी ने मकान नं. 131 एफएफ/सी वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती भूतल 117 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा पदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है । जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर कार्यालय संभाग क्रमांक - 13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें ।

राजस्व निरीक्षक संभाग क्रमांक 13 मुख्यालय नगर निगम जबलपुर

किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

नहर मार्ग पर मिट्टी डालने का विरोध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। भीखाखेड़ा, प्रतापपुर, नुंजी, निपनिया और खम्परिया के किसानों ने माइनिंग नहर मार्ग पर मिट्टी की जगह मुरम डलवाने की मांग को लेकर अनुविभागीय अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। किसानों ने बताया कि वर्तमान में नहर मार्ग पर मिट्टी डाले जाने से बारिश के दौरान रास्ता दलदल में बदल जाएगा, जिससे धान सीजन में ट्रैक्टर खेतों तक नहीं पहुंच सकेंगे। किसानों का कहना है कि यदि ट्रैक्टर इस मार्ग से गुजरेंगे तो उनके धंसने और पलटने से बड़े हादसे हो सकते हैं।

मौके पर मिला समाधान

जनसुनवाई में 44 शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। मंगलवार को नगर निगम मुख्यालय एवं सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण किया गया। निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार के निर्देश पर अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, अशफाक परवेज कुरैशी, मनोज श्रीवास्तव तथा जनसुनवाई प्रभारी सहायक आयुक्त वेद प्रकाश ने आवेदकों की शिकायतें सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यालय में विभिन्न विभागों से जुड़े 44 आवेदन प्राप्त हुए।

जल संकट से निपटने मैदान में उतरे निगमायुक्त

सुबह-सुबह परियट पहुंचकर संभाली कमान

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

शहरवासियों को निर्बाध और शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर निगम प्रशासन ने जल आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। इसी क्रम में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार मंगलवार सुबह परियट जलाशय पहुंचे और अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा सहित अधिकारियों के

साथ व्यवस्थाओं का विस्तृत निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर चल रहे कार्यों की प्रगति का जायजा लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

45 सदस्यीय टीम और मशीनरी तैनात- परियट जलाशय में जल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। नगर निगम ने 45 सदस्यीय विशेष टीम के साथ आधुनिक मशीनरी और आवश्यक संसाधनों को तैनात किया है। टीम लगातार तकनीकी कार्यों में जुटी है ताकि शहर की पेयजल आपूर्ति प्रभावित न हो।

अधिकारियों की सीधी निगरानी

कार्य की गंभीरता को देखते हुए कार्यपालन यंत्री जल कमलेश श्रीवास्तव, जी.एस. मरावी, सहायक यंत्री राजेश खंपरिया, अनुराग पाठक, अंकुर नाग और अमजद खान मंसूरी सहित तकनीकी अधिकारी मौके पर मौजूद रहकर कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। इससे तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा रहा है और कार्यों में तेजी आई है।

जल प्रबंधन सर्वोच्च प्राथमिकता

निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने कहा कि नागरिकों को नियमित, स्वच्छ और पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की सर्वोच्च प्राथमिकता है। पूरी टीम पूरी क्षमता के साथ मैदान में कार्य कर रही है, ताकि जल आपूर्ति में किसी प्रकार की बाधा न आए।

अच्छी बारिश की कामना की

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने अधिकारियों के साथ भगवान भोलेनाथ, हनुमान जी एवं भगवान इंद्र देव की पूजा-अर्चना कर शहर में अच्छी बारिश और पर्याप्त जल उपलब्धता की प्रार्थना भी की।

'उमंग' का आगाज 3 दिनी ट्रेनिंग शुरू

स्वास्थ्य और खुशहाली के 'एम्बेसडर' बनेंगे शिक्षक

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

आयुष्मान भारत योजना के तहत बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य और मानसिक विकास को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने एक बड़ी पहल की है। क्षेत्रीय स्वास्थ्य परिवार कल्याण प्रशिक्षण केंद्र में तीन दिवसीय उमंग स्कूल हेल्थ एवं वेलनेस प्रशिक्षण कार्यक्रम का भव्य शुभारंभ हुआ। 29 जून से 1 जुलाई तक चलने वाले इस विशेष शिविर का उद्घाटन डॉ. नवीन कोठारी ने किया। इस कार्यशाला का उद्देश्य सरकारी स्कूलों के शिक्षकों को 'हेल्थ एवं वेलनेस एम्बेसडर' के रूप में तैयार करना है। तीन दिनों तक चलने वाले इस सत्र में शिक्षकों को आवश्यक ज्ञान और कौशल सिखाया जा रहा है, ताकि वे स्कूल लौटकर बच्चों के शारीरिक व मानसिक विकास में मार्गदर्शक की भूमिका निभा सकें। ट्रेनिंग के जरिए स्कूलों में एक ऐसा माहौल तैयार करने की कोशिश है, जहां पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों की सेहत पर भी पूरा फोकस रहे। उद्घाटन के बाद शुरू हुए प्रथम सत्र में मास्टर ट्रेनर प्रतिभा दुबे और उनकी टीम ने शिक्षकों को गहन प्रशिक्षण दिया। इस दौरान किशोरावस्था की चुनौतियां, बेहतर पोषण, मानसिक स्वास्थ्य, व्यक्तिगत स्वच्छता और जीवन कौशल जैसे बेहद संवेदनशील और जरूरी विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई।

यह प्रशिक्षण छात्रों के भीतर एक स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक व्यवहार विकसित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। कार्यक्रम के डॉ. विनीता उप्पल, निशांत श्रीवास्तव, बृजेश त्रिवेदी ,माया सिंह, मनीषा सोनी, सुनील सोनी और विशाल विश्वकर्मा उपस्थित रहे।

डुमना के जंगल में मिला 21 दिन से लापता किशोर का शव

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

खमरिया थाना अंतर्गत डुमना क्षेत्र के महगवां में 21 दिनों से लापता एक किशोर का शव मिलने से सनसनी फैल गई है। खाटू श्याम मंदिर के पीछे टेमरभीटा के जंगलों में पुलिस को मंगलवार 30 जून को एक शव बरामद हुआ, जिसकी पहचान ग्राम महगवां निवासी राजकुमार बैगा के 17 वर्षीय पुत्र नितिन बैगा के रूप में हुई है। नितिन बीते 9 जून से रहस्यमयी ढंग से लापता था, जिसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट परिजनों ने खमरिया थाने में दर्ज कराई थी। पुलिस के मुताबिक, नितिन की गुमशुदगी पर तलाश की जा रही थी। मंगलवार को ग्रामीणों ने जंगल में एक अज्ञात शव देखा, जिसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी गई। जानकारी मिलते ही थाना प्रभारी, डुमना चौकी प्रभारी और पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची। शव की गंभीर स्थिति को देखते हुए फॉरेंसिक विशेषज्ञों की टीम को भी जांच के लिए मौके पर बुलाया गया। शुरुआती जांच और साक्ष्यों के आधार पर किशोर का शव पेड़ पर एक रस्सी के सहारे लटका हुआ पाया गया। अत्यधिक गर्मी और करीब तीन सप्ताह का समय बीत जाने के कारण शव पूरी तरह गल चुका था। सड़ने की प्राकृतिक प्रक्रिया के चलते शरीर का निचला हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया था। प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, लेकिन पुलिस हत्या सहित अन्य सभी पहलुओं पर भी बारीकी से जांच कर रही है। सीएसपी रांझी सतीश कुमार साहू ने बताया कि 9 जून की रात बालक के लापता होने की एफआईआर दर्ज कर टीम को खोजबीन में लगाया गया था। आज उसका शव टेमरभीटा के जंगलों में मिला है। फिलहाल मर्ग कायम कर मामले की वास्तविक वजहों की जांच शुरू कर दी गई है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने डॉ. श्वेता तिवारी को सौंपी डी. लिट. की मानद उपाधि

भारतीय रेलवे में ग्राहक सेवा पर किया शोध

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। रादुविवि के 36वें दीक्षांत समारोह में शहर की होनहार शोधकर्ता डॉ. श्वेता तिवारी को शैक्षणिक उपलब्धि से नवाजा गया। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार ने दीक्षांत समारोह के मंच से डॉ. श्वेता तिवारी को सामाजिक विज्ञान संकाय के अंतर्गत वाणिज्य (कॉमर्स) विषय में 'डॉक्टर ऑफ लिटरेचर' डी.लिट. की उपाधि प्रदान की। डॉ. श्वेता ने अपना यह

उच्च स्तरीय शोध कार्य कस्टमर रिलेशनशिप मैनेजमेंट इन इंडियन रेलवे ए स्टडी ऑफ वेस्ट सेंट्रल रेलवेज जबलपुर डिवीजन एंड सेंट्रल रेलवेज नागपुर डिवीजन विषय पर पूरा किया है। उन्होंने रिसर्च शिक्षाविद् डॉ. सुनील कुमार पहवा के कुशल निर्देशन और रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के सामाजिक विज्ञान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. विवेक मिश्र के विशेष मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया। आने वाले समय में यह शोध रेलवे की ग्राहक सेवा में सुधार और यात्री सुविधाओं को हाईटेक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण योगदान साबित होगा। डॉ. श्वेता तिवारी को प्राध्यापकों, शोधार्थियों, मित्रों, गणमान्य नागरिकों तथा उनके परिवारजनों ने हार्दिक बधाई दी है।

शैलपर्ण उद्यान में याद किये गए सम्राट पृथ्वीराज चौहान

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । देश की आन-बान और शान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले राष्ट्रवीर अमर बलिदानी सम्राट पृथ्वीराज चौहान की 863वीं जयंती मंगलवार, 30 जून को मनाई गई। शहर के जागरूक युवा सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शैलपर्ण उद्यान स्थित उनकी प्रतिमा स्मारक पर एकत्रित होकर पुष्पांजलि और माल्यार्पण किया। इस दौरान युवाओं ने गगनभेदी नारों के साथ सम्राट पृथ्वीराज चौहान को देश का महानायक और प्रेरणापुंज बताते हुए उनके दिखाए शौर्य के मार्ग पर चलने का संकल्प दोहराया। जयंती समारोह में निमित पाठक ने इतिहास के पन्नों को साझा करते हुए कहा कि समस्त जबलपुर वासियों के लिए

यह बेहद सौभाग्य और गर्व का विषय है कि महाप्रतापी सम्राट पृथ्वीराज चौहान का जन्म उनके ननिहाल संस्कारधानी जबलपुर में हुआ था। इस ऐतिहासिक जुड़ाव के कारण जबलपुर के युवाओं में उनके प्रति एक अलग ही श्रद्धा और आदर का भाव हमेशा बना रहता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे ठा. दीपक सिंह राजपूत ने विश्व प्रसिद्ध दोहे, चार बांस चौबीस गज, अंगुल अष्ट प्रमाण, ता ऊपर सुल्तान है, मत चूके चौहान का अनुसरण करते हुए याद दिलाया की कैसे शब्दभेदी बाण चलाकर मोहम्मद गौरी का अंत कर दिया था। इस समारोह में अथर्व सिंह बघेल, निखिल जैन, मयंक पाठक, संजय सिन्हा, निशार खान, राजेश पटेल, उपस्थिति रहे ।

जनसुनवाई में दोबारा पहुंचे 34 मामलों पर कलेक्टर सख्त, 182 आवेदनों पर हुई सुनवाई

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में आम नागरिकों की समस्याओं से जुड़े कुल 182 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 34 आवेदन ऐसे थे जो दोबारा जनसुनवाई में पहुंचे, जिसे कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने गंभीरता से लिया। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों से प्रत्येक लंबित आवेदन पर अब तक की गई कार्रवाई की विस्तृत जानकारी ली और सभी मामलों का शीघ्र एवं प्रभावी निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर श्री राघवेंद्र सिंह ने अधिकारियों को

निर्देशित किया कि जनसुनवाई में बार-बार आने वाले मामलों का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध, पारदर्शी और संवेदनशील तरीके से समाधान सुनिश्चित किया जाए।

जनसुनवाई में आए प्रमुख मामलों में सड़क दुर्घटना में मृत्यु के बाद सहायता राशि नहीं मिलने, स्वामित्व योजना के तहत पट्टा जारी न होने, मकान पर कब्जा एवं प्रताड़ना, बेदखली, राशन कार्ड बंद होने, पात्रता पर्ची बनवाने, काबिज भूमि पर पट्टा देने, नक्शा सुधार, शराब दुकान हटाने, धान भुगतान, अतिक्रमण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, भूमि पर कब्जा, बीपीएल कार्ड, अनुकंपा नियुक्ति, छात्रवृत्ति, स्कूल में प्रवेश, टीसी प्रदान करने, संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह सहायता, प्रधानमंत्री आवास योजना, आर्थिक सहायता, आपसी विवाद तथा भूमि डायवर्सन से संबंधित आवेदन प्रमुख रहे।

जनसुनवाई के दौरान अपर कलेक्टर श्रीमती नीता राठौर, आर.आर. राय सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे और आवेदकों की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की।

सरकारी खजाने की बंदरबांट पर भड़का महाकौशल मंच

जबलपुर (स्वतंत्र मत) । निजी व विवादित भूमियों पर सरकारी पैसे से होने वाले अवैध निर्माणों को लेकर 'महाकौशल जनप्रतिनिधि विचार मंच' ने कड़ा रुख अपनाया है। मंच ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सहित वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर शासकीय धन के दुरुपयोग को तत्काल रोकने की मांग की है। मंच ने चेतावनी दी है कि यदि इस गंभीर समस्या का स्थायी समाधान नहीं हुआ, तो वे व्यापक जनआंदोलन करेंगे।

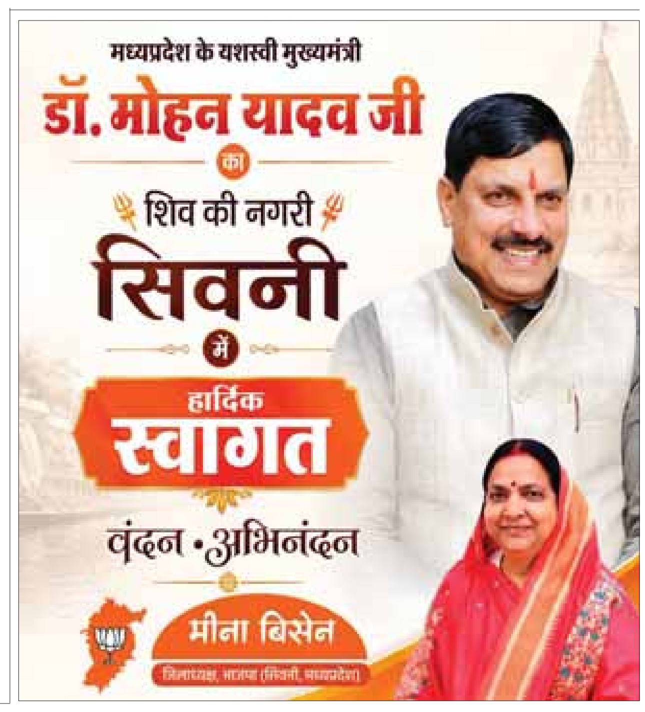

संतों के सत्संग में उमड़े श्रद्धालु

सिहोरा (स्वतंत्र मत)। गांधीग्राम स्थित सद्गुरु कबीर आश्रम में 29 जून को कबीर प्रकटोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत 26 जून से आयोजित विशेष धार्मिक अनुष्ठानों और कबीर सत्संग से हुई। रीवा से पधारे परमपूज्य सनाथ साहब, कुदगवां (कटनी) के मूरत साहब तथा गांधीग्राम के विनय साहब ने कबीर वाणी, साखियों और भजनों के माध्यम से सत्य, सदाचार और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर आश्रम के मंदिर निर्माण एवं विकास कार्यों के लिए मोनू पुष्पराज सिंह बघेल ने 1.50 लाख की राशि स्वीकृत की, जिस पर कबीर अनुयायियों ने उनका आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में कोड़ीलाल, अजय कुमार, इन्द्रकुमार, शोभाराम, शिवनारायण, संजू, विशाल, संत कुमार, रामरतन भैय्या, दौलतराम, सुशील, सुदामा, सुनील एवं गणेश प्रसाद श्रद्धालु एवं प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**